मौसम		
शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.2	19.2
जमशेदपुर	30.6	16.0
डालटनगंज	26.9	14.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● बुधवार, 29 नवंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 2, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 221 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

किसने क्या कहा

- राजस्थान सहित पांच राज्यों के चुनाव में कांग्रेस की जीत होगी : **अशोक गहलोत**
- खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : **हेमंत सोरेन**
- भाजपा ने वंशवाद, परिवार की धार को कमजोर किया है : **बाबूलाल मरांडी**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,800
चांदी (किलो)	78,000

ब्रीफ खबरें

कोर्ट ने शवों के अंत्येष्टि के लिए दिए निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर में मुर्दाघरों में रखे शवों को दफनाने या दाह-संस्कार सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को निर्देश जारी किए. पूर्वोत्तर राज्य में मई में भड़की जातीय हिंसा में कई लोग मारे गए थे.

तो पीएम मोदी को हराना जरूरी: राहुल

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि उनका लक्ष्य देश में नफरत खत्म करना है और इसके लिए केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराना जरूरी है. राहुल ने तेलंगाना में चुनाव के अंतिम दिन कांग्रेस के लिए वोट मांगा.

पीएम के बयानों पर संज्ञान ले आयोग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के कथित 'आपत्तिजनक बयानों' के मामले में निर्वाचन आयोग से जल्द कार्रवाई की मांग की. कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि चुनाव आयोग को इनके बयानों पर भी नजर रखनी चाहिए.

पीएम मोदी ने 4 राज्यों में की 40 सभाएं

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने आगामी लोस चुनाव से पहले 5 राज्यों में हो रहे विस चुनावों के आखिरी दौर में 40 चुनावी सभाओं को संबोधित किया और कुछ रोड शो भी किए. एमपी में सबसे अधिक 14 चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया.

छुट्टियों में कटौती पर बिहार में भाजपा हुई हमलावर

पटना। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से जारी 'अवकाश कैलेंडर 2024' में 'हिंदू त्योहारों पर मिलने वाली छुट्टियों' में कटौती को लेकर भाजपा ने मंगलवार को राज्य सरकार पर निशाना साधा है.

श्रीलंका में भारत के लिए मुफ्त पर्यटक वीजा

कोलंबो। पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के मकसद से श्रीलंका ने भारत समेत छह देशों के नागरिकों को मुफ्त पर्यटक वीजा की सुविधा देने की नीति लागू कर दी है. इससे भारतीय पर्यटकों को तत्काल मुफ्त पर्यटक वीजा मिल सकेगा.

गाजा में युद्ध विराम की अवधि दो दिन बढ़ी

तेल अवीव। बंधक बनाए गए और लोगों को छोड़े जाने के हमास के वादे के बीच इजराइल के साथ उसका युद्ध विराम समझौता पांचवें दिन मंगलवार को जारी रहा. यह अवधि दो दिन और बढ़ा दी गई है.

शेयर बाजारों में रौनक सेंसेक्स 204 अंक चढ़ा

मुंबई। विदेशी निवेशकों की सक्रियता के बीच वाहन, बिजली और धातु शेयरों में अंतिम दौर की खरीदारी आने से मंगलवार को घरेलू मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी पिछले दो सत्रों की गिरावट से उबरते हुए चढ़ कर बंद हुए. अडाणी समूह के शेयरों में उछाल आया.

ओडिशा में चक्रवाती तूफान के बीच अलर्ट

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने अंडमान सागर पर कम दबाव वाले क्षेत्र के निर्माण के बीच सात तटीय जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है. अधिकारियों के मुताबिक, कम दबाव वाले क्षेत्र के दबाव क्षेत्र में तब्दील होकर दो दिसंबर तक चक्रवात में बदलने की संभावना है.

19 डॉक्टरों ने झारखंड में काम करने से कहा ना...

सौरभ कुमार शुक्ला। रांची

झारखंड लोकसेवा आयोग (जेपीएससी) ने स्वास्थ्य विभाग के अधीन विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति को लेकर विज्ञापन प्रकाशित किया था. 771 पदों के लिए निकाली गई नियुक्ति में 578 पद फिर से खाली रह गए.

शैक्षणिक योग्यता, कार्य अनुभव और साक्षात्कार के आधार पर 193 चिकित्सकों का चयन किया गया. इनमें 19 ऐसे चिकित्सक हैं जिन्होंने झारखंड में अपनी सेवा देने से इंकार कर दिया है. वजह ये है कि चयनित चिकित्सक अपनी सेवा दूसरे प्रदेश में देंगे. ऐसे में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने झारखंड मेडिकल काउंसिल से इन चिकित्सकों की रजिस्ट्रेशन रद्द करने की अनुशंसा की है. यही नहीं राज्य की मेडिकल काउंसिल ने झारखंड राज्य से निबंधित चार चिकित्सकों को शोकॉज भी किया है.

क्यों झारखंड में काम नहीं करना चाहते हैं डॉक्टर..?

इनके लाइसेंस रद्द करने की स्वास्थ्य विभाग ने की अनुशंसा

- राज्य मेडिकल काउंसिल ने झारखंड से निबंधित 4 को किया शोकॉज
- खाली रह गयीं झारखंड में चिकित्सकों की सीट, कैसे कमी होगी दूर

बड़ा सवाल?

1. जेपीएससी द्वारा जारी विज्ञापन में आखिर क्यों नहीं बताया गया कि ज्वॉइन नहीं करने वाले डॉक्टरों का रजिस्ट्रेशन कैंसिल होगा?
2. राज्य में चिकित्सकों की भारी कमी, नियुक्ति प्रक्रिया को जटिल करने से कैसे होगा मरीजों का इलाज?
3. क्या वजह है कि राज्य में मेडिकल सेवा नहीं देना चाहते हैं चिकित्सक?

कहां खाली हैं कितनी सीटें

विभाग	पद	नियुक्त	खाली
फॉरेंसिक एक्सपर्ट	20	02	18
ऑर्थो	28	17	11
नेत्र	25	18	07
ऑब्स एंड गायनी	36	27	09
एनेस्थेसिया	80	26	54
मनोचिकित्सक	08	06	02
पीडियाट्रिक	234	38	196
ईएनटी	12	08	04
रेडियोलॉजिस्ट	28	03	25
फिजिशियन	236	13	223
कुल	771	193	578

क्या कहते हैं मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार

झारखंड मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ बिमलेश सिंह ने कहा कि राज्य की मेडिकल काउंसिल से रजिस्टर्ड डॉक्टरों से स्पष्टीकरण मांगा गया है. 19 में से चार डॉक्टर झारखंड मेडिकल काउंसिल से रजिस्टर्ड हैं. शेष 15 डॉक्टर दूसरे प्रदेशों से रजिस्टर्ड हैं. ऐसे में उनका रजिस्ट्रेशन कैंसिल करना हमारे हाथ में नहीं है.

चिकित्सकों के लिए कड़े नियम बाधक

डॉ मृत्युंजय सिंह

राज्य स्वास्थ्य सेवा संघ के राज्य सचिव डॉ मृत्युंजय सिंह ने कहा कि यहां पर प्राइवेट प्रैक्टिस पर कई नियम-शर्तों को लगा कर जिस तरीके से बैन लगाया गया है इससे डॉक्टरों में निराशा है. क्योंकि राज्य की तरफ से उन्हें नॉन प्रैक्टिसिंग अलाउंस नहीं दिया जाता है. सैलरी स्ट्रक्चर अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है. इससे चिकित्सक यहां काम नहीं करना चाहते. केंद्र की तर्ज पर पिछले 10 सालों से डायनेमिक एसीपी की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक लागू नहीं किया गया. जबकि बिहार ने इसे अपनाया है उन्होंने कहा कि तीनों विषयों के लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मंथन चल रहा है ताकि राज्य में चिकित्सकों की कमी को दूर किया जा सके.

असुरक्षा का माहौल इसलिए काम नहीं करना चाहते : डॉ प्रदीप

वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) झारखंड के सचिव डॉ प्रदीप सिंह ने कहा कि राज्य में चिकित्सकों पर होने वाले हमले को लेकर असुरक्षा का वातवरण है. मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट की मांग लंबे समय से हो रही है, लेकिन सरकार इसे अनसुना कर देती है, जिस कारण झारखंड में चिकित्सक काम नहीं करना चाहते है. वहीं पड़ोसी राज्य बिहार में ऐसा नहीं है, वहां के चिकित्सकों को झारखंड के चिकित्सक से ज्यादा वेतन मिलता है.

लोहरदगा में सीएम ने केंद्र से लेकर विपक्ष पर किया प्रहार, कहा

गंदगी की सफाई

कौशल आनंद। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को आपकी सरकार, आपकी योजना, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत लोहरदगा में थे. इस दौरान सीएम ने 133 करोड़ की 21 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया . वहीं 80, 208 लाभुकों के बीच 132 करोड़ की परिसंपत्तियों का वितरण किया. उन्होंने लाभुकों के बीच प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र और नियुक्ति पत्र का वितरण किया. आयोजित कार्यक्रम में जनता को संबोधित करते हुए हेमंत ने अपने ऊपर लग रहे सभी आरोपों का एक-एक करके जवाब दिया और केंद्र सरकार से लेकर राज्य के विपक्ष और पूर्ववर्ती रघुवर सरकार पर जम कर प्रहार किए.

सीएम ने अपने ऊपर लग रहे भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि मैं गरीबों की भलाई के लिए कल्याणकारी योजनाएं चला रहा हूं, तो विपक्ष सहयोग की बजाय षड्यंत्र में लगा है. वो आरोप लगाता है कि 4 साल में हमने क्या किया. मैं कहता हूं कि विपक्ष ने राज्य में 23 साल जो गंदगी फैलाई, उसे साफ करने का काम 3 साल में कैसे कर दूं. वक्त तो लगेगा ही. विपक्ष के हमारे साथियों को 23 साल का समय मिला था, लेकिन निकम्मों ने केवल गंदगी फैलाई. काम नहीं किया.

-शेष पेज 10 पर

सीएम ने कही ये बड़ी-बड़ी बातें

- 23 वर्ष की गंदगी, 3 साल में कैसे साफ करूं
- **डबल इंजन की सरकार में गरीब हाथ में राशन कार्ड लेकर भूखे मर गए**
- नौकरी देने वाले संस्थान बेचे जा रहे हैं, 4 साल के लिए दी जा रही फौज में नौकरी, फिर आ जाएंगे सड़क पर
- **स्वरोजगार का प्रयास करें युवा, खतियान आधारित स्थानीय नीति विपक्ष ने रोक दिया**
- यह सरकार आदिवासी-मूलवासी की सरकार है, चुनाव निकट देख सिदो-कान्हू याद आने लगे विपक्ष को
- **जमीन घोटोले का मुझ पर आरोप बेबुनियाद, क्या मैं बाहरी हूं जो जमीन लूटूंगा, मैंने बचायी नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज की जमीन**
- उत्तरकाशी टनल में मजदूर के बेटे फंसे हैं, अगर व्यापारी का होता, तो अब तक बाहर निकल आते

मैं बाहरी या व्यापारी नहीं हूं, मैं क्यों लूटूंगा जमीन

सीएम ने अपने ऊपर लग रहे जमीन घोटाले के आरोपों का भी जवाब दिया. कहा कि क्या मैं बाहरी हूं, जो आदिवासियों की जमीन छीनूंगा. मैं आदिवासी-मूलवासी हूं. फील्ड फायरिंग रेंज और हजारीबाग में उद्योग की स्थापना के लिए अधिग्रहण की गई जमीन का जिक्र करते हुए कहा कि मैंने 50 साल से संघर्ष कर रहे, कई शहादतें दे चुके आदिवासी-मूलवासी की फील्ड फायरिंग रेंज की जमीन को वापस की. परियोजना बंद करा दी. विपक्ष पर आरोप लगाया कि उनकी सरकार के खिलाफ षड्यंत्र किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार कल्याणकारी योजनाएं चलाती है तो विपक्ष छाती पीटने लगता है.

हौसले को सलाम

उत्तरकाशी: पत्थरों की सुरंग का सीना चीरकर बाहर आए मजदूर

17वें दिन पूरा हुआ रेस्क्यू

17 दिन बाद जीत गई जिंदगी...

400 घंटे मौत से जंग

मंगलवार शाम होने के साथ ही सबकी नजरें उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग की ओर थीं. रात करीब 8 बजे पहले श्रमिक को 400 घंटे बाद बाहर निकाला गया, तो खुशी की लहर दौड़ गई. बारी-बारी से सभी 41 श्रमिकों को सुरंग से बाहर सुरक्षित निकाल लिया गया. हालांकि श्रमिकों में इतनी मुश्किलों को सहने के बाद भी उनके चेहर पर खुशी थी. सभी श्रमिकों की जीवटता को सलाम है.

- **बारी-बारी सुरंग से बाहर निकाले गए सभी 41 श्रमिक**
- **सुरंग में फंसे थे झारखंड के भी 15 मजदूर**

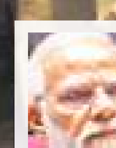

हमारे 41 श्रमिक भाइयों को बचाने के लिए चलाए गए अभियान की सफलता हर किसी को भावुक कर देने वाली है. टनल में जो साथी फंसे हुए थे, उनसे मैं कहना चाहता हूं कि आपका साहस और धैर्य हर किसी को प्रेरित कर रहा है. मैं आप सभी की कुशलता और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं. **-पीएम नरेंद्र मोदी**

खनन बंद, डेढ़ लाख लोग बेरोजगार

झारखंड में कार्यरत 2.50 लाख मजदूरों के पास वैकल्पिक रोजगार का हुनर नहीं

रवि भारती। रांची

झारखंड में खदानों के शुरू नहीं होने से डेढ़ लाख से अधिक लोग रोजगार से वंचित हो गए हैं. 39 कोल ब्लॉक में अब तक पेंच फंसा हुआ है. हालांकि कोल बॉल्क के नीलामी की प्रक्रिया शुरू की गई है. कोयला खदानों के बंद होने से इन मजदूरों के रोजी-रोटी में आफत हो गई है. इसकी वजह यह है कि इनके पास वैकल्पिक रोजगार के लिए हुनर नहीं हैं. एक कोल ब्लॉक में 4 से 5 हजार लोगों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलता है. इस हिसाब से 39 कोल ब्लॉक शुरू होने पर डेढ़ लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलता है. वहीं अबतक 19 कंपनियों को ही खनन से पहले ड्रिल कर खनिज का पता लगाने का लाइसेंस मिला है.

-शेष पेज 10 पर

झारखंड में क्या है कोयले की स्थिति

- राज्य में रिजर्व **80.36** बिलियन टन
- सीसीएल को आवंटित खदानों में रिजर्व **42.37** बिलियन टन
- बीसीसीएल को आवंटित खदानों में रिजर्व **19.43** बिलियन टन
- ईसीएल को आवंटित खदानों में रिजर्व **18.56** बिलियन टन

रांची जमीन घोटाला में दिलीप घोष को जमानत

रांची। राजधानी रांची में हुए सेना की जमीन घोटाला मामले के मुख्य आरोपी दिलीप घोष को झारखंड हाइकोर्ट ने जमानत दे दी है. बीते 9 नवंबर को हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए जमानत पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. इस दौरान दिलीप घोष की ओर से अदालत को बताया गया था कि इस मामले में उसकी कोई संलिप्तता नहीं है. इसके बाद हाईकोर्ट ने 28 नवंबर को फैसला सुनाने की बात कही थी. मंगलवार को अदालत ने फैसला सुनाते हुए जमानत दे दी.

-पेज 5 भी देखें

झारखंड के 5 मजदूर सऊदी अरब में फंसे

केंद्र और राज्य सरकार से लगाई वतन वापसी में मदद की गुहार

संवाददाता। बेरमो

बोकारो, गिरिडीह और हजारीबाग जिले के 5 मजदूर सऊदी अरब में फंसे हुए हैं. मजदूरों न वीडिओ बना कर केंद्र और झारखंड सरकार से वतन वापसी की गुहार लगाई है. खबर मिलने के बाद मजदूरों के परिजनों ने भी सरकार से उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने की मांग की है. मजदूरों ने कहा है कि कंपनी ने

उन्हें पिछले आठ महीने से वेतन नहीं दिया है, खाने-पीने की भी दिक्कत हो रही है. सभी मजदूरों की बीजा की अवधि भी समाप्त हो गई है.

सिकंदर अली ने सरकार से की अपील : इधर, मजदूर हित में काम करनेवाले सिकंदर अली ने केंद्र व राज्य सरकार से सऊदी अरब में फंसे मजदूरों को वापस लाने में मदद की अपील की है.

-शेष पेज 10 पर...

सियासी कौतूहल की नयी आधारशिला

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

वीपी सिंह पिछड़ों के मसीहा रहे हैं. लेकिन उन्हें वह महत्व नहीं मिल पाया जिसके वह हकदार थे. उन्होंने ही 1990 में मंडल की सिफारिशें लागू कीं, जिससे पिछड़ों को आरक्षण मिला.

त्वरित टिप्पणी

एक खबर देखने-पढ़ने में आम है, लेकिन इसके सियासी मायने खास हैं. खबर यह है कि तमलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 27 नवंबर को पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह (वीपी सिंह) का स्मृति दिवस मनाया. इस अवसर पर उन्होंने एक भव्य समारोह आयोजित किया, वीपी सिंह की बड़ी प्रतिमा स्थापित की और उनकी पत्नी तथा बेटों को भी आमंत्रित किया. इस समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सपा प्रमुख अखिलेश यादव उपस्थित रहे. इस अवसर पर स्टालिन ने कहा कि वीपी सिंह पिछड़ों के मसीहा रहे हैं. लेकिन उन्हें वह महत्व नहीं मिल पाया जिसके वह हकदार थे. उल्लेखनीय है कि वीपी सिंह ने ही 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की जिसके कारण सरकारी नौकरियों में पिछड़ों को अलग आरक्षण मिलने लगा है. यह बात अलग है कि वीपी सिंह ने पिछड़ा प्रेम के उत्साह में यह निर्णय नहीं लिया था. उन्होंने तो देवीलाल की प्रधानमंत्री बनने की कुलांचे भरती तमन्ना को पलीता लगाने के लिए ऐसा किया था.

बहरहाल स्टालिन की इस नई पहल से कई सवाल खड़े हो रहे हैं. पहला यह कि क्या वह इंडिया (भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन) से अलग भाजपा विरोधी कोई नया मोर्चा बनाना चाहते हैं? यदि नहीं, तो उन्होंने इस समारोह में राहुल गांधी को क्यों नहीं बुलाया जो पिछड़ों को झंडाबरदार बने घूम रहे हैं? राहुल उपलब्ध नहीं थे तो खड़गे साहब को ही बुला लेते! कांग्रेस तो लमिलनाडु में द्रमुक का सहयोगी-दल है. दोनों साथ मिल कर चुनाव लड़ते हैं. राष्ट्रीय स्तर पर भी एक ही गठबंधन में हैं. फिर हिंदी पट्टी के उस नेता को उन्होंने क्यों बुलाया जिसकी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव न केवल वीपी सिंह के प्रबल विरोधी थे, बल्कि हिंदी के कट्टर समर्थक थे. स्टालिन तो हिंदी और हिंदू दोनों से घृणा करते हैं, सवाल यह भी है कि स्टालिन ने लालू प्रसाद और नीतीश कुमार जैसे धाकड़ मंडलवादियों से दूरी क्यों बनाई. जो उनके इंडिया में भी हैं?

प्रश्न यह भी है कि स्टालिन को वीपी सिंह की याद आज क्यों आ रही है? क्या इसकी वजह तनिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई का समग्र हिंदू समाज के एकीकरण का अभियान है जिससे स्टालिन विचलित हैं? यदि समारोह में अखिलेश को इसलिए बुलाया गया कि उनके एक नेता आए दिन सनातनियों को गरियाते हैं और सनातन धर्मग्रंथों की खिल्ली उड़ाते हैं जो स्टालिन परिवार को सुकून देता है तो यह धतकर्म तो खड़गे पुत्र प्रियांक से लेकर कांग्रेस के कई नेता करते ही करते हैं. लालू प्रसाद के विधायक और नीतीश सरकार के एक मंत्री भी तो इसी बीमारी से ग्रस्त हैं. फिर इन महानुभावों को आमंत्रित नहीं करने का औचित्य क्या है? हां अखिलेश ने एक काम जरूर किया है जो विपक्षी गठबंधन के किसी नेता ने नहीं किया है. और यह कि उन्होंने हाल के दिनों में कांग्रेस पर जिन सुगंधित सुभाषितों की बरसात की है. वह कोई दूसरा नहीं कर पाया है. इसी वजह से यह कयास लगाया जा रहा है कि क्या स्टालिन अखिलेश गैर भाजपा-गैर कांग्रेस तीसरे मोर्चे की कवायद में लग गए हैं?

-शेष पेज 10 पर...

ईडी ने साहिबगंज एसपी से की 8 घंटे तक पूछताछ

सौरभ सिंह। रांची

- गवाह को प्रभावित करने के मामले में एसपी नौशाद आलम ने अपनी संलिप्तता से किया इनकार

साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम मंगलवार को ईडी के रांची जोनल ऑफिस पहुंचे थे. जिसके बाद उनसे ईडी के अधिकारियों के द्वारा करीब आठ घंटे तक पूछताछ की. इस दौरान ईडी ने नौशाद आलम से उसके गवाह विजय हांसदा को प्रभावित करने के बारे में पूछताछ की, लेकिन नौशाद आलम ने इस मामले में अपनी संलिप्तता से इन्कार कर दिया. नौशाद आलम ने ईडी को बताया कि साहिबगंज पुलिस ने विजय हांसदा को कोर्ट के निर्देश के बाद बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाया था. जब नौशाद आलम ने साहिबगंज एसपी का पदभार ग्रहण किया, उसके बाद विजय हांसदा ने सुप्रीम कोर्ट में एक

केस के सिलसिले बॉडीगार्ड के साथ दिल्ली जाने को लेकर आवेदन दिया था. चूंकि जिस दिन विजय को दिल्ली जाना था, उस दिन रविवार था, ऐसे में रेल वारंट नहीं मिल पाया, सुरक्षा को देखते हुए दुमका डीआईजी के आदेश पर विजय को बॉडीगार्ड के साथ दिल्ली जाने की इजाजत दी गई.

-शेष पेज 10 पर...

संयुक्त किसान मोर्चा का तीन दिवसीय महापड़ाव संपन्न

केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संघर्ष का संकल्प

संवाददाता। रांची

किसान मजदूरों के संयुक्त बैनर तले राजभवन के समक्ष आयोजित तीन दिवसीय महापड़ाव कार्यक्रम मंगलवार को बड़े संघर्षों के संकल्प के साथ संपन्न हो गया. इसकी अध्यक्षता मिथिलेश सिंह, भवन सिंह, सुफल महतो, प्रफुल्ल लिंडा ने संयुक्त रूप से किया.

मालूम हो कि यह महापड़ाव केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ किया गया. जनता बचाओ, देश बचाओ के उद्देश्य से वैकल्पिक नीतियों चार मजदूर विरोधी लेबर संहिताओं को समाप्त करने, किसानों के लिए वैधानिक एमएसपी सुनिश्चित करने, विनिवेश और एनएमपी के प्रयासों को समाप्त करने, बिजली संशोधन विधेयक एवं नई शिक्षा नीति वापस करने, अनौपचारिक क्षेत्र के कामगार, ठेकेदार कामगार एवं स्कीम वर्करों के लिए कानूनी तथा सामाजिक सुरक्षा, समान काम के लिए समान वेतन, शहरी क्षेत्रों के लिए रोजगार गारंटी तथा मनरेगा की मजबूतीकरण सुनिश्चित करने, पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने,

कार्यक्रम संपन्न

- जनता बचाओ, देश बचाओ के उद्देश्य से महापड़ाव
- राजभवन के समक्ष विभिन्न मांगों को लेकर प्रचार-प्रसार

पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क कम करने, मूल्य वृद्धि पर रोक लगाने, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए अमीर व कॉर्पोरेट पर उच्च कर लगाने, जन सुविधाओं के क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश में वृद्धि महंगाई पर रोक लगे, सभी के लिए रोजगार, खाद्य सुरक्षा,आवास , स्वास्थ्य, पानी, एवं बिजली सुनिश्चित हो, सब्सिडी में कटौती और कॉरपोरेट को राहत वाली नीति वापस हो, राष्ट्रीय संपदा एवं सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण बंद हो, हर काम का उचित दाम मिले जैसे मांगों को लेकर प्रचार चलाया गया. मौके पर राष्ट्रीय नेता अवधेश कुमार, किसान सभा के महासचिव सुरजीत सिन्हा, लिलाधर सिंह, अशोक यादव, सबिना खातून, प्रकाश विप्लव, मीरा देवी, संजय वर्मा, बीएन सिंह, संजय पासवान, राजेन्द्र गोप , एमएल सिंह, महिला नेत्री वीणा लिंडा आदि ने अपने विचार रखे. संचालन सीटू के महासचिव विश्वजीत देव ने किया. महापड़ाव कार्यक्रम में किसानों समेत कोयला, इस्पात, तांबा, बॉक्साइट माईका, इंजीनियरिंग, अभ्रक, विद्युत, परिवहन, निर्माण, सेल्स प्रमोशन, बीड़ी उद्योग, सहित बड़ी संख्या में परियोजना कर्मी, गिग वर्कर , ठेका एवं आउटसोर्सिंग मजदूर, कामकाजी महिलाएं भी शामिल थीं.

ब्रीफ खबरें

ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे के लिए टास्क फोर्स बैठक

रांची। डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने मंगलवार को समाहरणालय में ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे 2023 के सफलता के लिए जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की. सर्वे के लिए 313 स्कूल एवं कक्षा एक व दो में अध्ययनरत 8230 बच्चे चयनित हैं. कुल 18 टीमों के द्वारा सभी चयनित स्कूलों में 8230 बच्चों की जांच एफटीएस कीट से की जानी है. सभी चयनित स्कूलों में जांच हेतु अभिभावकों की अनुमति प्रदान करने के लिए सहमति पत्र दिया जाएगा. जांचोपरांत बच्चों को बिस्किट एवं केक भी दिया जाना है. जांचोपरांत धनात्मक पाये गये बच्चों को मानक के अनुसार दवाइयां दी जाएंगी. उक्त गतिविधि के लिए प्रत्येक केन्द्रों में रैपिड रिस्पॉन्स टीम का गठन किया गया है. कार्यक्रम के दौरान दैनिक प्रतिवेदन जिला को भेजना सुनिश्चित किया गया है.

उलिहातू के ग्रामीणों ने पीएम और सीएम का पुतला फूंका

रांची। माय माटी संस्कृति बचाओ मोर्चा ने मंगलवार को अल्बर्ट एक्का चौक पर केंद्र और राज्य सरकार का पुतला फूंका. उनका कहना था कि 14 नवंबर को बिरसा जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं जनजाति कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा द्वारा उलिहातू में आदिवासी समाज से पर्दा कर और वीर बिरसा मुंडा के वंशजों को मूलभूत सुविधा मुहैया नहीं करा सकी है. इसी को लेकर उन्होंने पीएम और सीएम का पुतला फूंका. उन्होंने कहा कि इससे आदिवासी मूलवासी सामाज का अपमान हुआ है. मंत्रियों ने उलिहातू की वर्तमान स्थिति की जानकारी नहीं ली. उस क्षेत्र में रोजगार, शिक्षा एवं मकान की स्थिति अच्छी नहीं है.

हेमंत व शिबू सोरेन पर बाबूलाल के बयान पर झामुमो का पलटवार

हेमंत सरकार के काम को प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं

विशेष संवाददाता। रांची

दो-चार दिनों से बाबूलाल मरांडी के द्वारा शिबू सोरेन, हेमंत सोरेन और सुंदरपहाड़ी इलाके में संक्रमण के रूप में फैले मलेरिया को लेकर दिए गए बयान पर झामुमो ने पलटवार किया है. झामुमो केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सरकार के काम और समस्या समाधान को लेकर बाबूलाल मरांडी के प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है.

2019 में जनता ने यह प्रमाण पत्र दे चुकी है और 2024 में फिर से जनता देगी. मगर जिस प्रकार से वे घमंड में चूर होकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को शिबू कह कर संबोधित कर रहे हैं, तो उन्हें यह बता देना चाहते हैं कि शिबू सोरेन नहीं होते, तो झारखंड भी नहीं होता और बाबूलाल मरांडी भी नहीं होते. बाबूलाल मरांडी शिबू सोरेन के कर्णांश भी नहीं बन सकते हैं.

खैनी की चुनौटी की तरह चूना लगाना अब बंद कर दें बाबूलाल
2019 में जनता ने दे चुकी प्रमाण पत्र और 2024 में फिर से देगी

- सुंदरपहाड़ी का इलाका दुर्गम है. आदिम जनजातियां दुर्गम पहाड़ियों में बसती हैं
- एक-एक चीज की खुद मॉनिटरिंग कर रह रहे हैं सीएम हेमंत सोरेन
- झामुमो ने बाबूलाल को ललकारा, कहा- यह हमारी गारंटी है कि इस बार राजधनवार भी नहीं जीत पाएंगे

बाबूलाल बताएं कि वे और पीएम मोदी मणिपुर क्यों नहीं गए

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने सुंदरपहाड़ी में फैले मलेरिया और कुछ बच्चों की हुई मौत पर सीएम के नहीं जाने की बात कही. उन्हें पता होना चाहिए कि जहां पर संकट, त्रासदी आती है या फिर बड़ी घटना होती है, वहां पर पीएम और सीएम के जाने से अभियान और काम बाधित होता है. क्योंकि, पूरा पुलिस-प्रशासन इनकी सुरक्षा वयवस्था में व्यस्त हो जाता है. बाबूलाल पहले यह बताएं कि वह और उनके नेता पीएम मोदी मणिपुर क्यों नहीं गए? क्या मणिपुर देश के से बाहर है? जब वे पहले सीएम बने तो तपकरा में गोलीकांड हुआ, नेतरहाट में फायरिंग हुई, कई ग्रामीण मरे, वे वहां क्यों नहीं गए?

सुंदरपहाड़ी मलेरिया संक्रमण में भ्रम फैला रहे बाबूलाल और निशिकांत

सुप्रियो ने कहा कि जैसे ही वहां पर यह मामला उजागर हुआ. तुरंत स्थानीय आयुक्त और उपायुक्त सहित पूरा शासन-प्रशासन के लोग पहुंच गए. कैंप लगा, राहत कार्य शुरू हो गया. स्थानीय सांसद विजय हांसदा वहां पहुंचे. सीएम पल-पल की जानकारी ले रहे हैं. मगर गोड्डा सांसद वहां के कैंप में खड़े होकर कहते हैं कि यहां पर कोई सुविधा नहीं है. बाबूलाल अनाप-शनाप बोल रहे हैं. सबको पता होना चाहिए कि सुंदरपहाड़ी का इलाका दुर्गम है, आदिम जनजातियां दुर्गम पहाड़ियों में बसती हैं. वहां पर हम उत्तराखंड जैसे हालात पैदा नहीं कर सकते हैं. वहां के भौगोलिक परिवेश को देखते हुए विकास कार्य चलाया जा रहा है ताकि आदिम जनजातियों का जीवन प्रभावित न हो. इसलिए विकास कैसे करना है, समस्या का समाधान कैसे करना है. यह सरकार जानती है इसके लिए किसी की प्रमाण की जरूरत नहीं है. बाबूलाल जी खैनी की चुनौटी की तरह चूना लगाने का काम बंद कर दें. बाबूलाल पहले विस्थापित थे और अब बेरोजगार हो गए हैं.

भाजपा ने परिवारवाद को कमजोर किया

- भाजपा का पंचायत समिति सदस्यों का प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम जारी, मरांडी गिरिडीह में हुए शामिल

विशेष संवाददाता। रांची

भाजपा का पंचायत समिति सदस्यों का 17 स्थानों पर 27 से 30 नवंबर तक प्रशिक्षण वर्ग आयोजित है. इसे लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी गिरिडीह में शामिल हुए. मरांडी ने कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद पार्टी के इतिहास विकास, संकल्प, प्रतिबद्धता जैसे आयामों पर विस्तार से चर्चा की.

मरांडी ने कहा कि भारत की प्राचीन संस्कृति व गौरवशाली अतीत को प्रतिस्थापित कर देश को पुनः विश्व गुरु के पद पर आसीन करने के साथ जनसंघ और फिर भाजपा की स्थापना हुई. उन्होंने कहा कि जनसंघ से लेकर भाजपा की विकास यात्रा में

पार्टी की राजनीति के केंद्र में राष्ट्र सेवा सर्वोपरी है. उन्होंने कहा भाजपा की पंच निष्ठाओं में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, गांधीवादी समाजवाद, सर्वधर्म समभाव और मूल्य आधारित राजनीति समाहित है. उन्होंने कहा कि एकात्म मानव दर्शन के साथ हमारा संकल्प अंत्योदय है. विश्व बंधुत्व के भाव से भारत विश्व के कल्याण के लिए समर्पित है. मरांडी ने कहा कि भाजपा जो कहती है, वह करती है. हमने विचारों से कभी समझौता नहीं किया. स्वतंत्र भारत में राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए पहला बलिदान पार्टी के प्रेरणा पुरुष और जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का हुआ. भले ही उस वक्त हमारा जनाधार बड़ा नहीं था, लेकिन हमारा संकल्प भारत की जन भावनाओं के अनुरूप था. राष्ट्र सेवा के प्रति हमारी वैचारिक प्रतिबद्धता मजबूत थी.

मरांडी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल में जनसंघ ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी पहचान तक मिटा दी. देश का विभाजन कांग्रेस की तुष्टिकरण का ही परिणाम था. भाजपा ने अपने मौलिक चिंतन में तुष्टिकरण नहीं, बल्कि सर्वपंथ समभाव को अपनाया है. भाजपा ने परिवारवाद, वंशवाद की धार को कमजोर किया है. आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया का सिरमौर बन रहा. गांव गरीब किसान आदिवासी दलित पिछड़े सभी समाज विकास की मुख्य धारा से जुड़ रहे. आज सशक्त भाजपा सशक्त भारत की पहचान है.

जमीन लूट के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर जाम करेंगे सड़क

विशेष संवाददाता। रांची

आदिवासी समन्वय समिति के बैनर तले विभिन्न आदिवासी संगठनों ने आदिवासी जमीन लूट के खिलाफ डीसी ऑफिस के समक्ष धरना दिया. इस मौके पर आदिवासी संगठन के लोगों ने कहा कि आदिवासी जमीन आए दिन पुरजोर तरीके से लूटी जा रही है. यहां के के अफसर भूमिया जमीन दलालों से मिल कर आदिवासियों का जमीन पर फर्जी हुकुमनामा, फर्जी इस्तीफा के नाम पर फर्जी जमाबंदी कायम कर जमीन लूट को अंजाम दे रहे हैं.

कार्यक्रम के माध्यम से चेतावनी दी गयी कि अगर एक महीने के अंदर अगर डीसी जमीन मामले में संज्ञान नहीं लेते हैं, तो आंदोलन तेज होगा. रिंग रोड जाम किया जाएगा. मौके पर पूर्व मंत्री देव कुमार धान, आदिवासी जन परिषद के अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा, केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, आदिवासी लोहरा समाज के अभयभुट कुंवर, झारखंड सरना पडहा समिति के रमेश उरांव, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के कुंदर्शी मुंडा, प्रीतम सेंड लोहारा, सेलिना लकड़ा, नारायण उरांव, सावना मुंडा, मोचीराम मांझी, बैजू लोहारा, अजय लिंडा, प्रकाश मुंडा आदि थे.

पुलिस और मतदान कर्मियों के पंजीकरण को लेकर बैठक

रांची। पुलिसकर्मियों और मतदान कर्मियों के पंजीकरण को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा मंगलवार को बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में झारखंड सरकार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, आईजी अभियान, जैप डीआईजी और होमगार्ड के एसपी शामिल हुए. इस दौरान राज्य सरकार और केंद्र सरकार के पदाधिकारी और कर्मी और अन्य संस्थानों के कर्मी, जिनसे मतदान कार्य में सहयोग लिया जाता हैं और आउटसोर्सिंग दैनिक मजदूर संविदा पर कार्य करने वाले कर्मी और आकस्मिक मजदूर के संबंध में जानकारी ली गई, ताकि इन सभी का पंजीयन सुनिश्चित कराया जा सके.

क्लासिफाइड

झारखंड के आइएफएस का कैडर रिव्यू नहीं

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड कैडर के आइएफएस (भारतीय वन सेवा) अफसर प्रमोशन पाने में एक साल पीछे हो गए हैं. इसकी वजह यह है कि इस कैडर के आइएफएस अफसरों का कैडर रिव्यू नहीं हो पाया है. कैडर रिव्यू की प्रक्रिया वर्ष 2009 में ही पूरी की जानी थी. कैडर रिव्यू नहीं होने के कारण टॉप से लेकर बॉटम तक के अफसरों की प्रोन्नति बाधित हो रही है. दूसरी बड़ी वजह विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक का नहीं होनी भी है. वर्तमान में प्रमोशन के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति की भी बैठक नहीं हुई है.

राज्य के लिए आईएफएस के पद भी सूचीबद्ध नहीं

राज्य प्रतिनियुक्ति के लिए आइएफएस का पद भी सूचीबद्ध नहीं किया है. नियमत: 25 फीसदी आईएफएस अफसरों को राज्य प्रतिनियुक्ति में लिया जाना जरूरी है. इस हिसाब से राज्य प्रतिनियुक्ति में 21 आईएफएस की तैनाती होनी चाहिए. वहीं केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में आईएफएस के 20 फीसदी पद हैं. इस हिसाब से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में 17 आईएफएस की तैनाती होनी चाहिए.

स्पेशल सेक्रेट्री तक ही सिमट जाते हैं आइएफएस

स्टेट डेप्यूटेशन में स्पेशल सेक्रेट्री तक ही आइएफएस अफसर सिमट कर रह जाते हैं. जबकि सीनियर डीएफओ का पद स्पेशल सेक्रेटरी के बराबर का होता है. जबकि झारखंड में पीसीसीसीएफ रैंक के अफसर स्पेशल सेक्रेटरी का काम करते हैं. पीसीसीसीएफ का पद चीफ सेक्रेटरी रैंक के बराबर का होता है. वहीं कर्नाटक, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश सहित अन्य कई राज्यों में आइएफएस को सचिव का पद मिला हुआ है.

केस नंबर वन : बीसी निगम पीसीसीएफ रैंक के अफसर होते हुए भी राज्य सरकार में विशेष सचिव के पद पर तैनात रहे.

केस नंबर टू : एके रस्तोगी पीसीसीएफ रैंक के अफसर होते हुए भी राज्य सरकार में विशेष सचिव के पद पर तैनात रहे.

कहां फंसा है पेच

भारतीय वन सेवा के कैडर रूल के अनुसार प्रत्येक पांच साल में राज्य सरकार को संवर्ग की पुर्नसमीक्षा का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजना अनिवार्य है. जिसके आधार पर भारत सरकार पुर्नसमीक्षा की अधिसूचना जारी करती है. झारखंड में भारत सरकार ने पुर्नसमीक्षा के लिए कई बार रिमाइंडर भेजा, लेकिन राज्य सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की. वहीं वर्ष 2009 में कैडर रिव्यू की प्रक्रिया पूरी की जानी थी. कैडर रिव्यू नहीं होने की वजह से आईएफएस अफसर, प्रशासनिक व पुलिस सेवा के अफसरों से पीछे हो गये हैं.

छोटा चुनचुरिया में सड़क एवं पुल के निर्माण को स्वीकृति

- सांसद संजय सेठ ने कहा कि बहुत जल्द ही क्षेत्र को और भी कई योजनाओं की सौगात मिलेगी

संवाददाता। रांची

ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में सांसद संजय सेठ की पहल पर छोटा चुनचुरिया से ईचागढ़ तक 8 करोड़ एक लाख रुपए की लागत से सड़क और पुल निर्माण को स्वीकृति मिली है. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत मिली इस सौगात को सांसद ने पीएम मोदी का आशीर्वाद बताया.

सांसद ने मंगलवार को ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 29 करोड़ की लागत से चार सड़कों और दो पुलों का किया शिलान्यास किया. इस अवसर पर सांसद ने कहा कि 75 वर्षों का कार्यकाल और सरकार गांव तक नहीं पहुंच सकी, यह इस देश का दुर्भाग्य है. सौभाग्य यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में देश के गांव से लेकर शहरों तक सड़कों का जाल बिछाया है, वह ऐतिहासिक है.

उन्होंने कहा कि बहुत जल्द इस क्षेत्र को और भी कई योजनाओं की सौगात दी जाएगी. शिलान्यास की गई योजनाओं में मुख्य रूप से रुगड़ी से पाड़ाडीह तक 9.15 किमी सड़क और पुल निर्माण, टीकर से तिरुलडीह तक 6.20 किमी सड़क निर्माण, टीकर से पातकुम तक 8.87 किमी सड़क का निर्माण शामिल हैं.

पलटवार भाजपा की चेतावनी, भाषा की मर्यादा में रहे, कब तक दिशोम गुरू का दंभ भरेंगे, जनता चरित्र जानती है

बाबूलाल मरांडी की लोकप्रियता से घबराया झामुमो : भाजपा

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो पर भाजपा ने पलटवार किया है. भाजपा महासचिव और प्रवक्ता प्रदीप वर्मा ने कहा है कि बाबूलाल मरांडी की लोकप्रियता से झामुमो घबरा गया है. अगर सरकार की अकर्मण्यता से लाश निकलती रहेगी, तो भाजपा चुप नहीं बैठेगी. उन्होंने कहा कि जनता गुरु मानती है तो उनका चरित्र भी जानती है.

बाबूलाल मरांडी को क्या चुनौती देगा झामुमो? उन्होंने हेमंत के माता-पिता दोनों को हराया है. उनकी खतियानी भूमि रामगढ़ से भी विधायक बने. अटल जी अलग राज्य न बनाते, तो आज हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री भी नहीं होते. वर्मा ने कहा कि झामुमो मरांडी के झारखंड की जनता से बढ़ते जुड़ाव, उनकी बढ़ती लोकप्रियता, संकल्प यात्रा की ऐतिहासिक सफलता से हताश निराश और घबराया हुआ है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपने क्षेत्र के लिए एक जनप्रतिनिधि हैं. वहां की जनता ने उन्हें जनादेश देकर मुख्यमंत्री के काबिल बनाया और इस क्षेत्र में लोग उनकी सरकार की अकर्मण्यता से मरते रहेंगे, तो भाजपा चुप नही बैठेगी.

कब तक दिशोम गुरु का दंभ भरेंगे, उनका चरित्र जनता जानती है : वर्मा ने कहा कि झारखंड के मान सम्मान की जड़ों में किसने चुना डाला है यह प्रदेश की जनता जानती है. कब तक दिशोम गुरु का दंभ भरेंगे. ये पब्लिक सब जानती है. गुरु की प्रतिष्ठा देती है, तो उनका चरित्र भी जानती है. झामुमो बाबूलाल मरांडी को चुनौती नहीं दे, तो ही अच्छा होगा.

झामुमो भाषा की मर्यादा में रहे तो अच्छा : वर्मा ने कहा कि भाजपा न होती, तो आज हेमंत सोरेन भी मुख्यमंत्री नहीं होते. यही भाजपा सरकार है, जिसने अटल जी के नेतृत्व में अलग झारखंड राज्य का सपना साकार किया. भाषा की मर्यादा झामुमो न बताए तो ही अच्छा. एक राज्य के राज्यपाल पर असंवैधानिक अपमानजनक टिप्पणी करने वाले आज सम्मान की भाषा की उम्मीद करते है.

बाबूलाल ने एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि का धर्म निभाया

प्रदीप वर्मा ने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि का धर्म निभाया. जनता के बीच जाकर उनका दु:ख दर्द बांटना एक राजनेता का धर्म है लेकिन झामुमो को यह लाश की राजनीति दिखाई पड़ता है. कहा कि हेमंत सोरेन जी आदिवासी की बात करते हैं लेकिन उनके क्षेत्र में आदिवासी समाज के लोग मलेरिया से मरते रहे और वे देखने तक नही गए. जहां तक बाबूलाल मरांडी का सवाल है तो वे उनके पीछे नहीं गए बल्कि वहां गए जहां मुख्यमंत्री अब तक नही गए.

राज्य की पुलिसिया कार्यशैली पर बड़ा सवाल

प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा ने पुलिस विभाग की कार्यशैली पर प्रश्न खड़ा करते हुए कहा कि राज्य में कानून का शासन लागू करने वाली संस्था ही चेहरा देखकर कार्रवाई करे, तो लोगों का पुलिस प्रशासन से विश्वास ही खत्म हो जाएगा. विगत दिनों जुआ खेलने और खिलाने के आरोप में पकड़े गए पुलिस कर्मियों को थाने से जमानत देने में पदाधिकारी ने जितनी तेजी दिखाई, इससे आम जनता के बीच गलत संदेश गया है. ऐसे दोहरे मापदंड के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जानी चाहिए.

हेमंत रामगढ़ से लड़ कर दिखाएं, जमानत जब्त हो जाएगी

बाबूलाल ने दुमका में मुख्यमंत्री के माता और पिता दोनो को बारी बारी से हराया है. प्रदीप वर्मा ने कहा कि इतना ही नहीं बाबूलाल मरांडी उस रामगढ़ से विधायक चुने गए जहां हेमंत सोरेन जी की खतियानी भूमि है. इसलिए पहले झामुमो अपनी याददाश्त ताजा कर ले फिर बाबूलाल मरांडी को चुनौती दे. राजधनवार की बात करने वाला झामुमो अपने नेता हेमंत सोरेन को अपने जन्मभूमि रामगढ़ से चुनाव लड़ा कर देख लें. शिबू सोरेन मुख्यमंत्री रहते तमाड़ में हारे, रामगढ़ में तो हेमंत सोरेन की जमानत जब्त हो जाएगी.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● बुधवार, 29 नवंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 2, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 221 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

जिंदगी मिली दोबारा

झारखंड के 15 श्रमिक जल्द लाए जाएंगे अपने घर

शुभम संदेश टीम। रांची

28 नवंबर यानी शुभ मंगल. इस दिन शुभ खबर भी आई. उत्तरकाशी की सुरंग में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने में कामयाबी मिल गई है. इस खबर से मजदूरों के परिजनों के बीच खुशी का ठिकाना नहीं है. बस एक झलक देखने के लिए परिजन को बेसब्री से हैं. सुरंग में झारखंड के भी 15श्रमिक फंसे हुए थे. बता दें कि 12 नवंबर 400 घंटे ये मजदूर सुरंग में फंसे रहे. कड़ाके की ठंड के बीच इन मजदूरों के हौसलों को सब सलाम कर रहे. राज्य सरकार ने घोषणा की है कि झारखंड के सभी 15 श्रमिकों को जल्द लाया जाएगा. श्रमिकों को एक-एक करके 800 मिमी के उन पाइपों के जरिए बाहर निकाला गया, जिन्हें मलबे में ड्रिल करके अंदर डाल कर एक रास्ता बनाया गया था.

झारखंड के मजदूर, जिन्हें मिली जिंदगी दोबारा

सुरंग में 8 राज्यों के 41 मजदूर फंसे थे. इसमें उत्तराखंड के 2, हिमाचल 1, यूपी के 8, बिहार के 5, बंगाल के 3, असम के 2, झारखंड के 15 व ओडिशा के 5 मजदूर शामिल थे. इनमें झारखंड के रांची के ओरमांझी के खीराबेड़ा गांव के अनिल बेदिया, राजेंद्र व सुकराम बेदिया, गिरिडीह के बिरनी के सुबोध व विश्वजीत वर्मा, खूंटी के कर्रा प्रखंड के गुमड़ू के विजय होरो, डुमारी के चमरा उरांव व मदुगामा के गनपाइत होरो, चक्रधरपुर के चेलाबेड़ा के महादेव नायक, डुमरिपा मानिकपुर के रवींद्र, रंजीत लोहार, गुणाधर नायक, बांकीशोल के समीर नायक, कुंडालुका का भुक्तु मुर्मू और डुमरिया के टिंकु सरकार शामिल हैं.

शुभ मंगलवार

सभी श्रमिकों को 1-1 लाख मिलेंगे

सीएम धामी ने कहा कि सभी श्रमिकों को राज्य सरकार 1-1 लाख रुपए अपनी तरफ से देगी. उन्होंने कहा कि बचाव अभियान से जुड़े एक-एक सदस्य का वह हृदय से आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने देवदूत बन कर इस अभियान को सफल बनाया. बचाव अभियान में कई बाधाएं आईं लेकिन अंततः सफलता हाथ लगी. बचाव अभियान में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, बीआरओ, आरवीएनएल, एसजेवीएनएल, ओएनजीसी, आईटीबीपी, एनएचएआईडीसीएल, टीएचडीसी, उत्तराखंड सरकार, जिला प्रशासन, सेना, वायुसेना समेत तमाम संगठनों की अहम भूमिका रही. इस दौरान विज्ञान के साथ ही आस्था का भी सहारा लिया गया.

अपने बेटे को आंखों से देख लूंगी तो यकीन होगा

ओरमांझी प्रखंड के खीरबेड़ा गांव में एक मजदूर की मां ने कहा कि मुझे बेहद खुशी है, अब मेरा बेटा सुरंग से सुरक्षित बाहर निकल आया है. अब उसे एक नजर अपने पास बैठा कर देखना चाहती हूं. बता दें कि मंगलवार को सुबह ही यह खुशखबरी आई थी. सुरंग के बाहर एंबुलेंस बुला ली गयी थी. कुछ ऑक्सीजन सिलिंडर को टनल में भेजा गया. मजदूरों को सीधे अस्पताल भेजा गया. पहले मौके पर ही डॉक्टरों की टीम ने सभी मजदूरों की जांच की. मजदूरों के परिजनों को सुरंग के बाहर बुला लिया गया सुबह ही बुला लिया गया था. परिजनों को भी मजदूरों के साथ अस्पताल भेजा गया.

परिजनों ने मिठाइयां भी बांटी

राजधानी रांची के ओरमांझी प्रखंड के खीरबेड़ा गांव के मजदूर अनिल बेदिया, राजेंद्र बेदिया और सुकराम बेदिया के परिजनों ने अच्छी खबर आने के बाद राहत की सांस ली है. परिजनों ने राहत भरी खबर पाकर मिठाइयां भी बांटीं. पूरे गांव में खुशी का माहौल है. अब अपने बीच में पाने के लिए बेसब्री से इंतजार है.

41 जिंदगियां, फौलादी जिगर, रेस्क्यू की जद्दोजहद और परिवारों का धैर्य...

सुरंग जिसमें 17 दिनों तक 41 जिंदगियां फंसी रहीं. उन्हें बचाने की जंग उसी सुरंग से छिड़ी. एक तरफ पहाड़ जैसा सुरंग का संकट था, तो दूसरी तरफ जिंदगियां बचाने वालों का फौलादी हौसला. ये जंग मुश्किल थी. बंद सुरंग में 41 धड़कनों ने फौलादी जिगर दिखाया है. रेस्क्यू में जुटी सैकड़ों दिलेरों की टीम ने दिन-रात एक कर दिया और 41 परिवारों की आंखों में दमकती उम्मीदों की रोशनी को ऊर्जा दी. 17 दिनों के अंदर उत्तरकाशी में रेस्क्यू टीम ने वो कर दिखाया, जो पर्वत विजय से कम नहीं है. 13 नवंबर को सिलक्यारा की सुरंग में जब 41 जिंदगियों के फंसने की खबर आई थी, तभी से राहत बचाव की कोशिश में जमीन-आसमान एक कर दी गया.

न दिन देखा न रात, न खाने की फिक्र, न सोने की. पहाड़ियों के बीच कडाके की ठंड में रेस्क्यू टीम ने अपनी जान झोंक दी. जब जरूरत पड़ी, पहाड़ काट डाला. जहां जरूरत पड़ी सुरंग में घुस गए. मशीन टूटी तो फौरन बनाई गई. रास्ते में चट्टान आई तोड़ डाली गई. राह में लोहे की रुकावट आई काट डाली गई. सबसे पहला टारगेट मजदूरों को जिंदा बचाने का था. 9 दिन तक 4 इंच के पाइप से मुरमुरे और सूखे मेवे की सप्लाई ने सुरंग में फंसे मजदूरों की जान बचाई. और आखिरकार 6 इंच के पाइप को मजदूरों तक पहुंचाने में रेस्क्यू टीम ने कामयाबी पा ली. इस एक कामयाबी ने मजदूरों का जज्बा बढ़ाया. रेस्क्यू टीम का हौसला बढ़ाया और मजदूरों के परिजनों की भी उम्मीदें बढ़ाईं. जैसे ही हादसे के बाद रेस्क्यू शुरू हुआ था, कुछ घंटों के अंदर मशीन नाकाफी पड़ गई. इसके बाद फौरन दिल्ली से अमेरिकन ऑगर मशीन मंगाई गई और तब से उसी मशीन के जरिये पहाड़ के सीने में सुराख करके 41 जिंदगियां बचाने की जंग जारी थी. इस सुरंग के अंदर 41 जिंदगियां बचाने के लिए पिछले दो हफ्तों में जितनी जद्दोजहद हुई है, वो सिर्फ रेस्क्यू टीम के जांबाज ही जानते हैं. पहाड़ का वो इलाका जहां बड़े वाहन भी मुश्किल से चल पाते हैं, वहां सैकड़ों क्विंटल भारी मशीनरी को सुरंग के मुहाने तक पहुंचाना अपने आप में एक जंग थी. रेस्क्यू टीम के लोगों ने युद्धस्तर पर काम करते हुए सुरंग तक हर वो सहूलियत पहुंचाई, जिसकी जरूरत बताई गई. अंत भला तो सब भला...

तापमान

27° अधिकतम | 15° न्यूनतम

रिम्स ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ बिंदे कुमार
- सर्जरीः डॉ विनय प्रताप
- न्यूरोसर्जरीः डॉ सीबी सहाय
- ऑर्थोपेडिकः डॉ जीके गुप्ता
- कार्डियोलॉजीः डॉ पीके श्रीवास्तव
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- नेत्रः डॉ दीपक लकड़ा
- ऑब्स गायनीः डॉ अतीमा भारती
- ईएनटीः डॉ जेडएम खान
- सीटीवीएसः डॉ राकेश कुमार
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- पीडियाट्रिक सर्जरीः डॉ अभिषेक
- न्यूरोलॉजीः डॉ सुरेंद्र कुमार

सदर ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ वसुधा, डॉ वीणा विनायक
- शिशु रोगः डॉ संतोष
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- यूरोलॉजीः डॉ प्रशांत कुमार
- कार्डियो डायबिटिकः डॉ एके झा
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः डॉ जयंत घोष
- अंकोलॉजीः डॉ गुंजेश कुमार

शहर में आज

1 सीएमपीडीआई में कार्यशाला का आयोजन, कोयल हॉल में 10 बजे से
2 सरकार आपके द्वार कार्यक्रम, वार्ड 7-8 में 11 बजे से
3 एचईसी बचाओ मजदूर संघर्ष समिति की बैठक, धुर्वा सेक्टर-2 में 1 बजे से

मोबाइल छीन कर भाग रहे बदमाश को पकड़ा

रांची। मोबाइल छीनकर कर भाग रहे शातिर बदमाश को स्थानीय लोगों ने पकड़ा. जानकारी के अनुसार एक भाई- बहन बाइक पर सवार होकर फोन में बात करते हुए जा रहे थे. इस दौरान एक शातिर चोर ने मोबाइल छीनकर भागने की कोशिश की, हो हल्ला होने पर स्थानीय लोगों ने इसे दौड़ा कर चोर कुसुम बिहार रामकृष्ण मिशन आश्रम के पास पकड़ लिया. जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई. मौके पर पुलिस पहुंची,चोर को अपने साथ लेकर थाना चली गई

एक्शन : विस की उपक्रम समिति नगर विकास सचिव व जुडको के एमडी को लिखा पत्र, पूछा

हरमू नदी के जीर्णोद्धार में गड़बड़ी का जिम्मेवार कौन?

रवि भारती। रांची

झारखंड विधानसभा की सरकारी उपक्रम समिति पूरी तरह से एक्शन में है. समिति ने हरमू नदी के जीर्णोद्धार और संरक्षण कार्य में हुई गड़बड़ी की जानकारी नगर विकास विभाग से मांगी है. इस बाबत समिति ने नगर विकास विभाग के सचिव व जुडको के एमडी को पत्र लिखा है. पत्र में कहा है कि कैग द्वारी हरमू नदी के जीर्णोद्धार और संरक्षण कार्य में जो आपत्ति की गई है, उसका जिम्मेवार कौन है. विधानसभा सचिवालय ने इसका पूरा ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है. बताते चलें कि पूरे मामले पर महालेखाकार ने ऑडिट किया था, जिसमें हरमू नदी जीर्णोद्धार योजना, डीपीआर व कार्य पर कई सवाल उठाये थे. इसकी जांच की अनुशंसा भी की थी.

रघुवर सरकार में हुआ था योजना का शिलान्यास : बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इस योजना का शिलान्यास किया था. विभाग ने हरमू नदी के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण के लिए डीपीआर तैयार कराने तथा कंसलटेंट के रूप में मेसर्स टंडन अर्बन सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड को जून 2014 में नियुक्त किया. इस परियोजना का उद्देश्य नदी को निर्मल स्वच्छ जल के साथ एक जीवंत जल संपत्ति के बदलने, जलग्रहण एवं प्रवाह क्षमता में वृद्धि के साथ नदी नट का विकास और सार्वजनिक सुविधाओं में वृद्धि करना था. लेकिन दुर्भाग्य से इस दिशा में आज तक कोई काम नहीं हो सका. हरमू नदी की हालत जस की तस है.

क्या है हरमू नदी की वर्तमान स्थिति : हरमू नदी में अब भी गंदा पानी बह रहा है. सीवर लाइन भी काम नहीं कर रही है. पानी पूरी तरह से दूषित है. झारखंड हाईकोर्ट ने भी बीते दिनों हरमू नदी के अतिक्रमण मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है और समिति ने जांच भी शुरू कर दी है. हरमू नदी में लोगों के घरों की नालियां सीधे आकर गिरती हैं. कुछ स्थानों पर तो लोगों ने शौचालय का पाइप ही हरमू नदी की तरफ लगा दिया है. हरमू मुक्ति धाम के पास हरमू नदी में कूड़े का अंबार लगा है.

ऐसा है हरमू नदी का स्वरूप, इसलिए बनी जीर्णोद्धार की योजना

शुभम संदेश लगातार उठाता रहा है मुद्दा

हरमू ~~नदी~~ नाला

99 करोड़ का कचरा

15 जुलाई 2022 को शुभम संदेश में प्रकाशित खबर.

झारखंड सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय निगरानी समिति ने 13वें वित्त आयोग के अनुदान का उपयोग करके दो किमी के विस्तार में जीर्णोद्धार का कार्य, एसटीपी का निर्माण और हरमू नदी के सौंदर्यीकरण कार्य को 15 करोड़ की लागत से जुडको के माध्यम से निष्पादन कराने की वर्ष 2014 में मंजूरी दी. विभागीय योजनाओं की समीक्षा जून 2014 के दौरान झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने हरमू नदी की सफाई एवं नौ किलीमीटर क्षेत्र में एसटीपी बनाने के निर्देश जारी किए. तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इस योजना का शिलान्यास किया. विभाग ने हरमू नदी के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण के लिए डीपीआर तैयार कराने तथा कंसलटेंट के रूप में मेसर्स टंडन अर्बन सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड को जून 2014 में नियुक्त किया. इस परियोजना का उद्देश्य नदी को निर्मल स्वच्छ जल के साथ एक जीवंत जल संपत्ति के बदलने, जलग्रहण एवं प्रवाह क्षमता में वृद्धि के साथ नदी नट का विकास और सार्वजनिक सुविधाओं में वृद्धि था.

सैनिक मार्केट के दुकानदार नाराज, बोले

पहले बढ़ा हुआ किराया वापस हो

तरुण कुमार चौबे। रांची

सैनिक मार्केट की दुकानों का किराया बढ़ने से दुकानदारों में असंतोष है. वे खुल कर सैनिक कल्याण निदेशालय के फैसले का विरोध कर रहे. उनका कहना है कि इस फैसले में हमें साजिश लगती है. उन्होंने कहा, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस ने सुनवाई करते हुए मार्केट में कई गड़बड़ियों को सुधारने के लिए कहा था. निदेशालय और प्रार्थियों को भेजी रिपोर्ट में कहा कि सैनिक मार्केट में कई स्तर पर गड़बड़ियां हैं. उस समय मामला हाईकोर्ट से राज्यपाल को भेजा गया था. राज्यपाल सैनिक कल्याण निदेशालय की प्रबंधन कमेटी के चेयरमैन होते हैं. तब अधिवक्ता नवीन कुमार ने बताया कि राज्यपाल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सैनिक मार्केट में 135 दुकानों की डीड वैधता समाप्त हो गई है. 38 की डीड की वैधता है और 17 दुकानें खाली हैं. जांच में सैनिक मार्केट की कुछ दुकानें बंद पाई गई थीं. मार्केट में सीसीटीवी नहीं होने से सही स्थिति का पता नहीं चल पाया. हाल के दिनों में बिना टेंडर के कई दुकानों का आवंटन कर दिया गया. जिनके नाम से आवंटन किया गया है, उनकी मौत होने पर उस दुकान का मालिकाना हक ट्रांसफर हुआ है या नहीं, इसकी जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर हर साल इसकी जांच की जाए, तो इस तरह की गड़बड़ियों से बचा जा सकता है.

अब खाली करनी होगी दुकानः वामिक उरब

दुकानदार वामिक उरब ने कहा कि हमने अपनी फरियाद निदेशालय के समक्ष रखी था, और किराया कम करने कि बात कही थी. लेकिन उन्होंने किराया कम करने से साफ मना कर दिया. इसके साथ उन्होंने किराया न देने पर दुकान खाली करने को कहा है.

भगवान जाने कैसे चलेगा व्यापारः उमेश

दुकानदार उमेश ने कहा कि किराया बढने से बहुत दिक्कत होगी. समझ नहीं आ रहा कि कैसे चलाएंगे अपना व्यापार. दुकानदार संघ के साथ हमलोग मिल कर कोई न कोई रास्ता जरूर खोजेंगे. भगवान जाने आगे कैसे चलेगा व्यापार.

इतना किराया नहीं बढना था : मो. जफर

दुकानदार मो. जफर ने कहा कि हमे किराया बढ़ाने से कोई दिक्कत नहीं है, पर एक साथ इतना ज्यादा प्रतिशित बढाना कहीं से उचित नहीं है. दुकान की हालत भी खराब हो रही है. मार्केट में कई सालों से रिपेयरिंग की जरूरत है. इसके साथ मार्केट मे पहले जैसी रौनक भी नहीं रही. दुकानदारी बेहद कम हो चुकी है. इस स्थिति में किराया बढ़ना सही नहीं है.

किराया देने के स्थिति में नहीं हूं : अहमद हुसैन

दुकानदार अहमद हुसैन ने कहा कि बिजनेस पहले के मुकाबले बेहद कम हो चुका है. दुकान से घर बड़ी मुश्किल से चल रहा है. मार्केट में पहले जैसी रौनक भी नहीं रहती. अंदर की दुकानों में ग्राहक भी कम आते हैं. इस बीच निदेशालय ने किराया इतना बढ़ा दिया है. किराया बढ़ने से हमारे व्यवसाय पर असर पड़ेगा.

हौसला बढ़ाया गोड्डा के बालक-बालिकाओं की नेटबॉल टीम ने हेमंत से की मुलाकात

खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को 8वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर नेटबॉल प्रतियोगिता में विजेता रही गोड्डा जिले के बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने मुलाकात की. उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि गुमला के घाघरा में आयोजित नेटबॉल की ट्रेडिशनल एवं फास्ट फाइव सब जूनियर चैंपियनशिप के बालक एवं बालिका दोनों ही वर्गों में गोड्डा टीम ने खिताब जीता है. मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई और भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी.

पंचायतों में खेल मैदान किए जा रहे विकसित : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है. इस सिलसिले में पंचायतों में खेल मैदान विकसित किया जा रहे हैं. सिदो- कान्हू क्लब के माध्यम से खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट्स के साथ अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं. यहां के नौजवान खेलों में अपना भविष्य संवारने के साथ अपने प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रौशन कर रहे हैं. मौके पर गोड्डा जिला नेटबॉल टीम की कोच मोनालिसा कुमारी, सचिव गुंजन कुमार झा, अंपायर शिवराम कृष्ण देहरी, दुमका जिला नेटबॉल एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद हकीम और कुलदीप कुमार रवि मौजूद थे.

सुडा व चैंबर की बैठक ट्रेड लाइसेंस, रिन्यूअल की परेशानी पर चर्चा

रांची। ट्रेड लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया के सरलीकरण के मुद्दे पर मंगलवार को सुडा के अधिकारी पंकज गोयल और अविजीत चटर्जी ने चैंबर के साथ चैंबर भवन में बैठक की. लाइसेंस व लाइसेंस रिन्युअल के दौरान व्यापारियों के समक्ष होनेवाली दिक्कत से चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने अवगत कराया. बताया कि दस्तावेजों की कमी से लाइसेंस बनाने और रिन्युअल में हो रही समस्या का समाधान जरूरी है. लाइसेंस रिन्युअल के दौरान होल्डिंग की मांग करने से रेंट की दुकान पर व्यापार कर रहे व्यापारियों को दिक्कत है, जिसका हल जरूरी है. सुडा के अधिकारियों ने बताया कि पहली बार ट्रेड लाइसेंस लेने वाले व्यापारियों को केवल रेंट एग्रीमेंट या बिजली बिल की कॉपी देनी होगी और किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं है.

ओला,उबर टैक्सी चालकों ने मांगों के लेकर दिया धरना

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश टैक्सी यूनियन ने मंगलवार को राजभवन के समक्ष धरना दिया. निजी वाहनों, मोटरसाइकिल का व्यावसायिक इस्तेमाल के विरोध में धरना दिया गया. मौके पर मौजूद यूनियन के अध्यक्ष अमित ओझा ने कहा कि राज्य में 55,000 से 60,000 रजिस्टर्ड ओला और उबर गाडियां चल रही हैं.

अकेले सिर्फ राजधानी रांची में 5000 से अधिक रजिस्टर्ड वाहन सड़क पर दौड़ रहे हैं. हम सब गाड़ी सड़क पर चलाने से पहले सारे जरूरी कागजात बनवा कर टैक्स भर के ही काम शुरू करते हैं. लेकिन वर्तमान में रांची समेत पूरे राज्य में कई लोगों द्वारा बिना कॉमर्शियल रजिस्ट्रेशन कराए टैक्सी सर्विस दे रहे हैं. जिससे सरकार को हर साल 2000 करोड़ से भी ज्यादा राजस्व का नुकसान हो रहा है. इसके साथ बिना रजिस्टर्ड वाहन सड़क पर चलने की वजह से हमारी आय में कमी आ गई है. इसलिए हमने ये विरोध प्रदर्शन किया और हमने समस्या से सरकार को अवगत कराने के लिए एक ज्ञापन राज्यपाल को भी दिया, ताकि इन बिना रजिस्टर्ड गाड़ियों पर अंकुश लगाया जा सके.

ब्रीफ खबरें

सिंफर के कर्मियों ने काला बिल्ला लगा किया काम

धनबाद। चिह्नित कर्मचारी का मेडिकल बंद करने एवं षड्यंत्र के तहत उन्हें जेम में डालने के विरोध में सीएसआईआर-सिंफर के 169 चिह्नित कर्मचारी ने 28 नवंबर को काला बिल्ला लगाकर प्रदर्शन व काम किया. कर्मियों ने बताया कि नवंबर 2007 में लोस में प्रश्न उठने के बाद वर्ष 2010 में उन्हें चिह्नित कर्मिओं का दर्जा मिला था. उन्हें मेडिकल सुविधाएं मिल रही थी. कोरोना महामारी के दौरान वर्ष 2020 में संस्थान ने उन्हें मेडिकल सुविधा से वंचित कर दिया.

हुसैनाबाद नपं में लगाया गया शिविर

हुसैनाबाद(पलामू)। हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड 16 के प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदाबाद में मंगलवार को वार्ड संख्याः 15,16 के लोगों के लिये आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया.इस दौरान नपं के ग्रामीण की समस्याओं को सूचीबद्ध किया गया. आवेदकों का ऑन स्पॉट योजनाएं स्वीकृत की गयी.कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि ठंड के मद्देनज़र जरूरतमंदों एवं बुजुर्गों के बीच कंबल का वितरण किया गया.

तीन दिन चलेगा वाहन जांच अभियान

धनबाद। आप यदि बाइक चला रहे हैं तो हेल्मेट जरूर पहन लें, कार चला रहे हैं सीट बेल्ट लगा लें, लाइसेंस व वाहन संबंधी दस्तावेज साथ रखें, नहीं तो आपको जुर्माना लगना तय है कि क्योंकि धनबाद यातायात विभाग ने मंगलवार को पूरे जिले में वाहन जांच अभियान की शुरुआत की है. ये अभियान जिले के सभी थाना क्षेत्रों में चल रहा है. पहले दिन विभिन्न थाना क्षेत्रों से लगभग यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले लगभग तीन दर्जन से अधिक वाहन जब्त किए गए .

शिविरों में उमड़ रही लाभुकों की भीड़

गावां(गिरिडीह)। गावां प्रखंड के बिरने पंचायत भवन में मंगलवार को आपकी-योजना आपकी-सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर लगाया गया.शिविर में विभिन्न योजनाओं की लाभ लेने के लिए आवेदन जमा करने को लेकर फरियादियों की भीड़ उमड़ पड़ी. शिविर का शुभारंभ गावां बीडीओ महेंद्र रविदास, सीओ अविनाश रंजन,जिप सदस्य पवन कुमार चौधरी,मुखिया चंदन कुमार व कन्हाय राम ने दीपप्रज्वलन कर किया.शिविर में वृद्धों व दिव्यांगों के बीच कंबल वितरण किया गया.

डीसी ने सुनी लोगों की जनसमस्या

पाकुड़। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरनवाल ने जनता दरबार का लगाया. जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवम शहर से आये लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया. जनता दरबार में आए मामलों का अवलोकन करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन ए निष्पादन करने का निर्देश दिया. जनता दरबार में कैंसर पीड़ित महिला ने उपायुक्त से इलाज के लिए सहयोग की अपील की.

साइबर अपराधियों ने उड़ाए पांच लाख

धनबाद। सिंदरी रांगामाटी के रहने वाले लखीराम टुडू ने साइबर थाने में अपने और उनके परिजनों के बैंक खाते से करीब साढ़े पांच लाख रुपये की अवैध निकासी की शिकायत की है. उनके माता और पिता के साथ उनका खुद का बैंक खाता एक ही मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रड है. कुछ दिनों से उनके बैंक खातों से रकम की निकासी हो रही थी, मोबाइल में किसी तरह का मैसेज नहीं आ रहा था. खुद बैंक खाता अपडेट कराया तो पता चला कि उससे तीन लाख बीस रुपये की निकासी हो चुकी है.

वाहन जांच शुरू, तीन दिन चलेगा अभियान

धनबाद। आप यदि बाइक चला रहे हैं तो हेल्मेट जरूर पहन लें. कार चला रहे हैं सीट बेल्ट लगा लें. लाइसेंस व वाहन संबंधी दस्तावेज साथ रखें. धनबाद यातायात विभाग ने मंगलवार को पूरे जिले में वाहन जांच अभियान की शुरुआत की है. ये अभियान जिले के सभी थाना क्षेत्रों में चल रहा है. अभियान के पहले दिन विभिन्न थाना क्षेत्रों से लगभग यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले लगभग तीन दर्जन से अधिक वाहन जब्त किए गए.

एसआरपी, डीएसपी तेलंगाना में पड़े बीमार

संवाददाता। धनबाद

धनबाद रेल जिला पुलिस क्षेत्र के एसआरपी मनोज स्वर्गियारी तेलंगाना विधानसभा चुनाव ड्यूटी पर है. फिलहाल एसआरपी का अतिरिक्त प्रभार धनबाद जिला के एसएसपी संजीव कुमार प्रभार के पास है,लेकिन एसएसपी रेल एसपी कार्यालय आते-जाते नहीं है. वही, दूसरी ओर रेल डीएसपी (वन) संजीव बेसरा बीमार हैं और मेडिकल लीव पर भी हैं. कनीय और वरीय अधिकारियों के नहीं रहने से धनबाद रेल जिला पुलिस क्षेत्र के थानेदार-इंस्पेक्टर बेलगाम हो गए हैं.इसका उदाहरण सोमवार को देखने को मिला. धनबाद रेल थाना क्षेत्र के बरमसिया फाटक स्थित सिंफर के रिटायर्ड वैज्ञानिक अभिजीत विश्वास

(80) की मौत ट्रेन से कटकर हो गई थी. दोपहर से शाम तक पता नहीं चल पा रहा था कि मृतक कौन और उनकी मौत कैसे हुई. कोई ट्रेन से गिरकर मौत होने की बात कह रहा था तो कोई आत्महत्या कह रहा था.अचानक देर शाम पता चला जब मृतक के रिश्तेदार हीरापुर दुर्गा मंडप इलाके से खोजते हुए रेल थाना पहुंचे तो पता चला कि उन्होंने आत्महत्या कर ली है.

कॉल रिसीव नहीं करते रेल थानेदार

अक्सर जरूरी फोन नहीं उठाते हैं धनबाद के रेल थाना प्रभारी

इस संबंध में विस्तृत जानकारी लेने के लिए जब धनबाद रेल थाना प्रभारी संजय प्रसाद को कई बार मोबाइल पर फोन किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया. कुछ लोगों का भी यही कहना है कि थानेदार अक्सर फोन रिसीव नहीं करते हैं. मृतक के रिश्तेदारों का कहना है कि रिटायर्ड वैज्ञानिक की पत्नी निभा विश्वास काफी दिनों से डिमेंशिया रोग से पीड़ित हैं .वह एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में जियोलॉजी की एचओडी थी .पत्नी काफी दिनों तक लगातार बीमार होने से रिटायर्ड वैज्ञानिक डिप्रेशन के शिकार हो गए थे. काफी दिनों से वे अकेले रहते और रिश्तेदारों व मित्रों से दूरी बनाकर रहते थे. डिप्रेशन में कभी कभी कोई व्यक्ति आत्महत्या करने के लिए खतरनाक कदम उठा लेते हैं.

80 की उम्र में वैज्ञानिक की दर्दनाक अंत

सिंफर के रिटायर्ड वैज्ञानिक हीरापुर के अभिजीत विश्वास की 80 की उम्र में दर्दनाक अंत हो गया .उन्होंने अपने कार्यकाल में

देश-विदेश में जाकर कई आविष्कार किए .अपने जीवन को काफी ऊंचाईयों तक पहुंचाया,लेकिन रिटायर्ड होने और पत्नी के काफी महीनों तक बीमार होने के कारण तनाव में आ गए .बुजुर्ग दंपत्ति की सेवा करनेवाला कोई नहीं था .बेटी व दामाद दिल्ली में रहते हैं. नाती-नतिनी नाना-नानी के साथ में रहते है .लोग चर्चा कर रहे हैं कि जरूरत के समय सेवा और दंपत्ति को सही इलाज नहीं मिलने के कारण रिटायर्ड वैज्ञानिक के साथ हादसा हो गया. मंगलवार को देर शाम के बाद बेटी-दामाद के दिल्ली से आने के बाद मृतक अभिजीत विश्वास का हीरापुर तेलीपाड़ा श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया.

आओ जानें

झारखंड : एक नजर

1. झारखण्ड का शाब्दिक अर्थ क्या है ? **वन प्रदेश**
2. पुण्ड्र नाम से झारखण्ड को किसमे सम्बोधित किया गया है ? **ऐतरेय ब्राम्हण में**
3. मुरण्ड नाम से झारखण्ड को किसमे सम्बोधित किया गया है ? **वायु पुराण**
4. विष्णु पुराण में झारखण्ड को क्या कहा गया है ? **मुण्ड**
5. भागवत पुराण में झारखण्ड को क्या कहा गया है ? **किक्कट प्रदेश**
6. महाभारत में झारखण्ड को क्या कहा गया है ? **पुण्डरिक देश या पशुभूमि**
7. समुद्र गुप्त की प्रयाग प्रशस्ति में झारखण्ड को क्या कहा गया है ? **मुरुण्ड**
8. संस्कृत साहित्य में झारखण्ड को क्या कहा गया है ? **कलिंद देश**
9. कौटिल्य की किताब अर्थशास्त्र में झारखण्ड को क्या कहा गया है ? **कुकुट प्रदेश**
10. चीनी यात्री फाहियान ने झारखण्ड को क्या कहा गया है ? **कुक्कुट लाड**

आयोजन : कसमार प्रखंड के हिसीम पंचायत में लगा शिविर

शिविर में नहीं पहुंचे अफसर

संवाददाता। कसमार

कसमार प्रखंड के हिसीम पंचायत में आयोजित आपकी सरकार,आपकी योजना,आपके द्वार कार्यक्रम में जिला से प्रतिनियुक्त नोडल अधिकारी नहीं पहुंचे. जिसके कारण जनता को अपनी समस्या सुनाने में दिक्कत हुई.जबकि शिविर में बैंक के कर्मी, शिक्षा विभाग के बीईओ -बीपीओ भी कार्यक्रम से नदारद रहे. इस दौरान पंचायत सचिवालय के बगल मैदान में शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें अलग-अलग विभागों के स्टॉल बनाकर ग्रामीणों से आवेदन लिए गए.शिविर में गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में जो भी लाभुक पहुंचे उसका काम अधिकारी ऑन- द स्पॉट करने का काम करें. जनता को दौड़ाने का काम नहीं होना चाहिए. इस दौरान महिला समूहों के बीच विधायक लंबोदर ने दस समूहों के डमी चेक का वितरण किया. शिविर में अबुआ आवास के 468, वृद्धा पेंशन के 16, मनरेगा के 62,केसीसी के 21, मनरेगा जॉब कार्ड के 40, एसएचजी कार्ड वितरण 310, 15वें वित्त आयोग से 39, बाल विकास परियोजना के सावित्री बाई फूलो योजना से 55, विद्युत विभाग से 2, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से 2 आवेदन आए. शिविर कुल 950 आवेदन प्राप्त किए गये. शिविर में जिप उपाध्यक्ष बबीता कुमारी, प्रखंड प्रमुख नियोति कुमारी, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम, मुखिया बबीता देवी, बीडीओ अनिल कुमार, सीओ सुरेश कुमार सिन्हा, पूर्व जिप सदस्य विमल जायसवाल, पंसस जगेश्वर मुर्मू, पद्मलोचन गोराई समेत अन्य लोग मौजूद थे.

1200 लोगों ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन दिया

बीडीओ ने लाभुकों को दी योजनाओं की जानकारी

- एग्यारकुंड प्रखंड के चांच पंचायत में लगा शिविर
- 1359 प्राप्त आवेदन में 908 का हुआ निष्पादन

मैथन। एग्यारकुंड प्रखंड क्षेत्र के चांच पंचायत के रामानंद स्मारक उच्च विद्यालय चांच में मंगलवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर आयोजित की गई। शिविर का उद्घाटन जिला शिक्षा अधीक्षक सह जिला शिक्षा पदाधिकारी धनबाद भूतनाथ रजवार, कार्यपालक दंडाधिकारी धनबाद डॉ. प्रदीप कुमार एवं एग्यारकुंड बीडीओ विनोद कुमार कर्मकार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं से संबंधित कुल 1359 आवेदन प्राप्त किया गया। जिसमें 908 आवेदनों का निष्पादन किया गया। कार्यक्रम में एग्यारकुंड बीडीओ विनोद कुमार कर्मकार ने उपस्थित लाभुकों व लोगों को राज्य सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कहा कि कार्यक्रम में प्रायः सभी विभागों के काउंटर लगाये गए हैं। जहां हर तरह की समस्याओं की सुनवाई हो रही है। आप अपनी शिकायत या आवेदन देकर अपने मामले की निष्पादन करा सकते हैं। इतना ही नहीं बीडीओ श्री कर्मकार ने स्वयं

लाभुकों के बीच घुमकर समस्याओं को सुना और उसका समाधान कराया। कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा योजना, साबित्रीबाई फूले बालिका समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, अबुआ आवास योजना, मनरेगा, राशन कार्ड, जाति, जन्म, आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पेंशन, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, धोती-साड़ी-कंबल वितरण, बिजली बिल, शिक्षा, कल्याण, लंबित दाखिल खारिज आदि योजनाओं से संबंधित समस्याओं को लेकर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। सभी आवेदकों का आवेदन को ऑनलाइन इंट्री की गई। 908 लाभुकों की समस्याओं का निष्पादन किया गया .

तेनुघाट पंचायत में लगाया गया शिविर

शिविर में 400 आवेदन मिले

संवाददाता। तेनुघाट

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत तेनुघाट पंचायत में शिविर लगाया गया.शिविर में जनकल्याणकारी योजना से जुड़े 25 स्टॉल लगाएं गए. जिसमें कुल लगभग 400 आवेदन ऑनलाइन एंट्री किया गया.आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो, सुनीता देवी जीप अध्यक्ष बोकारो, चितरंजन साव भाजपा ओबीसी मोर्चा बोकारो जिला अध्यक्ष, प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार महतो, प्रखंड अंचलाधिकारी अशोक कुमार राम, जिप सदस्य माला कुमारी, तेनुघाट पंचायत मुखिया नीलम श्रीवास्तव, मुखिया प्रतिनिधि संतोष श्रीवास्तव, पंसस अजीत कुमार पांडेय घूम-घूम कर सभी स्थलों का मुआयना किया .

योजना का लाभ लें ग्रामीण : लंबोदर

विधायक लंबोदर महतो ने बताया कि झारखंड सरकार का महत्वाकांक्षी योजना हैं. इससे सभी लाभुकों को अवश्य लाभ मिलना चाहिए और प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी से भी इन सभी बातों को ध्यान में रखकर सभी का सहयोग करने का निर्देश दिया .सबसे अधिक स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में रही भीड़ ओपीडी में लगभग एक सौ, एन सी डी में 115, आँख जांच में 24, लेप्रोसी में पांच तथा टी बी के सात संभावित मरीज पाए गए .आयुष्मान कार्ड में एक ही आवेदन मिला,सावित्रीबाई फुले में तीन, पी एम भी वाई में एक, गर्भवती महिला में एक आवेदन खाद्य आपूर्ति में आठ, आय आवासीय के लिए 51 आवेदन प्राप्त हुआ, वन विभाग की ओर से 60 लोगों को पौधा वितरण किया गया.

सरकार की योजना का लाभ लें ग्रामीण:बीडीओ

साहिबगंज। मंगलबार को बोरियो प्रखंड क्षेत्र के बड़ा रक्सो पंचायत के सबैया मैदान में आपकी योजना आपकी आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसका शुभारंभ बीडीओ सह सीओ नागेश्वर साव, मुखिया ताला हंसदा, 20 सूत्री अध्यक्ष जेठा मरांडी, चिकित्सक डॉ. विनोद कुमार सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया. आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सभी विभाग के संबधित योजनाओं के अलग अलग स्टॉल लगाकर लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया. बीडीओ ने कहा की आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में योजनाओं का स्टॉल लगाकर आवेदन लेकर ऑन द स्पॉट समाधान किया जा रहा है.

विधायक ने किया शिविर का उद्घाटन, कहा-

लाभुकों को योजना से जोड़ें

संवाददाता। बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के चिंगड़ा पंचायत भवन में आपकी सरकार आपकी योजना, आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित हुई. जिसमें मुख्य अतिथि विधायक समीर कुमार मोहंती उपस्थित हुए.विधायक ने इस मौके पर कहा कि लाभुकों को सरकार द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं से जोड़ना है.साथ ही सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों को यथासंभव जल्द स्वीकृति दिया जायेगा.विधायक ने बताया कि प्राप्त आवेदनों को एक या दो दिन में ऑनलाइन प्रविष्ट किया जायेगा.उन्होंने कहा कि जिले एक लाख से अधिक लोगों को पिछले चार वर्षों में पेंशन योजना से जोड़ा गया है.छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति राशि में भी वृद्धि की गई है.विधायक ने कहा कि योजनाओं का लाभ देने के लिए पंचायत स्तर में शिविर का आयोजन कर सरकार आपके घर तक आकर आवेदन ले रही है.

बेघरों को आवास देना लक्ष्य : उन्होंने लोगों से इस कार्यक्रम का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया.गरीब और बेघर लोगों को राज्य सरकार द्वारा तीन कमरों के आवास देने की अबुआ आवास योजना शुरू की गई है. इस मौके पर बीडीओ केशव कुमार, सीओ भोला शंकर महतो, मुखिया परमेश्वर हेंब्रम,खीतीश मुंडा, सौमित्र ओझा,रसाराज टुडू, ललित मंडी आदि उपस्थित थे.

सोलर जलमीनार बंद होने से पेयजल की समस्या गहरायी

संवाददाता। बहरागोड़ा

खास बातें

- गांव में 60 घरों में 350 लोग करते है गुजर बसर
- जल मीनार ठीक कराने के लिए ग्रामीण कर चुके प्रदर्शन

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के भूतिया पंचायत अंतर्गत जुगीशोल गांव में निर्मित सोलर जलमीनार पिछले एक वर्षो से खराब है.ग्रामीणों पेयजल की संकट से जूझ रहे हैं.उक्त गांव में लगभग 60 घर हैं.जिसमें करीब 350 लोग रहते हैं.पूरे ग्रामीण जलमीनार की खराबी हो जाने से पास के कुंआ से पानी निकालकर पीते हैं.सोलर जलमीनार खराब हो जाने से ग्रामीण जल्द से जल्द दुरुस्त कराने की मांग कर रहे हैं.जल मीनार को ठीक करने के लिए ग्रामीणों ने जल मीनार के पास हांडी व बाल्टी लेकर विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके है. ग्रामीणों माइनो मुर्मु, टुसु मुर्मु, पार्वती मुर्मु, गुरुबारी मुर्मु,पानमनी सोरेन, जबा मुर्मु, सुष्मिता बेसरा, कल्पना मुर्मु, बिपिन सोरेन,जोबा मुर्मु, दशरथ मुर्मु, लागेन मुर्मु, पानताल मुर्मु आदि ने कहा पानी के लिए बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.सोलर जलमीनार की खराब होने की सूचना जिला परिषद फूलमनी मुर्मू को दिया है. इस दौरान मुर्मू ने तत्काल संबंधित पदाधिकारी से बात कर जल मीनार दुरस्त करने की बात कही.

चाकुलिया के जमुआ पंचायत लगा शिविर

चाकुलिया। चाकुलिया प्रखंड के जमुआ पंचायत भवन में मंगलवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित हुआ. कार्यक्रम में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी. विधायक समीर कुमार मोहंती ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे. समस्याओं से संबंधित आवेदन ग्रामीणों ने सौंपे. अबुआ आवास के लिए आवेदन देने में ग्रामीणों में खास दिलचस्पी देखी गई. कई समस्याओं का समाधान ऑन स्पॉट किया गया. इस अवसर पर अंचल अधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी उपेंद्र कुमार, प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी गौरी शंकर दास, प्रमुख धनंजय करुणामय, प्रखंड 20 सूत्री के अध्यक्ष साहेब राम मांडी,फुलमनी मांडी समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे.

गढ़वा में कल सीएम करेंगे शिविर का उद्घाटन

संवाददाता। गढ़वा

मेराल प्रखंड के पेशका में 30 नवंबर को आयोजित होने वाले 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शिरकत करेंगे.इसकी जानकारी मंत्री-सह-स्थानीय विधायक मिथिलेश ठाकुर ने दी.पेयजल मंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया.मौके पर मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है.मौके पर पेयजल मंत्री के साथ उपायुक्त शेखर जमुआर और पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय मौजूद थे. कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लिया गया.मैदान में लग रहे स्टेज, टेंट और स्टॉल का जायजा लिया गया. कार्यक्रम स्थल पर साफ सफाई, पेयजल, अस्थायी शौचालय की व्यवस्था,आने वाले अतिथियों और आमजनों के बैठने की व्यवस्था, विधि व्यवस्था, हेलीपैड निर्माण समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई. मिथिलिश ठाकुर ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया. इस दौरान मंत्री ने कृषक पाठशाला का भी निरीक्षण किया जरूरी निर्देश दिये.

परिसंपत्तियों का भी वितरण होगा

मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार आमलोगों को ध्यान में रखकर आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम चला रही है .परिसंपत्तियों का भी वितरण होगा. कार्यक्रम के माध्यम से आमलोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है.

लोगों को योजनाओं का दिया रहा लाभ : मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार आमलोगों को ध्यान में रखकर आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम चला रही है. कार्यक्रम के माध्यम से आमलोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है. मौके पर परिसंपत्तियों का भी वितरण होगा. उन्होंने जिलेवासी से अपील करते हुए कहा कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों भाग लें. मौके पर डीसी-एसपी के अलावा उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय, निदेशक डीआरडीए एसडीओ गढ़वा समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल अधिकारी मौजूद थे.

तैयारी अभी जिले में प्रखंडस्तर पर हो रहा ममता वाहनों का संचालन

धनबाद में अब पंचायत स्तर पर चलेगा ममता वाहन

संवाददाता। धनबाद

खास बातें

- 1348 गांवों के ग्रामीणों को योजना का लाभ मिलेगा
- सारी प्रक्रिया पूरी करने में जुटा स्वास्थ्य महकमा

जननी शिशु कार्यक्रम के तहत धनबाद जिले की 181 पंचायतों में जल्द ही ममता वाहन सेवा शुरू होगी. जिले में अबतक प्रखंड स्तर पर ही ममता वाहन उपलब्ध थे. अब पंचायत स्तर पर भी ममता वाहन सेवा शुरू करने की तैयारी है. इसके लिए जिला स्वास्थ्य विभाग तैयारियों में है. इससे पहले भी ममता वाहन के लिए टेंडर निकाला गया था,लेकिन किसी कारण से टेंडर पूरा नहीं हो सका. एक बार फिर प्रक्रिया पूरी करने में विभाग जुट गया है. इसके बाद पंचायत स्तर पर ममता वाहन तैनात किये जायेंगे.

बताते चलें कि जननी सुरक्षा कार्यक्रम के तहत गर्भवती और एक साल तक के नवजात को अस्पताल लाने और घर तक वापस पहुंचाने के लिए ममता वाहन सेवा निःशुल्क प्रदान की जाती है. इस पर आने वाला खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है. ऑनलाइन माध्यम से ममता वाहन की सेवा प्राप्त की जाती है. ग्रामीण ममता वाहन की बुकिंग ऑनलाइन करा सकते हैं.

जिले की 181 पंचायतों के लोगों को मिलेगा लाभ

सभी पंचायतों को मिलेगा लाभ

धनबाद, गोविंदपुर, बलियापुर, निरसा, कलियासोल, एग्यारकुंड, टुंडी, पूर्वी टुंडी, तोपचांची और बाघमारा प्रखंड में कुल 181 पंचायत हैं. पंचायत स्तर पर ममता वाहन सेवा शुरू होने पर इन पंचायतों के कुल 1348 गांवों के ग्रामीणों को योजना का लाभ मिलेगा. वहीं यह सेवा शुरू होने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग सभी ममता वाहन के चालकों को मरीजों का प्राथमिक उपचार करने के साथ बेसिक लाइफ सपोर्ट का भी प्रशिक्षण देगा. सिविल सर्जन डॉ सीबी प्रतापन ने बताया कि सभी पंचायतों में जननी सुरक्षा कार्यक्रम के तहत गर्भवती और एक साल तक के नवजात को ममता वाहन का लाभ मिल सके, इसके लिए प्रक्रिया चल रही है।

अमन समेत चार का मामला अब सेशन कोर्ट में चलेगा

संवाददाता। धनबाद

गोली चलाने और रंगदारी मांगने के मामले में की सुनवाई मंगलवार को प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी राकेश रोशन की अदालत में हुई. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जेल में बंद अमन सिंह, राहुल सिंह उर्फ वैभव यादव, सामी, इरफान उर्फ टुन्ना को पेश किया गया. अदालत ने आरोपियों के केस को कमिटमेंट कर सुनवाई के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में भेज दिया. अदालत में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता अनवर शमीम भी उपस्थित थे. बता दें कि 29 दिसंबर 2022 को बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली कि अंडरपास पुल के पास एक होंडा साइन बिना नंबर का जिसपर तीन अपराधकर्मी घूम रहे हैं और कही गोली चलाने, रंगदारी एवं हत्या जैसे गंभीर अपराध करने के फिराक में है. पुलिस टीम के पहुंचते ही संदिग्ध अवस्था में खड़े तीन व्यक्ति मोटर साईकिल स्टार्ट कर भागने लगे. भागने के क्रम में पीछे बैठे व्यक्ति गिर गया और भागने लगा. पुलिस ने दौड़ा कर उसे पकड़ लिया. जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ किया तो पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम कुंदन धीकार उर्फ रोहित बताया. पुलिस ने उसके कमर से एक देसी पिस्टल और दो जिंदा गोली बरामद किया था. पुलिस ने अमन सिंह, राहुल सिंह, कुंदन धीकार,अनुज कुमार सिंह, अरुण महतो, आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह,प्रिंस खान, गोपी खान, बंटी खान, गोडविन खान, सैफी, सामी , इरफान उर्फ टुन्ना को आरोपित किया है.

बेरमो के जिला बनाने के लिए समिति हुई मुखर

संवाददाता। बोकारो

बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को समिति के संयोजक संतोष कुमार नायक व उप संयोजक कुलदीप कुमार प्रजापति के नेतृत्व में उत्तरी छोटानागपुर की आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा से भेंट की. प्रतिनिधिमंडल ने जिप अध्यक्ष सुनीता देवी, तेनुघाट अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्र तथा सचिव वकील प्रसाद महतो समेत समिति के अन्य पदाधिकारियों के हस्ताक्षरयुक्त एक ज्ञापन आयुक्त को सौंपकर बेरमो को जिला बनाने की मांग की.

बेरमो को जिला बनाने के लिए आयुक्त को ज्ञापन

बेरमो तेनुघाट अनुमण्डल में पूर्व से ही स्थायी भवनों का निर्माण किया जा चुका है. बेरमो के जिला बनने से इस क्षेत्र की जनता को काफी लाभ एवं सुविधा मिलेगी. लोकहित और कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में सुविधा होगी. प्रतिनिधिमंडल में समिति के नारायण प्रजापति, अजय प्रजापति, मिथुन सह चंद्रवंशी, महेंद्र राम आदि भी शामिल थे.

1972 में बनने वाला सबसे पुराना अनुमंडल

प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें बताया कि बेरमो (मुख्यालय तेनुघाट) राज्य का सबसे समृद्ध खनिज सम्पदाओं से परिपूर्ण और अविभाजित बिहार में 1972 में बनने वाला सबसे पुराना अनुमंडल है. प्रारंभ से ही बेरमो (तेनुघाट) को जिला बनाने की मांग की जा रही है, लेकिन कतिपय कारणों से आज तक इसे जिला का दर्जा नहीं मिल पाया है. ज्ञापन में बताया गया कि यह अनुमंडल जिला बनने की अभी अहर्ता को पूरा करता है.

आओ जानें — सामान्य ज्ञान

- आम का वैज्ञानिक नाम क्या है – **मैग्नीफेरा इंडिका**
- लोकसभा में किस आधार पर सीटें बांटी जाती हैं – **जनसंख्या**
- किस बीमारी के इलाज के लिए संकल्प प्रोजेक्ट बनाया गया था – **एचआईवी**
- बहमनी सल्तनत के संस्थापक कौन थे – **अलाउद्दीन बहमन शाह**
- भारत में सोंगमो झील कहां पर है – **सिक्किम**
- भारत में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है – **उत्तर प्रदेश**
- झंडा सत्याग्रह के लिए कौन शहर प्रसिद्ध है – **नागपुर**
- पवन की गति को नापने वाले उपकरण का नाम – **एनीमोमीटर**
- झारखंड में सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला जिला – **रांची**
- इलाहाबाद का किला किसने बनवाया था – **अकबर**

ब्रीफ खबरें

सरिया में हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात

गिरिडीह। सरिया प्रखंड के रतनाडीह में 32 हाथियों के झुंड ने सोमवार की रात जमकर उत्पात मचाया.खेतों व खलिहानों में रखे धान के धान खा गए.खेतों में लगी सब्जियों की फसल नष्ट कर दिया. किसानों को भारी नुकसान हुआ है.ग्रामीणों ने आतिशबाजी और मशाल जलाकर हाथियों को गांव से खदेड़ा. सरिया व बगोदर क्षेत्र में हाथियों का झुंड लगातर विचरण कर रहे है. आश्रम रोड, चौधरीडीह, चन्द्रमारणी, चिचाकी, चिरवां व नावाडीह में हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया.

हाथी आने से तीन घंटे तक काट दी गई बिजली

चाकुलिया। चाकुलिया में विगत देर शाम को लोधाशोली पंचायत अंतर्गत पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे अमलागोड़ा गांव के पास साल जंगल में 10 से 12 हाथी आ पहुंचे. उक्त हाथी पहले नगर पंचायत के दीघी गांव के पास थे. हाथियों के आने से क्षेत्र में दहशत मच गई. वन विभाग द्वारा इसकी सूचना बिजली विभाग को दी गई. इसके बाद क्षेत्र में बिजली काट दी गई. करीब तीन घंटे तक बिजली नहीं रही. वन विभाग की क्विक रिस्पांस टीम हाथियों को खदेड़ने में जुट गई.

सेल डीड की याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

रांची। हाईकोर्ट ने सेल डीड कैंसिल किए जाने के अधिकार को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा है. ऑनलाइन एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक अनामिका गौतम ने देवघर स्थित जमीन सहित राज्य के अन्य जिलों के डीसी द्वारा कई लोगों के सेल डीड कैंसिल किए जाने को चुनौती दी थी. उस याचिका पर हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई. हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रखा.

ग्रामीणों ने डीसी से डीलर की शिकायत की

लातेहार। मनिका प्रखंड के जेरूआ ग्राम के कई ग्रामीण मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय पहुंचे.उन्होंने जेरूआ ग्राम की महिला समूह के जन वितरण प्रणाली के डीलर पर राशन वितरण में अनियमितता का आरोप लगाया.ग्रामीणों ने बताया कि अंगूठा का निशान लेकर राशन नहीं दिया जा रहा है.राशन मांगने पर डीलर के द्वारा अभ्रदता करते है.मौके पर सोहन सिंह, सोनिया अमित, कोटवा देवी,सरफिना बीवी, सरफुद्दीन अंसारी व सुनैना देवी समेंत कई लोग मौजूद थे.

लोक अदालत के लिए एडीजे ने की बैठक

घाटशिला। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर एडीजे के.के. शुक्ला की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय परिसर घाटशिला स्थित कार्यालय कक्ष में बैठक हुई. विशेष रूप एसीजेएम सुशीला सोरेंग, एसडीजेएम-सह-सचिव मित आल्डा, एसडीएलएसए, एलआरडीसी, एपीपी साहित बैंक,एक्साइज, फॉरेस्ट के पदाधिकारी उपस्थित थे. एडीजी ने निर्देश दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालत अधिक से अधिक वादो का निष्पादन करने का प्रयास करें.

उपायुक्त ने सुनी लोगों की समस्याएं

आदित्यपुर। सरायकेला डीसी रवि शंकर शुक्ला ने मंगलवार को अपने कक्ष में आम जनता के लिए जनता दरबार का आयोजन किया. लोगों की व्यक्तिगत एवं समाजिक समस्याओं को सुना और उसका निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनके आवेदन प्रेषित किया. जनता दरबार में भूमि विवाद, आपसी बटवारा,केसीसी अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदनों पर विचार किया. सभी आवेदनों को जांचोपरांत कार्रवाई का आदेश दिया.

बीसीकेयू के साथ प्रबंधन ने की वार्ता

निरसा। इसीएल मुगमा क्षेत्र के बैजना कोलियरी कार्यालय में मंगलवार को 23 सूत्री मांगों को लेकर बीसीकेयू के साथ प्रबंधन की वार्ता हुई। प्रबंधन ने सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया गया.वार्ता में प्रबंधन की ओर से उपमहाप्रबंधक सह अभिकर्ता राम प्रकाश पांडे, प्रभारी प्रबंधक के चंद्र,उपकर्मिक महाप्रबंधक सतीश कुमार सिंह,अभियंता राजकुमार तथा यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष आगम राम आदि शामिल थे.

7 ठेकेदार, 210 मजदूर, 38 वाहन, लगा कचरे का ढेर

नगर निगम क्षेत्र में कचरे का उठाव ठप

35 वार्डों से कचरा उठाव के लिए 38 वाहन रखे गए हैं

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर नगर निगम के पास सफाई कार्य के लिए 7 जोन में 7 ठेकेदार नियुक्त हैं. इनके कुल 210 मजदूर कार्यरत हैं. कचरा उठाव के लिए 38 कचरा वाहन मौजूद हैं, फिर भी कचरा उठाव बंद है. बता दें कि नगर निगम में कुल 35 वार्ड हैं. यहां सफाई कार्य हेतु सात ठेकेदारों का चयन किया गया है.प्रत्येक के जिम्मे पांच वार्ड आते हैं.वहीं प्रति वार्ड 6 सफाई कर्मी यानि कुल 210 कर्मचारी कार्यरत हैं. इतना ही नहीं 35 वार्डों से कचरा उठाव के लिए 38 वाहन रखे गए हैं, यानि प्रत्येक वार्ड एक वाहन निश्चित रुप से रखे गए हैं. इसके बावजूद नियमित कचरा का उठाव नहीं हो रहा है.बता दें कि आदित्यपुर नगर निगम का डोर टू डोर कचरा उठाव फिर से अनियमित हो गया है.कई वार्डों में तो एक सप्ताह तक कचरा उठाव वाहन नहीं भेजे जा रहे हैं. वाहन खराब होते हैं तो उसकी मरम्मत नहीं कराई जाती है. इस बात की ज्यादा शिकायत वार्ड 16, 17, 19 एवं 20 से मिल रही है.यहां के लोग प्रतिदिन कचरा वाहन का इंतजार करते हैं, नहीं आने पर कचरा घर में रखते हैं.चूंकि हर गली मुहल्लों से डस्टबिन को हटा लिया गया है.दूसरी ओर सिटी मैनेजर दावा करते हैं कि उनके सभी वार्डों में नियमित कचरा का उठाव हो रहा है, लेकिन लोगों की शिकायत से उनके दावे खोखले साबित हो रहे हैं.

क्या कहती हैं पूर्व पार्षद

सफाई की अनियमितता के बारे में वार्ड 17 की पूर्व पार्षद नीतू शर्मा और वार्ड 16 की पूर्व पार्षद राजरानी महतो कहती हैं कि उनके वार्ड में कचरा उठाव वाहन नियमित नहीं आता है. उनके वार्ड में बड़े-बड़े अपार्टमेंट्स हैं. इससे हर महीने लाखों रुपए का होल्डिंग टैक्स के रूप में राजस्व मिलता है, लेकिन नगर निगम उनकी सफाई के लिए अलग से कचरा वाहन नहीं भेजती है. ऐसे में लोग यत्र-तत्र कचरों को फेंक देते हैं. उन्होंने बताया कि वे कई बार लिखित रूप से अलग से कचरा वाहन उपलब्ध कराने की मांग कर चुके हैं.

केआईएमपी कार्यालय का हुआ उद्घाटन

कतरास। भटमुरना मोड़ पर केआईएमपी गोविंदपुर क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन केआईएमपी के महामंत्री अर्जुन सिंह और केआईएमपी के केन्द्रीय सचिव सह जदयू नेता दीप नारायण सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया.इस अवसर पर अर्जुन सिंह ने कहा कि गोविन्दपुर क्षेत्रीय कार्यालय खुलने से मजदूरों को सहुलियत होगी. उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए दीप नारायण सिंह ने कहा कि केआईएमपी मजदूरों की समस्याओं को लेकर गंभीर है.किसी भी मजदूर को किसी प्रकार का समस्या होने पर केआईएमपी गोविन्दपुर क्षेत्रीय कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं.मजदूरों की समस्या का समाधान के लिए पंचायत के सदस्य लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है. इस दौरान राजीव रंजन त्रिवेदी,अवधेश सिंह, गोपाल चन्द्र गोप, विजय कमार,पप्पू सिंह, कुंदन सहाय, अशोक कुमार दास, गंगा शर्मा, दीपक बेलदार, बिजेंद्र बेलदार, गोतम गोप, शेखर सिंह, प्रिंस सिंह, सुभाष सिंह आदि उपस्थित रहे.

बीएंडके जीएम ने दो दिव्यांग संस्थाओं को दिया 75 हजार रुपये

दिव्यांग भी समाज के अंग हैं:जीएम

संवाददाता। बेरमो

सीसीएल ऑफिसर्स क्लब करगली में बीएंडके महाप्रबंधक एम के राव ने दिव्यांग के लिए काम कर रहे दो संस्थाओं को 75 हज़ार रुपये का चेक दिया। बता दें कि श्री राव को सीसीएल के 49 वां स्थापना दिवस में सर्वश्रेष्ठ जीएम का अवार्ड मिला था। इस उपलब्धि के लिए उन्हें 75 हजार रूपये का उपहार मिला था। उक्त राशि को राशि को समाज के उत्थान में लगी दिव्यांग कल्याण समिति बेरमो और विकलांग मानव सेवा संघ बगोदर, गिरिडीह के दो संस्थाओं को 37 हजार 500 रूपये करके चेक सौंप दिया। श्री राव ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिए प्रोत्साहन राशि दिया। कहा कि दिव्यांगजन भी समाज के अंग हैं। इन्हें सहयोग की जरूरत है। सहयोग करना हर मानव का धर्म है। दिव्यांग भाई बहनों को हर संभव मदद की आवश्यकता है। वे कभी भी समाज में अपने को किसी से कम नहीं समझें। कार्यक्रम का संचालन एसओ पीएंडपी शंभू नाथ झा ने किया। इस अवसर पर नये जीएम के रामकृष्णा, पीओ मनोज कुमार सिंह, कन्हैया शंकर ग्रेवाल व अरविंद शर्मा, एसओएम के डी प्रसाद, एसओईएंडएम जी मोहंती, एसओपी राजीव कुमार, एसओसी सतीश सिंहा, एएफएम जी चौबे, एसओ भू राजस्व पदाधिकारी बीके ठाकुर, एरिया सेफ्टी ऑफिसर कुमार सौरभ सिंह, कार्मिक प्रबंधक पी एन सिंह,दिव्यांग कल्याण समिति के महासचिव भुनेश्वर यादव, समाजसेवी रजनी कुमारी सहित प्रतिनिधियों विजय कुमार सिंह, विनय पाठक, अनिल कुमार सिंह, राम निहोरा सिंह, अफताब आलम खान, शक्ति मंडल, राहुल कुमार ,गणेश महतो ,टीनू सिंह, आभाष चंद्र गांगुली, गोपाल गुप्ता, लव कुमार, परवेज अख्तर, आदि मुख्य रूप से शामिल थे।

प्रशिक्षण में पल्स पोलियो अभियान को लेकर हुई चर्चा

संवाददाता। साहिबगंज

तालझारी प्रखंड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को 10 से 12 दिसंबर तक चलने वाले पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने को लेकर सहिया, सेविका व बूथकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया .वहीं प्रशिक्षक डॉ रवि प्रकाश एवं प्रशिक्षक पवन कुमार वर्मा द्वारा दिया गया. प्रशिक्षण में बूथ संख्या 41 से 60 तक के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया. इसमें पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने को लेकर चर्चा की गई. प्रशिक्षक पवन कुमार वर्मा ने पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन बूथों में शत- प्रतिशत बच्चों को पोलियो के खुराक पिलाने का निर्देश दिया. बच्चे पोलियो के खुराक पीने से वंचित रह जाएंगे तो दूसरे दिन घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाना है. इसकी जानकारी दी गई.बूथ कवरेज बढ़ाने पर चर्चा की गई. 29 को वृंदावन उप स्वास्थ्य केंद्र व 30 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सेविका,सहिया व बूथकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा. इस मौके पर बीपीएम विजय राम, लेखपाल देवनारायण रविदास, अमरेन्द्र कुमार, अभिषेक कुमार उपस्थित थे.

महेश और अमित अग्रवाल मामले में पूरी हुई बहस

संवाददाता। रांची

चतरा जिले के टंडवा स्थित मगध और आम्रपाली कोल परियोजना से जुड़े टेरर फंडिंग मामले की एनआईए जांच कर रही है. इस मामले में आरोपी आधुनिक पावर कंपनी की तत्कालीन एमडी महेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल उर्फ सोनू अग्रवाल के मामले में हाइकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई. अब 11 दिसंबर को अजय कुमार सिंह की पिटिशन पर सुनवाई होगी. इन तीनों ने अपने खिलाफ किए गए चार्जफ्रेम एवं खारिज किए गए डिस्चार्ज पिटिशन को हाइकोर्ट में चुनौती दी है. हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर निर्धारित की है. प्रार्थी की ओर से हाइकोर्ट के अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा और अधिवक्ता ऋषभ कुमार ने पैरवी की. दरअसल, रांची की एनआइए कोर्ट ने टेरर फंडिंग मामले में महेश अग्रवाल और अमित अग्रवाल उर्फ सोनू अग्रवाल और अजय कुमार सिंह की डिस्चार्ज पिटिशन को खारिज कर दिया था. साथ ही कोर्ट ने उन पर चार्जफ्रेम कर दिया है, जिसे उन्होंने हाइकोर्ट में चुनौती दी है.

रांची जमीन घोटाला: दिलीप घोष को हाईकोर्ट से जमानत

संवाददाता। रांची

जमीन घोटाला मामले में मुख्य आरोपी दिलीप घोष को हाईकोर्ट ने मंगलवार को जमानत दे दी. इससे पहले दिलीप घोष की जमानत याचिका पर बीते 9 नवंबर को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी. जिसके बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. बता दें कि बीते सात जून को ईडी ने जमीन घोटाला मामले में कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल और दिलीप घोष को गिरफ्तार किया था. दोनों को ईडी की टीम ने कोलकाता से गिरफ्तार किया था. सेना के कब्जे वाली जमीन के दस्तावेज में फर्जीवाड़ा कर बेचने वाले फर्जी रैयत प्रदीप बागची ने जिस जगतबंधु टी इस्टेट को उक्त जमीन की रजिस्ट्री की थी, उस कंपनी में अमित अग्रवाल भी दिलीप घोष के सहयोगी हैं.

फर्जी तरीके से जमीन हथियाने की साजिश

अमित अग्रवाल के करीबी दिलीप घोष की कंपनी जगतबंधु टी-इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड को ही फर्जी कागजातों के जरिए सेना की कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन बेची गई थी. ईडी ने जांच में पाया था कि कंपनी ने 20 करोड़ के सरकारी मूल्य की जमीन महज सात करोड़ में खरीदने का जिक्र रजिस्ट्री में किया. इस जमीन के बदले फर्जी मालिक प्रदीप बागची को महज 25 लाख मिले.रजिस्ट्री में अलग-अलग बैंक खातों से बाकी 6.75 करोड़ रुपये देने का दावा ईडी की जांच में गलत निकला. मामले में अमित अग्रवाल की संलिप्तता के साक्ष्य मिले.

डीसी ने वेयर हाउस का किया निरीक्षण

पाकुड़। उपायुक्त- सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार बरनवाल ने मंगलवार को ईवीएम वेयर हाउस के ऊपरी एवं नीचले तल्ले में बने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया. निरीक्षण क्रम में डीसी ने ईवीएम वेयर हाउस के विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की. ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली . उन्होंने वहां रखे ईवीएम मशीन,सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरणों की स्थिति तथा रख रखाव का जायजा लिया., जिला निर्वाचन पदाधिकारी को प्रत्येक माह (बाहर) वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण करना होता है एवं रखरखाव एवं तकनीकी उपकरणों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट मंत्री मंडल (निर्वाचन) विभाग को समर्पित करना होता है. इसी संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने निरीक्षण करते हुए जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी को आवश्यक दिशा- निर्देश दिया .

अधूरे जलापूर्ति और सीवरेज योजना की हुई सुनवाई

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र में जारी वृहत जलापूर्ति और सीवरेज योजना के अधूरे रहने को लेकर 12 जुलाई 2023 में जन कल्याण मोर्चा द्वारा हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर किया था.जिसपर पर आज 28 नवंबर दिन मंगलवार को सुनवाई हुई.जानकारी देते हुए मोर्चा अध्यक्ष ओमप्रकाश ने बताया कि आज उनकी याचिका पर माननीय उच्च न्यायालय ने गंभीरता दिखाई है.सरकार से पक्ष रखने को कहा है. बता दें कि मोर्चा ने योजना पूरे होने तक नागरिकों से टैक्स नहीं लेने की अपील नगर विकास विभाग से की है.बता दें कि दोनों योजना के एजेंसी को 2-2 बार एक्सटेंशन दिया गया है, इसके बावजूद योजनाएं अधूरी पड़ी हुई है. इसी बात को लेकर सामाजिक संगठन जन कल्याण मोर्चा और आदित्यपुर अधिवक्ता संघ ने जनहित याचिका दायर की है.

दूसरी बार मिले एक्सटेंशन 30 जून को हुआ समाप्त

मोर्चा अध्यक्ष ने बताया कि जलापूर्ति योजना और सीवरेज योजना को दूसरी बार मिले एक्सटेंशन की अवधि भी 30 जून को समाप्त हो चुकी थी. लेकिन अब तक दोनों योजना का 50 फीसदी भी काम पूरा नहीं हुआ था. जिसे दुर्भाग्य बताते हुए ही 12 जुलाई को हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर कराया गया है. मोर्चा अध्यक्ष अधिवक्ता ओमप्रकाश ने बताया कि इसके लिए नगर विकास विभाग, वन विभाग, रेलवे, पथ निर्माण विभाग और आवास बोर्ड पूरी तरह से जिम्मेवार है. इसलिए उन्होंने जनहित याचिका में मांग किया है कि जब तक दोनों योजना पूरी नहीं हो जाती है नगर विकास विभाग आदित्यपुर के नगर निगम वासियों से होल्डिंग समेत सभी प्रकार के टैक्स लेना बंद करे.

खास बातें

- जन कल्याण मोर्चा ने दायर किया है जनहित याचिका
- नगर विकास विभाग से टैक्स नहीं लेने की अपील
- 2 बार के एक्सटेंशन के बाद योजनाएं अधूरी

सरकार नहीं ले आदित्यपुर के लोगों से टैक्स

उन्होंने यह मांग किया है कि जब तक दोनों योजनाएं पूरी नहीं होती है सरकार आदित्यपुर नगर निगम के सभी नागरिकों से लिये जानेवाले सभी प्रकार के टैक्स को बंद करे. बता दें कि सीवरेज योजना जहां 255 करोड़ की है वहीं जलापूर्ति योजना 395 करोड़ रुपए की है. दोनो योजनाएं आदित्यपुर के करीब 60 हजार परिवारों के लिए बना था लेकिन आज यहां के लोग कीचड़ भरी सड़कों पर चलने को विवश हैं और पेयजल के अभाव में 600 रुपये में 1000 लीटर पानी खरीदकर पीने को विवश हैं. जबकि नगर विकास विभाग होल्डिंग टैक्स में बेतहाशा वृद्धि कर आम नागरिकों के जेबें खाली करने पर अड़ी है. दोनों योजना के कार्य मंत्री के समीक्षा और आदेश के बावजूद अधूरे हैं.

समस्या सापामारन के ग्रामीण सड़क बनवाने के लिए आंदोलन की करेंगे घोषणा

सड़क पक्कीकरण की मांग को लेकर ग्रामीण गोलबंद

संवाददाता। गिरिडीह

धनवार प्रखंड के सापामारन से कारुडीह मंडप आरईओ रोड तक पक्की सड़क के निर्माण की मांग को लेकर सापामारन के ग्रामीण गोलबंद हो रहे हैं.मंगलवार की सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण उक्त मार्ग पर नदी के समीप एकत्रित हुए और जन प्रतिनिधियों से मिलने व जरूरत होने पर आंदोलन करने की घोषणा की.ग्रामीण साहबान अंसारी, विजय वर्मा,नीलकंठ वर्मा, जय नारायण कुशवाहा आदि ने बताया कि करीब दस वर्ष पहले कारुडीह मंडप से नदी तक ग्रामीणों ने कारसेवा कर कच्ची सड़क का निर्माण किया था.नदी पर पुल नहीं रहने और कच्ची सड़क के कारण आवागमन में परेशानी होती है.

पुल के अभाव में आवागमन हो जाता है बंद

सापामारन की आबादी लगभग ढाई हजार है. यह मार्ग धनवार-घोड़थम्बा का महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है .लेकिन बरसात में फिसलन और पुल के अभाव में आवागमन अवद्ध हो जाता है .वैकल्पिक मार्ग महुआटांड़ स्कूल से पहाड़पुर तक काफी जर्जर है .ग्रामीणों ने बताया कि10 वर्ष पहले गांव की उत्तर तरफ नदी पर पुल तो बना है,लेकिन पुल से आगे का रास्ता नहीं बनाया जा सका है .इसके चलते बरसात में यह गांव टापू बन जाता है .सापामारन उच्च मध्य विद्यालय से कारुडीह मंडप तक पक्की सड़क व नदी पर पुल निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीण जल्द ही सांसाद,विधायक और उपयुक्त गिरीडीह से मिलेंगे .मौके पर अजय वर्मा,रामचंद्र कुशवाहा,टहल राणा,बलदेव महथा,सहदेव महथा,रामेश्वर यादव,इस्माइल मियां,सुरेश यादव,बलदेव यादव,लूटन दास,राम केश्वर यादव,अशोक दास,मनोज तुरी,विनोद यादव,ब्रहमदेव राणा,अविनाश कुशवाहा आदि मौजूद थे .

खास बातें

- 10 साल पहले श्रमदान कर बनाई थी कच्ची सड़क
- बरसात में पूरा इलाका टापू में हो जाता है तब्दील

सीआरपीएफ ने ग्रामीणों के बीच सामग्री का किया वितरण

संवाददाता। लातेहार

सीआरपीएफ की 214 बटालियन के कमांडेंट केडी जोशी के निर्देश पर सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत गुमला के डुमरी में ए-214 बटालियन परिसर में ग्रामीणों के बीच सिलाई मशीन, पठन-पाठन सामग्री, स्कूल बैग व युवाओं के बीच खेल सामग्रियों का वितरण किया गया.मौके पर कमांडेंट केडी जोशी ने कहा कि सीआरपीएफ के द्वारा विभिन्न अवसरों पर सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं. ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीणों समन्वय स्थापित करने और एक सोहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण करना है. सीआरपीएफ लोगों के सुख व दुख में हमेशा सहभागी रहती है और उनकी मदद के लिए हमेशा तत्पर रहती है.

ब्रीफ खबरें

पेट्रोल नहीं मिला तो चाकू से किया हमला

जमशेदपुर । गोलमुरी थाना अंतर्गत सोमवार देर रात पेट्रोल पंप पर पेट्रोल नहीं देने पर दो युवकों ने पंप कर्मी पर चाकू से हमला कर दिया. हालांकि उसे किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचा. इस दौरान अन्य कर्मियों ने बीच-बचाव कर दोनों युवकों को पकड़ा और पिटाई कर पोल से बांध दिया. कर्मियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी. सूचना पाकर गोलमुरी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को अपने साथ थाना ले गई. पुलिस ने युवकों की बाइक भी जब्त कर लिया है.

गिरिडीह में दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह । गिरिडीह पुलिस ने मातृत्व लाभ की राशि दिलाने के नाम पर ठगी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है. गिरफ्तार आरोपियों में छोटू मंडल और अजय मंडल शामिल हैं. दोनों आरोपी बेंगाबाद के महदईया गांव के रहने वाले हैं. इनलोगों के पास से पुलिस ने दो मोबाइल और चार सिम कार्ड बरामद किया है. इससे सोमवार को प्रतिबिंब ऐप के माध्यम से गिरिडीह पुलिस ने दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया था.

बर्मामाइंस में फर्नीचर दुकान में चोरी

जमशेदपुर । जमशेदपुर के बर्मामाइंस थाना अंतर्गत चूना भट्ठा स्थित एक फर्नीचर दुकान का ताला तोड़ मशीनों की चोरी कर ली गई. दुकान संचालक परमानंद शर्मा को इसकी जानकारी तब हुई जब वे मंगलवार सुबह दुकान खोलने के लिए पहुंचे. उन्होंने पाया कि दुकान में लगा ताला टूटा हुआ है. अंदर जाने पर पाया कि सारी मशीनें गायब है. इस संबंध में उन्होंने बर्मामाइंस थाना में लिखित शिकायत भी की है. शिकायत पाकर पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर मामले की जांच की.

ट्रेन से कटकर पुरुलिया के व्यक्ति की मौत

जमशेदपुर । आदित्यपुर स्टेशन के पास ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की मौत हो गई. मृतक की पहचान पुरुलिया के धातकीडीह निवासी 38 वर्षीय तरुण कुमार के रूप में की गई. घटना सोमवार देर शाम की है. सूचना पाकर टाटानगर रेल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मिली जानकारी के अनुसार मृतक की बहन आदित्यपुर रेल लाइन के पास रहती है. तरुण बस से उतरकर अपनी बहन के घर जा रहा था. रेल लाइन पार करने के दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया.

दुमका में रेल पटरी पर मिला युवक का शव

दुमका । जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के हंसडीहा-दुमका रेलखंड पर नोनीहाट रेलवे स्टेशन से 200 मीटर दूर दुमका की ओर चंपातरी रेलवे पुल के समीप रेलवे पटरी पर मंगलवार दोपहर एक युवक का शव मिला. उसका बायां हाथ कटकर अलग हो गया. उसकी पहचान थाना क्षेत्र के नयाबाजार (नोनीहाट) संतोष कुमार साह के रूप में हुई है. सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई कर रही है. वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

फरार अभियुक्त के घर चिपकाया कुर्की वारंट

रंका (गढ़वा) । रंका थाना क्षेत्र के सलैयादामर निवासी राजेंद्र भुईया, पिता सोहराय भुईयां के घर पर रंका पुलिस ने कुर्की वारंट चिपकाया. पुलिस सब-इंस्पेक्टर पिंकू कुमार राणा ने बताया कि अभियुक्त पिछले दो वर्षों से फरार है. अभियुक्त अपनी पत्नी के रहते हुए दूसरी लड़की से शादी रचाकर अन्यत्र रह रहा है. जब भी वह घर आता है तो पहली पत्नी से मारपीट और प्रताड़ित करता है. इससे तंग आकर पहली पत्नी ने पति राजेंद्र भुईंया के खिलाफ रंका थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है.

दो कोयला लदा ट्रक पकड़ा, चालक गिरफ्तार

डुमरी (गिरिडीह) । निमियाघाट पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाकर सोमवार की रात जीटी रोड पर कुलगो टॉल प्लाजा के समीप अवैध कोयला लदा दो ट्रकों को पकड़ा. मौके से पुलिस ने दोनों ट्रकों के चालकों को पकड़ा. इस संबंध में खनन निरीक्षक के आवेदन पर ट्रक चालक, मालिक, अवैध उत्खनन व परिवहन में संलिप्त लोगों के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया है. ट्रकों में 45-45 टन स्टीम कोयला लदा है. गिरफ्तार चालकों को जेल भेज दिया गया है.

मानगो में युवक का अधजला शव बरामद, हत्या की आशंका

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत स्वर्णरेखा नदी के किनारे मंगलवार सुबह एक अधजला शव पाया गया. स्थानीय लोगों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक की पहचान मानगो दाईगुटू निवासी 32 वर्षीय गणेश साव के रुप में की गई है. गणेश डिमना चौक के पास एक ठेले में इडली-दोसा बनाने का काम करता था. मृतक के ससुर राजू पात्रो ने बताया कि गणेश ने उनकी बेटी शांति देवी से प्रेम विवाह किया था. दो माह पूर्व गणेश के पिता की मौत हो गई थी. गणेश मुंबई में काम करता था. वह पिता की मौत के बाद 15 दिनों पूर्व काम छोड़कर शहर आया और डिमना चौक के पास एक ठेला में इडली-दोसा बनाने का काम करने लगा. सोमवार देर रात उसने खाना खाया और रात 11 बजे अपनी पत्नी को थोड़ी देर में वापस लौट आने की बात कहकर निकला था. सुबह पुलिस ने फोन पर सूचना दी की गणेश का शव बरामद किया गया है.

आत्महत्या या हत्या जांच कर रही पुलिस : मामले को लेकर सिटी एसपी मुकेश लुणायत ने बताया कि गणेश ने आत्महत्या की है या उसकी हत्या की गई है इस पर पुलिस जांच कर रही है. वहीं पुलिस उसके साथ रहने वालों का भी पता लहा रही है. पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रही है. मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी की जा रही है.

स्वर्णरेखा नदी के किनारे मिला नवजात बच्चा

जमशेदपुर । जमशेदपुर में एक बार फिर ममता को शर्मशार करने वाली घटना सामने आई है. मंगलवार सुबह आजादनगर थाना क्षेत्र के ओल्ड पुरुलिया रोड स्थित पंप हाउस के पास नदी किनारे कपड़े में लिपटी एक नवजात पाई गई. नवजात की किलकारी सुनकर पास ही मौजूद मारथो बोदरा ने उसे देखा और नवजात को अपने घर ले गई. हालांकि इसकी सूचना आजादनगर पुलिस को मिली जिसके बाद पुलिस मारथा के घर पहुंची और जांच में जुट गई.

आओ जानें

जिले में कितने अपराधी हुए गिरफ्तार

खूंटी	: 57	गिरिडीह	: 188
गुमला	: 86	धनबाद	: 121
सिमडेगा	: 26	बोकारो	: 101
लोहरदगा	: 45	दुमका	: 24
चाईबासा	: 94	गोड्डा	: 81
सराइकेला	: 49	जामताड़ा	: 40
जमशेदपुर	: 158	देवघर	: 111
पलामू	: 83	साहेबगंज	: 97
लातेहार	: 75	पाकुड़	: 54
गढ़वा	: 125	रेल जमशेदपुर	: 12
हजारीबाग	: 163	रेल धनबाद	: 12
रामगढ़	: 51	रांची	: 199
कोडरमा	: 90	**कुल**	**: 2234**
चतरा	: 93	(आंकड़े 2023 के)	

धनबाद जिले में अब नए गैंगस्टर की हो गई इंट्री

राहुल ने ली आशीष की जगह

संवाददाता । धनबाद

धनबाद कोयलांचल में प्रिंस खान और अमन सिंह गिरोह दहशत का पर्याय बन चुके हैं. दोनों के अपने-अपने गुर्गे और नेटवर्क है, जिसके जरिए गैंग के लोग आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं. अमन सिंह गैंग में एक नया नाम जुड़ा है, जिसने गैंग के नाम पर जिले के व्यवसायियों को धमकाना शुरू कर दिया है. बैंक मोड़ व अन्य इलाकों के व्यवसाइयों को अमन सिंह गैंग के राहुल सिंह के नाम से फोन कर धमकी दी गई है. इसमें राहुल सिंह की ओर से फोन कर कहा गया है कि रंगदारी दो नहीं तो बुरे अंजाम भुगतने को तैयार रहो.

उल्लेखनीय है कि अमन सिंह गैंग के नाम पर धमकी देने और रंगदारी मांगने का काम पहले आशीष रंजन उर्फ छोटू किया करता था. कुछ महीने पहले आशीष के गैंग से रिश्ता तोड़ने के बाद अब उसकी जगह फोन कर धमकी देने का काम राहुल ने शुरू कर दिया है. जानकारी के मुताबिक, राहुल सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया है. वायरल वीडियो में एक शख्स मुंह पर नकाब लगाकर खुद को अमन सिंह गैंग का राहुल सिंह बता रहा है. वीडियो में दिख रहे शख्स के हाथ में एके 47 है, जिससे वह अंधाधुंध फायरिंग करता दिख रहा है. वीडियो में राहुल सिंह यह कहते सुना जा रहा है कि जो भी व्यवसायी अमन सिंह को मैनेज नहीं करेगा, उसे गोली मार देगा. हालांकि, 'शुभम संदेश' इस वायरल वीडियो की किसी तरह भी पुष्टि नहीं करता है.

अमन सिंह गैंग से क्यों अलग हुआ आशीष रंजन

आशीष रंजन उर्फ छोटू ने अमन सिंह गैंग छोड़ने के बाद एक ऑडियो वायरल किया था. वायरल ऑडियो में आशीष ने कहा था कि अमन सिंह को धनबाद में उसने खड़ा किया है, परंतु अब वह उसके साथ नहीं है. आशीष का मानना है कि अमन को चर्चित लाला हत्याकांड से पहले कोई जानता नहीं था और न ही उसके नाम का लोगों में दहशत था. उक्त हत्याकांड में नाम आने के बाद से ही लोग अमन को गंभीरता से लेने लगे. ज्ञात हो कि लाला हत्याकांड में शूटर के तौर पर आशीष का नाम आया है.

बागबेड़ा फायरिंग मामले में तीन को पुलिस ने भेजा जेल, हथियार भी हुआ बरामद

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के बागबेड़ा थाना अंतर्गत लाल बिल्डिंग के पास रविवार देर रात फायरिंग के मामले में पुलिस ने तीन लोगों की गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में जेपी रोड निवासी अंजनी पांडेय, छपरिया मोहल्ला निवासी अभिषेक पांडेय और राहुल कुमार सिंह शामिल है. आरोपियों की निशानदेही में पुलिस ने एक रिवाल्वर, तीन जिंदा गोली, दो खोखा और पीलेट बरामद किया है. मामले की जानकारी देते हुए सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि अंजनी ने ही अपने घर पर दो राउंड फायरिंग की और पुलिस को गुमराह करने के लिए राहुल तिवारी उर्फ बिट्टू तिवारी पर आरोप लगा दिया था. मामले का खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने आस-पास लगे सीसीटीवी को खंगाला. सीसीटीवी में दिखाई दे रहा है कि अंजनी पांडेय खुद ही अपने घर पर फायरिंग कर रहा है. पुलिस ने जब अंजनी से पूछताछ की तो कई सारे खुलासे हुए. अंजनी की निशानदेही पर पुलिस ने हथियार बरामद किया. उन्होंने बताया कि अंजनी के अनुसार हथियार लाइसेंसी है. उसने जम्मू कश्मीर से हथियार का लाइसेंस लिया है. हालांकि इस संबंध में अंजनी ने किसी तरह के कागजात नहीं पेश किए है.

बिट्टू तिवारी को फंसाने के लिए की फायरिंग

दरअसल, अंजनी तिवारी आर्मी में अपने सेवा दे चुका है. अंजनी ने बिट्टू के दादा से 50 हजार रुपये उधारी ली थी. बिट्टू के दादा की मौत हो गई. बिट्टू ने कई बार अपने रुपये वापस मांगे पर अंजनी ने रुपये वापस नहीं किए. रविवार देर शाम बिट्टू अपने रुपये मांगने अंजनी के घर पहुंचा पर अंजनी की पत्नी ने उसे भगा दिया. बिट्टू के घर आने की जानकारी मिलने पर अंजनी आग बबुला हो गया और अपने कुछ साथियों के साथ बिट्टू के घर जाकर हथियार चमकाने लगा. स्थानीय लोगों ने उसे हथियार चमकाते देखा और उसकी पिटाई कर दी. बिट्टू को फंसाने के लिए अंजनी ने अपने घर पर हवाई फायरिंग की थी.

अगले महीने 15 अफसरों का होगा आईजी व डीआईजी में प्रमोशन

संवाददाता । रांची

झारखंड पुलिस के 15 आईपीएस अधिकारियों को अगले महीने प्रमोशन मिलेगा. जिनमें 2006 बैच के पांच आईपीएस को आईजी रैंक में और 2009 बैच के एक और 2010 बैच के नौ आईपीएस को डीआईजी रैंक में प्रमोशन मिलेगा. इसे लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग में तैयारी की जा रही है.

2006 बैच के इन 5 आईपीएस को आईजी रैंक में मिलेगा प्रमोशन : ए विजया लक्ष्मी, नरेंद्र कुमार सिंह, शैलेंद्र कुमार सिंह, सुदर्शन प्रसाद मंडल, माइकल राज एस.

2009 और 2010 बैच के 10 आईपीएस को डीआईजी रैंक में मिलेगा प्रमोशन : संजीव कुमार, सुरेन्द्र कुमार झा, चौथे मनोज रतन, कार्तिक एस, वाई एस रमेश, शैलेंद्र कुमार बर्णवाल, धनंजय कुमार सिंह, अश्विनी कुमार सिन्हा, नौशाद आलम अंसारी, संध्या रानी मेहता.

एसपी रैंक के अफसरों की संख्या तो बढ़ी, फिर भी कई पद खाली व प्रभार में : झारखंड में एसपी रैंक के अधिकारियों की संख्या बढ़ने के बाद भी एसपी स्तर के 11 पद खाली और प्रभार में हैं. बीते दिनों 24 डीएसपी रैंक के अधिकारियों को एसपी रैंक में प्रोन्नति मिली. जिसके बाद झारखंड में एसपी रैंक के अधिकारियों की संख्या बढ़ कर 90 हो गई. जिनमें 18 ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं. आठ एएसपी के पद पर हैं और 11 केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं.

टीएसपीसी के कमांडर की रिम्स में मौत

रांची/पलामू। पलामू सेंट्रल जेल में बंद टीएसपीसी के एरिया कमांडर किसलय सिंह की रिम्स में मौत होने की खबर है. किसलय सिंह पलामू के मनातू का रहने वाला था. बता दें कि किसलय सिंह पिछले कई दिनों से बीमार था. वह पैरालाइज्ड हो गया था. उसे बीपी की भी समस्या थी. तबीयत खराब होने के बाद उसे एमएमसीएच में भर्ती करवाया गया था, बाद में एमएमसीएच क डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया था. अब रिम्स में इलाज के क्रम में किसलय सिंह की मौत हो गयी है. किसलय पर टीएसपीसी के नक्सली होने का आरोप था. उस पर पलामू के मनातू थाना में केस (53/21) दर्ज था. इसी मामले में वह जेल गया था. मौत के बाद जेल प्रबंधन ने परिजनों को जानकारी दे दी है. किसलय कई महीनों से जेल में बंद था.

कदमा में वृद्ध ने फांसी लगा कर ली आत्महत्या

जमशेदपुर । जमशेदपुर के कदमा थाना अंतर्गत उलियान निवासी 60 वर्षीय दीपक रंजन पाल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के वक्त दीपक की पत्नी शादी समारोह में शामिल होने के लिए रिश्तेदार के घर रामजनम नगर गई थी. मंगलवार सुबह जब वो घर पहुंची तो पाया कि घर का दरवाजा अंदर से बंद है. दरवाजा लोहे का होने के कारण परिजन एसबेस्टस तोड़कर घर में घुसे तो पाया कि दीपक ने लोहे के पाइप के सहारे फांसी लगाई है. इसकी सूचना पुलिस को दी गई. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. परिजनों ने बताया कि दीपक कदमा बाजार में दर्जी की दुकान चलाता था. एक सड़क दुर्घटना में वह दिव्यांग हो गया था जिसके बाद से वह ट्राईसाइकिल पर चलता था.

जुआ खेलने वाले 9 पुलिस कर्मियों को एसएसपी ने किया सस्पेंड

- जुआ खेलते 14 पुलिसकर्मी समेत 20 लोग पकड़े गए थे

संवाददाता । रांची

रांची पुलिस लाइन में बीते शनिवार की देर रात को जुआ खेलते 14 पुलिसकर्मी समेत 20 लोग पकड़े गए थे. इस मामले में एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कार्रवाई करते हुए जिला बल के नौ पुलिसकर्मी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया. बाकी के अन्य पांच पुलिसकर्मी जैप के हैं. उनके खिलाफ कार्रवाई जैप के कमांडेंट करेंगे. इस मामले में एसएसपी ने बताया कि रांची जिला बल के नौ पुलिसकर्मी को सस्पेंड किया गया है.

पीआर बांड पर छोड़ दिया गया था : जुआ खेलते पकड़े गए पुलिसकर्मी समेत अन्य लोगों को गोंदा थाना से पीआर बांड पर छोड़ दिया गया था. बता दें कि इनके पास से करीब साढ़े तीन लाख रुपए भी बरामद हुए थे. जबकि पिछले तीन माह का अगर रिकॉर्ड देखें तो विभिन्न थाना क्षेत्रों में जुए के अड्डे पर छापेमारी की गई. इस दौरान पुलिस ने जुए के अड्डे से लाखों रुपए बरामद किए. 51 से ज्यादा जुआरियों को गिरफ्तार किया. इन जुआरियों को पुलिस ने जेल भी भेजा था. वहीं गोंदा थाना की टीम ने जिन पुलिसकर्मियों को जुआ खेलते पकड़ा तो उन पर सिर्फ जुआ अधिनियम की धारा 11 लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की. पकड़े गए सभी लोगों को थाना से बेल मिल गयी है.

सड़क हादसे में 15 वर्षीय किशोर की मौत

बलियापुर । भिखराजपुर भुईफोड़ हीरक रोड पलानी विद्या मंदिर के पास सोमवार देर रात हुई सड़क दुर्घटना में 15 वर्षीय किशोर देवेंद्र यादव की मौत हो गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया. उक्त किशोर पलानी निचितपुर के पास सड़क पार कर रहा था. इसी बीच एक अज्ञात वाहन ने कुचल दिया. जिससे घटना के तुरंत बाद लोगों ने उसे शहीद निर्मल महतो मेमोरियल अस्पताल धनबाद ले जाया गया. डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया. मृतक किशोर फकीराडीह गांव के किशोर गोप एवं रामचरण गोप का भगिना था. वह बचपन से ही अपने मामा के यहां रहकर पढ़ाई करता था. वह दसवीं कक्षा का छात्र था. निचितपुर कोचिंग सेंटर में पढ़ाई करता था. मृतक बोकारो जिला के चंद्रपुरा स्थित कुरूबा गांव निवासी भोलू यादव एवं उर्मिला देवी का बड़ा पुत्र था. घटना के बाद फकीराडीह एवं बोकारो के कुरूबा गांव में मातम है. पोस्टमार्टम के बाद शव को उनके परिजनों ने उनके पैतृक गांव ले जाया गया.

राजहंस पक्षी को पटककर मारने वाले को भेजा जेल

- दिलीप राय ने इसकी शिकायत 15 नवंबर को परसुडीह थाने में की थी

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के परसुडीह थाना अंतर्गत मकदमपुर में राजहंस पक्षी को पटककर मारने वाले ऋषभ श्रीवास्तव को पुलिस ने जेल भेज दिया है. मामले को वन विभाग ने भी संज्ञान में लिया है. राजहंस पक्षी को पालने वाले दिलीप राय ने इसकी शिकायत 15 नवंबर को परसुडीह थाने में की थी. परसुडीह थाने से मामले को रफा-दफा कर दिया गया था. इसकी जानकारी पशु प्रेमियों को मिलने पर सीसीटीवी फुटेज को वायरल करते हुए वन विभाग को इसकी सूचना दी गई थी. सूचना पर वन विभाग ने संज्ञान लेते हुए जांच शुरु की जिसके बाद परसुडीह पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया. रेंजर दिग्विजय सिंह ने बताया कि मामले की शिकायत की गई थी. राजहंस के शव का पोस्टमार्टम भी कराया गया है. फिलहाल आरोपी को जेल भेज दिया गया है.

नशे की हालत में दिया घटना को अंजान : ऋषभ ने वन विभाग को दिए बयान में बताया कि वह घटना के वक्त नशे की हालत में था. उसने अपनी गलती स्वीकार की है. इधर, वायरल फुटेज में ऋषभ की क्रूरता को साफ देखा जा सकता है. ऋषभ ने राजहंस के गर्दन को पकड़कर जमीन में तब तक पटकते रहा जब तक उसकी मौत नहीं हो गई. अंत में उसने राजहंस का नाले में फेंक दिया.

स्कूटी-बोलेरो में टक्कर आधे दर्जन से अधिक घायल, एक की मौत

गोड्डा/ पथरगामा । बोलेरो गाड़ी और स्कूटी की आमने-सामने हुई भिड़ंत में आधे दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई. घटना मोतिया ओपी थाना अंतर्गत खटनई मोड़ की है. स्कूटी सवार महिला शिल्पी कुमारी ग्राम हरिपुर गोड्डा मुफ्फसिल की निवासी शिल्पी कुमारी जो बांका (बिहार) में शिक्षिका के पद पर कार्यरत है. वो स्कूटी से स्कूल जा रही थी, जैसे ही खटनाई मोड़ के समीप पहुंची कि सामने से आ रही बोलेरो से टक्कर हो गई. जिसमें शिक्षिका बुरी तरह से घायल हो गई. जबकि बोलेरो भी अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई. बोलेरो में सवार सात लोग जख्मी हो गए जिसमें गोरेलाल भगत की स्थिति गंभीर बनी हुई है उन्हें तत्काल घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल गोड्डा ले जाया गया. बोलेरो पर सवार लोग बाराती थे जो माधोपुर बांका से शादी संपन्न करवा कर वापस सोनारचक पथरगामा की ओर लौट रहे थे.

पुलिस ने चोरी के मामले का किया खुलासा

अपराध की योजना बनाते 3 गिरफ्तार, हथियार बरामद

संवाददाता । कतरास

कतरास के ईस्ट बसुरिया ओपी की पुलिस ने अपराध की योजना बना रहे 3 युवकों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है, साथ ही चोरी के एक मामले का 24 घंटे में उद्भेदन करते हुए 2 आरोपियों को भी पकड़ने में कामयाब हुई है. उनके पास से चोरी गए सामान बरामद किए गए हैं. यह जानकारी बाघमारा डीएसपी निशा मुर्मू ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में दी. बताया कि सोमवार की रात ईस्ट बसुरिया पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि सेक्टर तीन के समीप तीन युवक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं. ओपी प्रभारी उपेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी कर तीनों को दबोच लिया. केंदुआडीह निवासी शुक्रा चौहान, आकाश नोनिया व ईस्ट बसुरिया के सुनील चौहान को एक लोडेड कट्टा के साथ पकड़ा. उनके पास से बिना नंबर की एक पल्सर बाइक जब्त कर ली गई है. इसके साथ ही पुलिस ने थाना क्षेत्र के बड़की बौआ सात नंबर निवासी वीरेंद्र यादव के घर में हुई चोरी मामले का 24 घंटे के अंदर उद्भेदन करते हुए दो युवकों राजा भुइयां व विकास बाउरी को गिरफ्तार कर लिया. दोनों ने चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है. उनकी निशानदेही पर चोरी गये दो मोटर, एक पंखा सहित घरेलू सामान बरामद किए गए हैं. प्रेसवार्ता में ईस्ट बसुरिया ओपी प्रभारी उपेंद्र कुमार भी शामिल थे.

रंजय सिंह हत्याकांड में मामा की हुई पेशी

धनबाद । झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह के करीबी रंजय सिंह ऊर्फ रवि रंजन सिंह की हत्या के आरोप में जेल में बंद बिहार के आरा निवासी नंद कुमार सिंह उर्फ बबलू उर्फ रूना सिंह उर्फ मामा को मंगलवार को धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया. जबकि हर्ष सिंह की ओर से अधिवक्ता ने प्रतिनिधित्व का आवेदन दिया था. अदालत ने अभियोजन को गवाह पेश करने का निर्देश दिया है. नंदकुमार सिंह फिलहाल रांची के होटवार जेल में बंद है. पांच नवंबर 2018 को सरायढेला थाना प्रभारी निरंजन तिवारी ने मामा को शूटर बताते हुए उसके विरुद्ध अदालत में चार्जशीट दायर की थी, जबकि चंदन शर्मा व हरेंद्र सिंह के विरुद्ध अनुसंधान जारी रखा है. ज्ञात हो कि रंजय सिंह उर्फ राजीव रंजन सिंह की हत्या 29 जनवरी 2017 की बिग बाजार के सामने चाणक्य नगर मोड़ पर गोली मारकर कर दी गई थी.

सफलता साइबर थाना की पुलिस ने सोमवार देर रात मुरलीडीह व घोषबाद गांव में की छापेमारी

आईफोन सहित 19 मोबाइल के साथ 5 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता । जामताड़ा

जामताड़ा साइबर थाना की पुलिस ने साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर सोमवार की देर रात करमाटांड़ थाना अंतर्गत मुरलीडीह व घोषबाद गांव में छापेमारी की. इस दरम्यान पुलिस ने पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया. जिसमें घोषबाद गांव निवासी रियाज अंसारी, मुरलीडीह गांव निवासी विदुर महतो, विशाल मंडल, जयंत विश्वास व अजय यादव शामिल है. इन सभी के पास से 19 मोबाइल, 34 सिम, 2 एटीएम, 2 सोना का चेन एवं 1 लॉकेट बरामद किया गया है. जिसमें एक आईफोन भी शामिल है. मंगलवार को एसपी अनिमेष नैथानी ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि गिरफ्तार साइबर आरोपियों में विशाल मंडल के विरूद्ध यह जानकारी मिली है कि वह जेल में बंद साइबर अपराधियों के परिजनों को सूद (ब्याज) पर उधार पैसा देता था. इसके बाद जेल से साइबर अपराधी के छूटते ही ब्याज सहित रकम की वापसी लेता था. वह मुरलीडीह व आसपास के इलाके में साइबर क्राइम को बढ़ावा देता था. कहा कि गिरफ्तार साइबर आरोपियों के खिलाफ जामताड़ा साइबर अपराध थाना कांड संख्या 64/23के तहत एवं आईटी एक्ट की धारा 66(बी) (सी) (डी) के अंतर्गत एफआईआर दर्ज किया गया है. कहा कि गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेजा जा रहा है. ये सभी आंध्र प्रदेश व मध्य प्रदेश के लोगों को साइबर ठगी के लिए फीशिंग कॉल किया करता था.

साइबर अपराधियों ने खाते से उड़ाए 5.5 लाख, शिकायत

संवाददाता । धनबाद

सिंदरी रांगामाटी के रहने वाले लखीराम टुडू ने मंगलवार को धनबाद साइबर थाने में खुद और परिजनों के बैंक खाते से साढ़े पांच लाख रुपये उड़ाने की शिकायत की है. थाने में दिए आवेदन में उसने कहा कि उसके माता-पिता और खुद उसका बैंक खाता एक ही मोबाइल नंबर से रजिस्टर्ड है. मोबाइल पर पिछले कुछ दिनों से बैंक खाते से संबंधित कोई मैसेज नहीं आ रहा था. इसी दौरान उसके बैंक खाते से तीन लाख बीस हजार रुपये, पिता के खाते से एक लाख सत्तर हजार और माता के खाते से 49 हजार रुपये की निकासी कर ली गई. हैरान करने वाली बात ये है कि इनमें से अधिकांश निकासी धनबाद के एक ही एटीएम से हुई है. बताया कि जब वह खाते को अपडेट कराने बैंक गया, तो रकम निकासी की जानकारी हुई. शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है.

पिकअप वैन से 3000 बोतल अवैध शराब की गयी बरामद

संवाददाता । रांची

अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ उत्पाद विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में शराब बरामद की है. गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने कांके थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित सुकुरहुटू के पास छापेमारी की. इस दौरान एक टाटा 407 पिकअप वाहन (रजिस्ट्रेशन संख्या जेएच-01-बीआर 5148) की तलाशी के क्रम में अवैध विदेशी शराब ओल्ड मोंक और ब्लैक टाइगर व्हिस्की का 3000 बॉटल जब्त की गयी. घटनास्थल से अभियुक्त वाहन से कूद कर भाग निकले, जिनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभियोग दर्ज किया गया है.

स्टेशन के मंदिर हटाने को लेकर रेलवे के नोटिस से जनाक्रोश

मां चंडी चाहेंगी तभी हटेगा मंदिर : पुजारी

संवाददाता।रांची

दुर्गा मंदिर, साउथ रेलवे कॉलोनी में 1964 से स्थानीय निवासियों के लिए आस्था का मुख्य केंद्र है. रेलवे की ओर से इसे हटाने का नोटिस देकर खाली करा लेना आसान नहीं है. मां चंडी जबतब नहीं चाहेंगी. इसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता. यह कहना है मंदिर के पुजारी नवन कुमार तिवारी का. उन्होंने बताया कि 26 नवंबर को मंदिर में रेलवे की ओर से नोटिस दिया गया. सोमवार को जब इस बाबत लोगों को जानकारी हुई तो महाजुटान हो गया. यदि कोइ मंदिर तोड़ना चाहेगा, भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा.

पवन का कहना है कि देशभर के रेलवे स्टेशन के पास मंदिर हैं. वहां रेलवे को किसी तरह की परेशानी नहीं आती. यहां मां का दरबार रह जाएगा तो कोई आफत नहीं आ जाएगी. श्रीश्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के डबलू झा ने बताया कि मंदिर स्थापना समय से ही लगातार समिति दुर्गा पूजा करती आ रही हैं. रेलवे कॉलोनी के लोग यहीं पूजा-अर्चना को आते हैं. मंदिर परिसर स्टेशन पुनर्विकास के क्षेत्र में नहीं आता है. शुरुआती सर्वे के दौरान ही मंदिर की 20 फीट जमीन छोड़ दी गयी है. डबलू ने बताया कि डीआरएम को गलत जानकारी देकर पत्र प्रेषित कराया गया है. सांसद संजय सेठ ने आश्वासन दिया है कि मंदिर को किसी भी हालत में नहीं हटया जाएगा. उन्हीं के आश्वासन के कारण आंदोलन की आग भड़की नहीं है. गोपाल राव, डबलू शर्मा, रामजी यादव, संजीव झा, संजीव सिंह, राकेश पांडेय ने बताया कि दुर्गा पूजा समिति नजर बनाये हुए हैं. यदि मंदिर को जबरन हटाने का प्रसास किया गया, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा.

खास बातें

- 1964 से आसपास के लोगों का आस्था का केंद्र है मंदिर
- रेलवे के फैसले पर स्थानीय लोगों ने किया विरोध

एसएससी ने जेडी के लिए निकाले 75 हजार फॉर्म

रांची (संवाददाता)। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है. एसएससी ने जीडी न्यू भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है. इस बार कुल 75 हजार से अधिक पदों को भरा जाएगा. आवेदन करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर तक है. इच्छुक और योग्य उम्मीदवार एसएससी की ऑफिसियल वेबसाइट ssc.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. कितने आवेदन भरे जाएंगे : इस भर्ती के तहत 75,768 पदों पर आवेदन भरे जाएंगे. जिसमें पुरुषों के लिए 67,364 पद और महिलाओं के लिए 8179 पद लिए हैं.

ये हैं भर्तियां

सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भारत-तिब्बत में कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) के पदों के लिए की जाएंगी. सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सचिवालय सुरक्षा बल (एसएसएफ), असम राइफल्स (एआर) में राइफलमैन (जनरल ड्यूटी) और एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) में सिपाही.

योग्यता

एसएससी जीडी कॉन्स्टेबल भर्ती में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से 10वीं पास होना जरूरी है.

आयु सीमा

एसएससी जीडी भर्ती 2023 के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम उम्र 18 साल और अधिकतम उम्र 23 साल होनी चाहिए .आयुसीमा में छूट सरकारी नियमों के मुताबिक दी जाएगी. इस प्रक्रिया के तहत सभी वर्ग के उम्मीदवारों को 100 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पराक्रम में वृद्धि होगी. गुरु के चलते भाई का सहयोग प्राप्त होगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. लाभ में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा. किसी का दिल दुख सकता है.

वृषभ विवाद हो सकता है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. धन का आगमन होगा. मान-सम्मान मिलेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. व्यापार लाभदायक रहेगा. निवेश शुभ रहेगा. नेत्र रोग से बचें. किसी अनाथालय में अन्न का दान करें.

मिथुन दिल दिमाग में कुछ गलत भावना भी उत्पन्न होगी. व्यापार लाभदायक रहेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा. मानसिक बेचैनी रहेगी. सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा.

कर्क स्वयं या कुटुम्ब पर खर्च अधिक होगा. यात्रा का भी मन बनेगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. समय की अनुकूलता का लाभ लें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. दुर्गा माता को लाल फूल का अर्पण करें.

सिंह किसी बाहरी स्रोत से कुछ आय होगी. साथ ही कोई नया आय का मार्ग मिलेगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. प्रसन्नता में वृद्धि होगी.

कन्या कन्या : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है. विवाद के बढ़ावा न दें. बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें. किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है. मेहनत अधिक होगी. शनि को खुश करें. काला वस्तु का दान करें.

तुला धार्मिक यात्रा का योग बन रहा है. भोग विलास से दूर रहें. धर्म में मन लगेगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं. चिंता तथा तनाव रहेंगे. बेकार की बातों की तरफ ध्यान न दें.

वृश्चिक समय सामान्य है. फालतू खर्च होगा. अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं. परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा. व्यवसाय ठीक चलेगा.

धनु जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का योग है. कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा.

मकर आय में वृद्धि होगी. लाभ में वृद्धि होगी. कारोबार में वृद्धि होगी. शेयर मार्केट से लाभ होगा. आपके व्यवहार से व्यापार ठीक चलेगा. आपके प्रभाव से नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें.

कुंभ संतान को लाभ होगा. कार्य और व्यापार लाभदायक रहेगा. कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है. नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं. कार्यसिद्धि होगी. कोई अच्छा कार्य होगा, जिससे प्रसन्नता में वृद्धि होगी. मान-सम्मान मिलेगा.

मीन बेरोजगारी को दूर करने का प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा लाभदायक रहेगी, पर आज बचें. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा. समय अनुकूल है. माता का सेवा करें.

'महात्मा फुले के विचार आज भी प्रासंगिक'

रांची। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रपिता ज्योतिबा फुले महाराज की पुण्य स्मृति पर मोर्चा अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. उन्होंने कहा कि महात्मा फुले के विचार आज भी समाज का मार्गदर्शन करते हैं. मौके पर प्रदेश सचिव अजय मेहता, हजारीबाग जिला अध्यक्ष जितेश्वर प्रसाद मेहता, महिला मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष रेणु कुमारी, कविता कुमारी, भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, शशि भूषण प्रसाद आदि मौजूद रहे.

समापन : अंतिम दिन लोक कलाकारों का रहा जलवा

धर्म सम्मेलन में सभ्यता व संस्कृति बचाने पर जोर

संवाददाता।रांची

लुगुबुरु घांटाबाडी धोरोमगाढ़ में आयोजित संथाल सरना 23वां दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय धर्म महासम्मेलन मंगलवार को सम्पन्न हो गया. सोमवार को रातभर आदिवासियों के इस धर्म महासम्मेलन में कलाकारों ने लोक गीत, नृत्य से सबका मनोरंजन किया. वहीं धर्म गुरुओं ने आदिवासियों के संपूर्ण विकास के लिए सरना धर्म कोड, ओलचिकी भाषा, धर्म, सभ्यता-संस्कृति के विकास पर चर्चा की. गोड्डा से आये धर्म गुरु सुनील हेम्ब्रम, पश्चिम बंगाल के लोवा मुर्मू, ओडिशा के सोनाराम सोरेन, रांची के प्रोफेसर आनंद सोरेन, रामकृष्ण सोरेन सहित अन्य धर्म गुरुओं ने प्रवचन देते हुए विशेष रूप से अपनी सभ्यता-संस्कृति से जुड़े रहने का आह्वान किया.

धर्म गुरुओं ने ओलचिकी लिपि के विकास, विस्तार पर बल देते हुए उसके संरक्षण पर जोर दिया. सामाजिक जागरूकता अभियान चलाकर ओलचिकी भाषा के जन्मदाता पंडित रघुनाथ मुर्मू के सपनों को साकार करने पर बल दिया. कहा कि लुगुबुरु घांटाबाडी धोरोमगाढ़ संथालियों का सबसे बड़ा और पवित्र धर्मस्थल है. देश विदेश में रहने वाले तमाम संथाल आदिवासियों के सभी धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक तथा जीवन से मरण तक के सभी कर्मकांडों की जड़ें यहीं से जुड़ी हैं.

ओडिशा से आये धर्म गुरु सोनाराम सोरेन ने सरना धर्म महासम्मेलन के समापन समारोह में उपस्थित संथालियों को प्राकृतिक संपदाओं की बात कही. उन्होंने कहा कि आदिवासी कभी भी प्राकृतिक संपदाओं को नष्ट नहीं करता है, बल्कि हमेशा उसकी रक्षा करता है. संथाल आदिवासी प्रकृति के पुजारी हैं. जल, जंगल, जमीन, पेड़, पहाड़, पर्वत की रक्षा करना संथालियों का कर्तव्य है. कहा कि संथाली भाषा प्रकृति से निकली है. यह सभी भाषाओं की जननी है. वहीं बीएन मुर्मू, सिकंदर हेम्ब्रम, सरजन हांसदा, सोमाय टुडू, रॉयल हांसदा, शिवचरण सोरेन, दुर्गा मांझी आदि गुरुओं ने अपनी धर्म, भाषा, सभ्यता, संस्कृति पर विस्तार से चर्चा करते हुए उसे संरक्षित करने की बात कही.

अंतरराष्ट्रीय संथाल सरना धर्म महासम्मेलन में पहुंची पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा से आयी महिला श्रद्धालु की मौत सोमवार की रात हो गयी. जिसके शव को मंगलवार को गोमिया थाना में कागजी प्रक्रिया पूरी कर अनुमंडलीय अस्पताल तेनुघाट भेज दिया गया. मृत महिला का नाम 65 वर्षीय बासुली हांसदा के रूप में हुई है. वह बांकुड़ा जिले के हिडबांध थाना क्षेत्र के ग्राम मैतीबांध की रहने वाली बतायी जा रही है.

घटना के संबंध में बासुली हांसदा की पुत्री सुमित्रा हांसदा ने बताया कि 26 नवंबर को बांकुड़ा से 60 श्रद्धालुओं का जत्था एक बस में सवार होकर ललपनिया लुगुबुरु घांटाबाडी धोरोमगाढ़ आया था. दूसरे दिन श्रद्धालुओं के जत्थे के साथ बासुली हांसदा लुगू पहाड़ की चढ़ाई की.

वृंदावन में जुटेंगे देश भर के साहित्यकार

संवाददाता।रांची

आनेवाले 1 से 3 दिसंबर तक देशभर के रचनाकारों का वृंदावन में महाकुंभ होगा. साहित्योदय द्वारा वात्सल्य ग्राम में दो दिवसीय श्रीबांकेबिहारी अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव कृष्णायण का आयोजन किया गया है, जिसका उद्घाटन वात्सल्य ग्राम की अधिष्ठात्री और प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु साध्वी ऋतम्भरा करेंगी जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा जी करेंगे.

स्वागताध्यक्ष डॉ बुद्धिनाथ मिश्र होंगे जबकि पूरे कार्यक्रम का संयोजन साहित्योदय के संस्थापक अध्यक्ष और कृष्णायण के मुख्य सम्पादक कवि पंकज प्रियम करेंगे. तीन दिवसीय साहित्योत्सव के उद्घाटन सत्र में 1 दिसम्बर को कृष्णायण सहित अन्य पुस्तकों का विमोचन होगा.. फिर देश-विदेश से आये करीब डेढ़ सौ कवियों द्वारा 11 घण्टे से अधिक समय तक अखण्ड काव्यार्चन किया जाएगा. संध्या बेला में नृत्य-संगीत कार्यक्रम और विशेष आमन्त्रित कवियों का काव्यपाठ होगा. जिसमें डॉ बुद्धिनाथ मिश्र के अलावा डॉ विष्णु सक्सेना, डॉ सोम ठाकुर, अजय अंजाम, बेबाक़ जौनपुरी समेत कई मूर्धन्य हस्ताक्षर शामिल होंगे. दूसरे दिन हिंदी और सनातन साहित्य संस्कृति के उत्थान पर कार्यशाला के बाद सभी को सम्मानित किया जाएगा. तीसरे दिन सभी रचनाकारों को ब्रज भूमि दर्शन भ्रमण का कार्यक्रम है. दीदी मां इस आयोजन को लेकर काफी उत्साहित हैं और उन्होंने इसके लिए साहित्योदय का आभार प्रकट किया है. वही श्री सिन्हा ने इस आयोजन को ईश्वरीय वरदान माना है.

लालपुर में स्वास्थ्य शिविर 1 दिसंबर को

रांची। मेदांता हॉस्पिटल, रांची और कॉसमॉस यूथ क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 1 दिसंबर 2023 को पूर्वाह्न 11:00 से 2:00 तक लालपुर स्थित कॉसमॉस यूथ क्लब के परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा. यह जानकारी संस्था के संस्थापक देवाशीष राय तथा टी-सीरीज की गायिका और समाज सेविका सागरिका सरकार ने दी है. उन्होंने बताया कि उक्त शिविर में छाती में दर्द, सांस फूलना, दिल में घबराहट, जी मचलना तथा नाक, कान और गले की समस्या के लिए निःशुल्क जांच की जाएगी. परामर्श के लिए 9905503997 पर संपर्क करें.

अंजुमन तरक्की उर्दू की एडहॉक कमेटी गठित, खुर्शीद बने अध्यक्ष

संवाददाता।रांची

अंजुमन तरक्की उर्दू झारखंड की बैठक पिठोरिया स्थित वरिष्ठ पत्रकार खुर्शीद परवेज सिद्दीकी के दौलत कुदा में हुई. मौके पर अंजुमन तरक्की उर्दू झारखंड के अध्यक्ष प्रो. अबुजर उस्मानी के निधन पर दुख एवं शोक व्यक्त करते हुए शोक प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई. अध्यक्षता हल्का अदब के अध्यक्ष उजैर हमजा ने की. सर्वसम्मति से पत्रकार खुर्शीद परवेज सिद्दीकी अध्यक्ष बनाये गये. मौके पर उन्होंने कहा कि सभी उर्दू प्रेमियों को आपसी एकता और आम सहमति से उर्दू के लिए काम करना चाहिए. संचालन सोहेल सईद ने किया. कमेटी में संरक्षक अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान, उपाध्यक्ष इंजीनियर शाहनवाज खान, डॉ अनवर इराज, महासचिव वकील रिजवी, संयुक्त सचिव सोहेल सईद, डॉ आलमगीर साहिल, कोषाध्यक्ष मो रहमतुल्लाह, कार्यकारिणी सदस्यों में शाहनवाज अहमद खान, पूर्व उप श्रमायुक्त हजारीबाग, डॉ चांद निजामी, सैयद उजैर हमजा, डॉ रियाज अहमद, डॉ खालिद सज्जाद, गौस इब्न रशीद शामिल हैं.

सीयूजे में शोध कार्यशाला शुरू

संवाददाता।रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में मंगलवार को वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग एवं आइसीएसएसआर नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का शुभारंभ हुआ. 8 दिसंबर तक चलने वाली इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों आइआइटी, आइआइएम, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के विषय विशेषज्ञ व्याख्यान द्वारा योगदान देंगे. इसमें आइआइटी, एनआइटी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधार्थी भी भाग ले रहे हैं. कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षितिज भूषण दास के द्वारा किया गया. उन्होंने नई शिक्षा नीति एवं शोध के संदर्भ मे अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि शोध किसी भी उच्च संस्थान का रीढ़ होता है, इसीलिए नई शिक्षा नीति में उच्च संस्थानों में शोध पर अधिक जोर दिया गया है.

ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे को लेकर हुई बैठक

रांची। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने मंगलवार को समाहरणालय में ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे 2023 के सफलता के लिए जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की. ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे के लिए 313 स्कूल एवं 8230 बच्चे कक्षा 1 एवं 2 में अध्ययनरत चयनित हैं जिसमें सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालय शामिल हैं. कुल 18 टीमों के द्वारा सभी चयनित स्कूलों में 8230 बच्चों की जांच एफटीएस कीट से की जानी है. सभी चयनित स्कूलों में जाँच हेतु अभिभावकों की अनुमति प्रदान करने के लिए सहमति पत्र दिया जाएगा. जांचोपरांत बच्चों को बिस्किट एवं केक भी दिया जाना है. जांचोपरांत धनात्मक पाये गये बच्चों को मानक के अनुसार दवाईयां दी जायेगी। उक्त गतिविधि के लिए प्रत्येक केन्द्रों में रैपिड रिस्पॉन्स टीम का गठन किया गया हैं.

आदिम जनजाति समुदाय परिवार तक पहुंचे निर्वाचन अफसर-कर्मी

छूटी हुई जनजातियों का पंजीकरण

विशेष संवाददाता।रांची

कोई वोटर अपने मतदाधिकार के अधिकार से वंचित न हो इसको लेकर निर्वाचन अफसर और कर्मी पूरे राज्य में आदिम जनजाति परिवारों तक पहुंचे. विशेष अभियान चलाकर मतदाताओं का पंजीकरण किया गया. राज्य में विभिन्न जिलों निवास कर रहे आदिम जनजातियों में से बिरहोर, सबर, असुर, पहाड़िया आदि समुदाय की बस्तियों में निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों एवं बूथ स्तरीय कर्मियों ने विशेष शिविर लगाकर मतदाता पंजीकरण अभियान चलाया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश पर मुख्यालय रांची से भी अधिकारियों ने क्षेत्र जाकर इन शिविरों में भाग लिया. इन इलाक़ों के जो मतदाता पंजीकृत नहीं थे और उनका नाम छूटा हुआ था, उनका मौके पर ही ऑनलाइन फॉर्म 6 भरवा दिया गया. इस दौरान ईआरओ, एईआरओ, कुछ पंचायतों के मुखिया, पंचायत सेवक, सुपरवाइजर, बीएलओ आदि भी मौजूद रहे.

मतदाताओं को दिया गया गुलाब : कुछ स्थानों पर मतदाताओं का सम्मान भी किया गया. आदिम जनजातीय बस्तियों के जिन युवक युवतियों को हाल ही में मतदाता सूची से जोड़ा गया है, उनको अधिकारियों ने गुलाब देकर स्वागत किया.

29 को बेघरों के लिए, 30 को बुजुर्गों के लिए अभियान : आदिम जनजातियों के लिए एकदिवसीय विशेष अभियान चलाने के उपरांत 29 नवंबर बुधवार को राज्य के उन लोगों का सर्वे करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा जो गृह विहीन है.

नवमी महोत्सव श्रीराणी सती मंदिर कमेटी का मंगसीर बदी महोत्सव तीन दिसंबर से

निकाली जाएगी भव्य शोभायात्रा, बहेगी भक्ति की धारा

संवाददाता।रांची

श्रीराणी सती मंदिर कमेटी मंगसीर बदी नवमी महोत्सव धूमधाम से मनायेगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. चार दिनी महोत्सव की शुरुआत तीन दिसंबर से होगी. महोत्सव के लिए मंदिर में श्रीदादी की मनोहारी झांकी बनायी जा रही है. साज-सज्जा का काम तेजी से चल रहा है. श्रीदादी का दरबार जहां श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा, वहीं मनोहारी झांकी और म्यूजिकल फाउंटेन का लुभावना नजारा देखते ही बनेगा. अध्यक्ष सतीश तुलस्यान, महोत्सव संयोजक चंद्रकांत झुनझुनवाला, मंत्री गजानंद अग्रवाल कमल खेतावत, रतन जालान, श्रवण जालान आदि महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर जोर-शोर से लगे हैं.

कब क्या होगा

तीन दिसंबर जल संचय, गणेश पूजन, ध्वज पूजन और हवन, **चार दिसंबर** शोभायात्रा, **पांच दिसंबर** अखंड ज्योत, मंगला पाठ, सुंदरकांड पाठ, भजन-संकीर्तन, चुनड़ी उत्सव, अष्टमी जागरण, **छह दिसंबर** मंगला आरती, शृंगार, पूजन और छप्पन भोग, नवमी कीर्तन और समापन आरती के साथ चार दिनी महोत्सव संपन्न हो जाएगा.

श्रीमद्भागवत गीता सत्संग समारोह कल से

रांची। लक्ष्मीनगर, पिस्का मोड़ में 30 नवंबर से श्रीमद्भागवत गीता सत्संग समारोह का खास आयोजन किया जा रहा है. इसमें मुंबई से आये कथावाचक अचिंत्य चक्र दास जी प्रवचनामृत की धारा बहायेंगे. श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और भगवान की बाल लीला आदि का सुंदर चित्रण कर भक्ति की अविरल धारा बहायेंगे. आयोजक रामजतन शर्मा और पंकज लाल ने बताया कि पांच दिनी सत्संग की शुरुआत कलश शोभायात्रा से होगी. इसके बाद नित्य चार दिसंबर तक शाम साढ़े चार से साढ़े सात बजे तक सत्संग चलेगा. रामजतन ने बताया कि आशीर्वचन प्रदान करने के लिए महाराज जी रांची पधार चुके हैं. भक्तजन मंगलवार को यहां पहुंचने पर हटिया रेलवे स्टेशन में उनका भव्य स्वागत किया. अचिंत्यचक्र दास जी की अगुवाइ करते हुए आयोजन स्थल तक साथ आये. रामचंद्र प्रभु, अरूणदेव प्रभु, रंजन अग्रवाल, रामरतन शर्मा,ओमप्रकाश वर्णवाल, रामजतन शर्मा, अंशुमन चौधरी पंकज लाल, रामराज्य दास आदि ने उनका स्वागत किया.

आदर्श मध्य विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर लगा

रांची। राजकीयकृत आदर्श मध्य विद्यालय पंडरा में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. मौके पर 75 बच्चों की जांच की गयी. इनमें से 65 बच्चे फाइलेरिया निगेटिव पाए गए. जबकि 10 बच्चों में फाइलेरिया के लक्षण मिले हैं. बता दें की राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिला स्वास्थ्य विभाग एवं जिला वेक्टर बोर्न डिजीज अधिकारी के सौजन्य से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. इस जांच शिविर में वीबीडी कंसल्टेंट राजकुमारी विद्योतमा, मल्टीटास्किंग स्टाफ हीरालाल रजवार, अखिलेश शर्मा, लैब टेक्नीशियन मनोज कुमार महतो, एमपीडब्लू कर्मी इनामुल हक, शिक्षिका कमल कुमारी, मरसा पूर्ति, अशोक प्रसाद सिंह समेत अन्य मौजूद रहे.

श्याम मंदिर में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पाठ

संवाददाता।रांची

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 78 वां सुंदरकांड तथा हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का आयोजन श्री श्याम मित्र मंडल ने किया था. सुनील मोदी, आशा मोदी, बलराम मोदी तथा शिखा मोदी ने हनुमान जी महाराज की दिव्य अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करके केसरिया पेड़ा गुड़ चना संतरा फल का प्रसाद अर्पित कर परिवार के लिए खुशहाली की प्रार्थना की. मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन कराया. श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद की सेवा, संदीप कुमार गुप्ता अंशु गुप्ता ने पंचमेवा भोग सेवन निवेदित की. पाठ वाचक मनीष सारस्वत तथा ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ पाठ प्रारंभ किया. पाठ के समापन के बाद श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय संकीर्तन करके महाआरती की गई.

शनिवार को श्री श्याम भंडारा : हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 2 दिसंबर को 89 वां श्री श्याम भंडारा होगा। यह जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी.

पलामू

हुसैनाबाद प्रखंड के देवरी कला में लगा शिविर, कुल 20 स्टॉल लगाए गए थे

पलामू जिले सदर प्रखंड और हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत देवरी कला में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में कुल 20 स्टाल लगाए गए. सभी स्टॉलों पर पंजीकरण का कार्य किया गया. इस शिविर में सबसे ज्यादा अबुआ आवास के लिए आवेदन किया गया. वहीं इस शिविर से कुछ लोग संतुष्ट दिखे तो कुछ लोग असंतुष्ट भी दिखे. कुछ लोगों ने कहा कि पिछले वर्ष भी इस तरह के कार्यक्रम में हमने अपना आवेदन दिया था. लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हो सकी है. वहीं कुछ लोगों ने कहा कि इस कार्यक्रम में हमने जो आवेदन दिया था. वहीं मुझे एसएमएस के द्वारा मेरी आवेदन के पंजीयन की सूचना दी गई. वहां कई तरह की तस्वीरें दिखीं. आवास के लिए आए लोगों की भीड़ थी. लोग आवेदन फार्म भरकर लाइन में खड़े रहे. इस कार्यक्रम में एक ऐसा भी मामला आया जिसमें आवेदक को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. वह थे धीरेंद्र कुमार चौधरी. बताया कि उनकी पत्नी 12 साल पूर्व कहीं चली गई है. इनको आवास के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि आप पहले पत्नी को ढूंढ लें तभी आपको वह आवास मिलेगा. अब देखना यह है कि धीरेंद्र कुमार कब तक अपने लिए नई पत्नी ढूंढते हैं और इनको आपकी सरकार आपके द्वार में आयोजित आवास का लाभ कब मिलता है.

जमशेदपुर

बिना दौड़ भाग किये अपनी पंचायत में योजना का लाभ मिलने से लोग काफी उत्साहित हैं

▪ लक्ष्मी देवी

▪ विश्वनाथ राय

▪ अंजली मार्डी

जमशेदपुर प्रखंड अंतर्गत हरहरगुट्टू की रहने वाली लक्ष्मी देवी वृद्धावस्था पेंशन के लिए विगत एक सालों से जमशेदपुर अंचल एवं प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा रही है. हालांकि दो दिनों पहले प्रखंड मुख्यालय में आयोजित हुए आपकी योजना आपकी सरकार के शिविर में भी महिला अपनी गुहार लेकर पहुंची थी. लेकिन वहां भी उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका. सम्बंधित पदाधिकारियों ने उन्हें बिना समाधान के वापस भेज दिया. महिला के अनुसार उन्हें हर बार अलग-अलग कारण बताकर वापस भेज दिया जाता है. वहीं किताडीह के विश्वनाथ राय भी वृद्धा पेंशन के लिए कई दिनों से सरकारी कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं. आपकी योजना-आपकी सरकार कार्यक्रम में पहुंच कर वे भी गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उनका काम नहीं हुआ. विश्वनाथ के अनुसार उन्होंने इससे पहले कई बार प्रखंड कार्यालय में आकर समस्या को रखा है. परंतु आज तक सुनवाई नहीं हुई. कभी उन्हें बैंक भेजा जाता है. कभी कहीं और. अब तो उन्होंने ये आस भी छोड़ दिया है कि उन्हें पेंशन मिलेगा. वहीं बहरागोड़ा प्रखंड के चिंगडा पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित पंचायत स्तरीय शिविर में मूकबधिर अंजली मार्डी का ऑन द स्पॉट दिव्यांग पेंशन स्वीकृत किया गया. अंजली मार्डी के भाई ने बहन के लिए पेंशन स्वीकृत होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बिना दौड़ भाग किये अपने पंचायत में ही योजना का लाभ मिलने से काफी खुशी महसूस हुई. उन्होंने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया. वहीं इस मामले पर जमशेदपुर प्रखंड के बीडीओ सच्चिदानंद महतो ने बताया कि तीन दिनों में अब तक कुल 1052 आवेदन आये है. 457 आवेदन पेंडिंग हैं और बचे हुए आवेदन प्रक्रिया में हैं. 47 प्रतिशत मामलों का निष्पादन हुआ है. मंगलवार शाम तीन बजे तक अबुआ आवास के लिए 44 आवेदन, मनरेगा के लिए 52, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 4, धोती-साड़ी योजना में 6, राजस्व विभाग में 4 आवेदन आए. वहीं श्रम विभाग में कोई आवेदन नहीं आए. साथ ही फूलो झानो योजना के तहत एक लाभुक को 10 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया.

आदित्यपुर

कार्यक्रम का निगम क्षेत्र में प्रचार-प्रसार नहीं होने से ज्यादा लोगों को नहीं मिल रहा फायदा

▪ पूर्व पार्षद सिद्धनाथ सिंह

▪ देव प्रकाश देवता

▪ देवाशीष प्रधान

आदित्यपुर में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के प्रति लोगों की रूचि बढ़ रही है. इसे लेकर लोग गंभीर भी हैं. लोग समय पर शिविर में पहुंच भी रहे हैं और अपनी समस्याओं को रख रहे हैं. हालांकि पूरा प्रचार नहीं होने से कई लोग वंचित भी रह रहे हैं. उन्हें पूरी जानकारी नहीं है. सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर आदित्यपुर नगर निगम के पूर्व पार्षद सिद्धनाथ सिंह कहते हैं कि हेमंत सोरेन की सोच अच्छी है लेकिन सरकार आपके द्वार योजना का निगम क्षेत्र में प्रचार प्रसार नहीं होने से ज्यादा लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है. उन्होंने कहा कि उनके वार्ड में शिविर लगाया गया है. लेकिन अपेक्षाकृत लोग इसमें नहीं पहुंचे जबकि राशनकार्ड की मांग करनेवाले, पेंशन की मांग करने वाले उनके वार्ड में ज्यादा हैं. उन्होंने नगर निगम प्रशासक से इसकी मांग की कि लाउडस्पीकर से क्षेत्र में माइकिंग कराएं ताकि लोगों को इस योजना की जानकारी मिल सके और वे इसका भरपूर लाभ ले सकें. वहीं प्रदेश सचिव राजद देव प्रकाश देवता ने कहा कि इंडिया गठबंधन सरकार की यह अच्छी पहल है. इसका लाभ लोग ले रहे हैं. हां यह बात जरूर है कि इस बार के अभियान का ढंग से प्रचार प्रसार नहीं हुआ है. जिम्मेदार अधिकारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए. चूंकि यह अभियान वैसे लोगों के लिए है जो कार्यालय का चक्कर नहीं लगा पाते हैं. जिसकी वजह से वे सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं. हमने की. लोगों को आवेदन लिखकर शिविर में भेजा भी है. इस पर नगर निगम के सिटी मैनेजर देवाशीष प्रधान कहते हैं कि अब तक तीन दिन के शिविर में 140 आवेदन मिले हैं. जिसे संबंधित विभाग को भेज दिया गया है. अधिकतर आवेदन पेंशन और राशन कार्ड से संबंधित थे. जिसे गम्हरिया अंचलाधिकारी के कार्यालय में भेज दिया गया है. कुछ आवेदन सड़क और नाली निर्माण तथा गड्ढे को लेकर भी मिले हैं. जिसे प्रशासक के यहां भेज दिया है. जैसे ही योजनाओं को लेकर बैठक होगी सारी योजनाओं को सूचीबद्ध कर उसका निष्पादन कर दिया जाएगा.

पहले जहां लोग अपने काम के लिए सरकार के दरवाजे तक जाते थे, वहीं अब सरकार ही लोगों के पास पहुंच रही है. लोगों के पास जाकर उसकी समस्याओं का समाधान करना ही हेमंत सरकार के सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का लक्ष्य है. इसी के तहत 24 नवंबर से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शुरू किया गया जो 26 दिसंबर तक चलेगा. इसमें राज्य के सभी पंचायत में शिविर लगाकर लोगों से आवेदन लिए जा रहे हैं. उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है और योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है. इस कार्यक्रम सफलता को देखते हुए हेमंत सरकार ने इसके तीसरे चरण की शुरुआत साहिबगंज के बरहेट से की. इसी के साथ उन्होंने प्रदेश के विकास की न सिर्फ रूपरेखा पेश की, बल्कि लोगों के सामने अपने किये वादों को जमीन पर उतारने का काम भी शुरू कर दिया. इस दौरान मुख्यमंत्री ने 212 करोड़ 91 लाख की 891 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया. इसमें 62 करोड़ 97 लाख रुपये की 746 योजनाओं का उद्घाटन और 149 करोड़ 94 लाख रुपए की 145 योजनाओं की आधारशिला रखी गई. वहीं, 3 लाख 97 हज़ार 330 लाभुकों के बीच 2 अरब 98 करोड़ 27 लाख रुपये की परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया. सीएम ने कहा कि आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान का पिछला दो चरण काफी सफल रहा था. इस दौरान लाखों आवेदन मिले. जिनका निपटारा करने के साथ लोगों को सरकार की योजनाओं से जोड़ा गया. इन दो अभियानों की सफलता के बाद हमारी सरकार ने फिर से इसे शुरू करने का निर्णय लिया. इस अवसर पर जिन महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं से लाभुकों को जोड़ा गया. उसमें सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के 1152, पीएम आवास योजना के 6812, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के 2034, साईकल वितरण योजना के 6978, विभिन्न पेंशन योजना के 137293, प्री मैट्रिक छात्रवृति योजना के 115962, केसीसी के 1692 और सोना सोबरन धोती साड़ी योजना के 27976 लाभुक हैं. इसके अलावा अबुआ आवास योजना, अबुआ वीर दिशोम योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना तथा मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना समेत कई और योजनाओं से लाभुकों को जोड़ा गया. बता दें कि इस कार्यक्रम को लेकर लोगों में उत्साह है. लोग प्रखंड कार्यालय में पहुंचकर अपनी समस्याओं से अवगत करा रहे हैं. वहां समस्याओं का समाधान भी हो रहा है. क्या है इस कार्यक्रम की वास्तविक रिपोर्ट इसे जानने शुभम संदेश की टीम लोगों के बीच पहुंची और बातचीत कर तैयार की रिपोर्ट...

- सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के पहले दो चरण बने थे खबरों की सुर्खियां
- इस बार यह कार्यक्रम 24 नवंबर से 26 दिसंबर तक चलेगा
- बरहेट में 397330 लाभुकों में परिसंपत्तियों का वितरण किया गया
- बरहेट में सीएम ने 6297 लाख रुपये की योजनाओं का उद्घाटन किया

सरकार पहुंची जनता के द्वार

रामगढ़

योजना का लाभ लेने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं

सरकार आपके द्वार शिविर का लाभ लेने के लिए भारी संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल तक पहुंच रहे हैं. जिले में मंगलवार को शिविर का चौथा दिन था. जिले के अलग-अलग प्रखंडों में आयोजित शिविर के दौरान अब तक चार दिनों में 11089 सरकार के विभिन्न योजनाओं के लाभ व अपने विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन लोगों द्वारा दिए गए हैं. जबकि योजनाओं का लाभ अथवा उनकी समस्याओं का निष्पादन शिविर के दौरान अब तक 1113 आवेदनों को ही निष्पादित किया गया है. 9976 आवेदनों की निष्पादित करना बाकी है. शिविर में पहुंची दीपा कुमारी बताती हैं कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत 5000 की स्वीकृति पत्र दिया गया. दीपा कुमारी इंटर कॉलेज चितरपुर कक्षा 12वीं की छात्रा है. इनकी माता गृहणी हैं. दीपा बताती हैं कि शिविर में पहुंचने के बाद सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की जानकारी प्राप्त हुई. आवेदन देने के बाद अधिकारियों एवं कर्मियों ने त्वरित रूप से कार्य करते हुए इस योजना के तहत 5000 की राशि का स्वीकृति पत्र दिया. कहा कि जब से उसके पिता की मृत्यु हुई उसी समय से उनके परिवार की स्थिति दयनीय हो गई. जिस कारण उन्हें पढ़ाई में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. लेकिन अब सरकार की इस सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से मिली सहायता राशि से अपने आगे की पढ़ाई जारी रखेंगी.

गोड्डा

शिविर में पहुंची दर्जनों महिलाओं ने बताया- उनके घरों में आज तक शौचालय नहीं बन पाया

राज्य सरकार की बहुप्रचारित योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम इन दिनों जोरशोर से चल रहा है. हर जगह लोगों की भीड़ जुट रही है. इसी क्रम में महगामा प्रखंड के धर्मोडीह पंचायत शिविर लगाया गया था. का जितना प्रचार प्रसार किया जा रहा है उसका सरजमीं पर कोई सीधा प्रभाव तो नहीं दिखता है. यहां भी घर से लोग आए. किसी को अबुवा आवास योजना तो किसी को किसान क्रेडिट कार्ड तो किसी को आय प्रमाण पत्र तो किसी को जाति प्रमाण पत्र बनवाना था. सभी लोग अपना आवेदन फार्म लेकर खड़े रहे. इसमें कुछ का काम हुआ तो कुछ का काम अधर में लटका रहा. जिनका काम हुआ वे काफी प्रसन्न थे. उन्होंने सरकार के इस पहल की सराहना की. कहा कि सरकार ने लोगों की भलाई के लिए अच्छा कदम उठाया है. लेकिन ऐसे लोग भी थे, जिनका काम नहीं हो सका. कुछ लोगों ने कहा कि भीड़ जुटाने का कार्य भी किया जाता है. इसमें बिचौलिये सक्रिय रहते हैं. इससे जरूरतमंदों को लाभ नहीं मिल पाता है. कहा कि जो काम ऑफिस में बाबुओं को पहले ही कर देना था उस काम को लटका कर उसे शिविर के दिन निष्पादन दिखा कर संख्या गिनाया जाता है. शिविर में आने वाले कुछ ग्रामीण ऐसे थे, जिन्हें यह मालूम नहीं था कि उन्हें क्यों बुलाया गया है. बताया कि ग्रामीणों को लाभ मिलने की बात कहकर बुलाया जाता है. किसी को कंबल देने के बहाने तो किसी का वृद्धा पेंशन स्वीकृत कराने की बात कहकर बुलाया जाता है. घंटो इंतजार के बाद भी उन्हें कुछ नहीं मिलता है. शिविर में पहुंची दर्जनों महिलाओं ने एक स्वर में बताया कि उनके घरों में आज तक शौचालय नहीं बन पाया है. घर में शौचालय नहीं रहने के कारण सभी महिलाएं को शौच के लिए खेत में जाना पड़ता है. इसी प्रकार गुरु शिक्षा क्रेडिट कार्ड के बारे में कई छात्रों ने शिविर में ही विरोध जताया. छात्रों का कहना था कि जब इसका लाभ ही नहीं दिया जा रहा है जबकि पोस्टर टांग कर रखा गया है. हालांकि अबुवा आवास योजना का लाभ लेने के लिए सर्वाधिक भीड़ पहुंचती है. लोगों को आवास मिलता है. महगामा के प्रभारी बीडीओ खगेंद्र महतो का कहना था कि गुरु क्रेडिट योजना का सूचना देने के लिए बोर्ड लगाया गया है.

चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम में आयोजित शिविर में कहीं थी सुविधा तो कहीं लोग थे परेशान

पश्चिमी सिंहभूम में पिछले चार दिनों से शिविर आयोजित किया जा रहा है. सरकार की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में आम जनता पहुंचकर अपनी समस्या बता रहे और सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन भर रहे हैं. जिले के कई प्रखंड में बेहतर सुविधा आम जनता को दिया जा रहा है तो कुछ-कुछ स्थानों में आम जनता काफी परेशान है. ऐसा ही एक मामला तांतनगर प्रखंड के कोकचो गांव में आयोजित जनता दरबार में देखने को मिला. यहां रजिस्ट्रेशन के लिए आम जनता को परेशान होना पड़ा. शिविर में रजिस्ट्रेशन तथा फार्म भरने के लिए लोग काफी परेशानी झेलनी पड़ी. रजिस्ट्रेशन कहां कराया जा रहा तथा फार्म कहां मिलेगा व कैसे भरने है लोगों को समझ नहीं आ रहा था. जिसके कारण लोगों इधर उधर भटकते रहे. शिविर में आये रामदनी निषाद, सालुका कालुंडिया, जेमा कुई, सेनू गोप आदि का कहना कि शिविर में अव्यवस्था है. स्टॉल में बैठे कर्मचारी रजिस्ट्रेशन के लिए इधर उधर भटका रहे हैं. कहा कि समझ नहीं आ रहा कि अखिर कहां रजिस्ट्रेशन होगी.

पश्चिमी सिंहभूम के 18 प्रखंड में 16000 से अधिक आवेदन

पश्चिमी सिंहभूम के कुल 18 प्रखंड में अब तक 16000 से अधिक लाभुकों ने जनता दरबार पहुंचकर आवेदन किया है. इसमें सबसे अधिक चक्रधरपुर प्रखंड के 3000 आम जनता ने आवेदन किया. जिसके बाद चाईबासा में लगभग 2000 से अधिक लाभुकों ने विभिन्न योजनाओं में लाभ लेने के लिए आवेदन किया है. उपायुक्त ने कहा कि लगातार जनता दरबार लगाकर आम जनता को सरकारी लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है. अधिक से अधिक इसका आम जनता उपयोग करें यह अपील किया जाता है. उन्होंने कहा कि जनता के लिए सरकार ने या व्यवस्था की है.

बोकारो

अज्ञात गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं जगदीश मांझी

कसमार के हिसिम में गंभीर बीमारी से पीड़ित जगदीश मांझी से जानकारी लेते चिकित्सा प्रभारी.

बोकारो जिले के 11 पंचायतों में चास के करहरिया एवं नरकरा पुनर्वास, चंदनकियारी के सिलफोर व अमलाबाद, गोमिया के चुट्टे, पेटरवार के तेनुघाट, जरीडीह के भस्की, चन्द्रपुरा के पपलो, कसमार के हिसिम, नावाडीह के पेंक एवं चास नगर निगम के वार्ड नंबर 26 एवं नगर निगम फुसरो के वार्ड नंबर 2 में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शिविर का आयोजन किया गया. शुभम संदेश की टीम ने बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सुदूरवर्ती हिसिम पंचायत में इस कार्यक्रम की पड़ताल की. शिविर में प्रखंड, अंचल से लेकर अलग अलग विभागों से जुड़े स्टॉल तो लगे थे. लेकिन सबसे अधिक भीड़ अबुआ आवास के स्टॉल में दिखी. शिविर में अजब गजब के मामले सामने आए. इस दौरान चेहरे से लेकर पूरे शरीर में बड़ी-बड़ी फुंसियों से परेशान हिसिम निवासी 45 वर्षीय जगदीश मांझी ने बताया कि वे इस गंभीर बीमारी से कई साल से पीड़ित हैं. कई बार जनता दरबार में फरियाद लेकर आये, लेकिन बीमारी ठीक नहीं हुआ. उन्होंने यह भी बताया कि इस बीमारी से उसकी पत्नी, उसका बेटा, उसकी बेटी एवं उसका साला भी पीड़ित है.

▪ बंध्याकरण के बाद हुआ बच्चा, लेकिन नहीं मिला मुआवजा

दूसरा मामला पिरगुल निवासी कुंती देवी का आया. उन्होंने बताया कि 2013 में उनका बंध्याकरण ऑपरेशन हुआ था, लेकिन इसके बावजूद 2015 में उनका ऑपरेशन फेल हो गया और बच्ची को उन्होंने जन्म दिया. इस तरह के केस में बीमा के तहत मुआवजा का प्रावधान है, लेकिन आठ साल में उन्हें मुआवजा नहीं मिला. दोनों मामलों को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बीपी गुप्ता ने गंभीरता से लेते हुए बताया कि जल्द ही दोनों मामलों में त्वरित कार्रवाई होगी. कसमार बीडीओ अनिल कुमार ने बताया कि कसमार में शिविर का यह दूसरा दिन है. पहले दिन मुरहुलसुदी में जो आवेदन आये थे, इनका ऑनलाइन इंट्री तो हो चुका है. इनमें से 60 से 70 प्रतिशत मामलों का निष्पादन हुआ है. बाकी मामलों के निष्पादन की प्रक्रिया चल रही है.

धनबाद

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में अबुआ आवास योजना के आए सबसे अधिक आवेदन

▪ अजीत महतो

▪ मंजु देवी

धनबाद जिला के तोपचांची प्रखंड में 24 नवंबर से आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में जनता के बीच समस्याओं का समाधान किया जा रहा है. तोपचांची प्रखंड में 24 नवंबर को भुंइया चितरो पंचायत, 25 नवंबर को विशुनपुर पंचायत, 28 नवंबर को ब्राह्मणडीहा पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभाग के काउंटर लगाए गए. तुरंत समाधान होने वाले समस्या को तुरंत समाधान किया जा रहा है. कार्यक्रम के दौरान आमजनों को काफी लाभ मिल रहा है. कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग पहुंच कर अपनी समस्या से संबंधित आवेदन दे रहे हैं. शिविर में पहुंचे अजीत महतो ने बताया कि करीब दो सप्ताह से जाति आवासीय को लेकर परेशान थे. आज के शिविर में मुझे जातीय आवासीय प्रमाण पत्र की प्राप्ति हुई. यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध हो रही है. हर एक प्रकार की समस्या का इस कार्यक्रम के दौरान समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है. इस कार्य के लिए झारखंड सरकार धन्यवाद के पात्र हैं. शिविर में पहुंची मंजु देवी महिला ने बताया कि पेंशन को लेकर काफी दिनों से समस्या हो रही थी. शिविर में पेंशन की स्वीकृत हुई है. काफी खुश हूं. सरकार को इस कार्य के लिए धन्यवाद देता हूं. वहीं पदाधिकारी ने बताया कि अबुआ आवास योजना का आवेदन सबसे ज्यादा आ रहा है. इसमें जांच की प्रक्रिया है. उसके बाद ही लाभुक को इसका लाभ मिल पाएगा. वहीं कहा कि पेंशन योजना, आय प्रमाण पत्र, जाती प्रमाण पत्र, साइकिल इन सभी का आवेदन आ रहा है और ऑन द स्पॉट काम होकर मिल रहा है.

चौपारण

प्रखंड में लगे शिविर में जनता की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, लाभुक प्रसन्न

▪ शमशाद खान

▪ दिलीप ठाकुर

चौपारण में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर लगा. शिविर में विभिन्न मामलों के 1068 आवेदन प्राप्त हुए. जिसमें 535 आवेदन का ऑन द स्पॉट स्वीकृत हुआ. वहीं 533 आवेदन लंबित रह गए. शिविर में सबसे अधिक आवेदन अबुआ आवास के लिए प्राप्त हुआ. बीडीओ प्रेमचंद सिन्हा के मुताबिक शिविर में फोकस योजनाओं के तहत अबुआ आवास योजना के 501, बिरसा सिचाई कूप योजना के 11, आय प्रमाण पत्र के 8, संपत्ति/भूमि म्यूटेशन के 2, व्यक्तिगत वन पट्टा के 2, लगान रसीद के 4, आयुष्मान कार्ड के 18, मनरेगा के तहत नए कार्य के लिए आवेदन 5 और जाति प्रमाण पत्र के कुल 556 आवेदन प्राप्त हुए. इसमें 51 स्वीकृत हुए और 505 लंबित रह गए. इसी प्रकार लाभार्थी उन्नमुखी योजनाओं के तहत कुल 47 आवेदन प्राप्त हुए. जिसमें 20 स्वीकृत हुआ और 27 लंबित रह गया. वहीं ऑन द स्पॉट परिसम्पतियों/ सरकारी लाभों के वितरण के तहत कुल 431 लोगों को लाभ मिला. जिसमें 15 जाति प्रमाण पत्र का वितरण, 346 साइकिल के लिए डीबीटी का वितरण, 10 क्लस्टर सदस्यों के बीच आईडी कार्ड, 40 लोगों के बीच धोती साड़ी लुंगी का वितरण और 20 जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया. वहीं ऑन द स्पॉट शिकायत निवारण के तहत कुल 34 मामले आये. जिसमें 33 का समाधान हुआ और 1 लंबित रह गया. शिविर में आए दिलीप ठाकुर ने बताया कि बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में गए थे. जहां पर तुरंत आवेदन लेकर प्रमाण पत्र दे दिया गया. मेरा अनुभव अच्छा रहा. शिविर मे आये लगभग लोगों का काम हो रहा है. लोग प्रसन्न हैं. वहीं शमशाद खान ने बताया कि यह कार्यक्रम सिर्फ सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए कर रही है. मेरा छः माह से म्यूटेशन नहीं हो रहा है. शिविर में भी आवेदन लिया गया. कहा गया कि जांच कर आगे की कार्रवाई करेंगे. देखें कब तक हो पाता है.

लातेहार

परसही में मिले 2464 आवेदन

गत 24 नवंबर से जिले में झारखंड सरकार के द्वारा आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम चलाया जा रहा है. लातेहार जिला में अब तक दो कार्यक्रम का आयोजन किया जा चुका है. अगला कार्यक्रम बुधवार जिले के विभिन्न प्रखंडों में होगा. गत 24 नवंबर को लातेहार प्रखंड के परसही पंचायत में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें कुल 2464 आवेदन प्राप्त किये गये. जबकि 1562 योजनाओं का ऑन द स्पॉट निष्पादन कर दिया गया. शेष 864 आवेदनों को कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद निष्पादित किया जायेगा. उक्त शिविर में कुल 1264 आवेदन प्राप्त हुए और 555 आवेदनों का ऑन द स्पाट निष्पादन किया गया. इस इस शिविर में भी सर्वाधिक अबुआ आवास के लिए 815 आवेदन प्राप्त किये गये. जबकि मनरेगा के तहत काम के लिए 30 आवेदन प्राप्त किये गये. जबकि 25 नवंबर को लातेहार प्रखंड के बेंदी पंचायत में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस शिविर में भी सर्वाधिक अबुआ आवास के लिए 644 आवेदन प्राप्त किये गये.

अबुआ आवास सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है: रश्मि केरकेट्टा

लातेहार प्रखंड के वरीय पदाधिकारी सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा ने कहा कि आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सरकार व प्रशासन ग्रामीणों तक खुद पहुंच रही है और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर रही है. उन्होंने बताया कि शिविर में अबुआ आवास के अधिक आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं. यह सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है. इसमें अधिक से अधिक योग्य लाभुकों का इस योजना का लाभ देना है.

ब्रीफ खबरें

हाइवा टिपर एसो. ने जीएम को ज्ञापन सौंपा

पिपरवार। विस्थापित प्रभावित हाइवा टिपर आनर एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल ने पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा. जिसमें कम रेट पर कम लाने वाले कंपनी के काम पर रोक लगाए जाने, स्थानीय डंपर को कोयला ढुलाई के कार्य में लगाए जाने, महंगाई को देखते हुए भाड़ा में बढ़ोतरी समेत अन्य मांगे शामिल है. जीएम को ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में एसोसिएशन के अध्यक्ष सुखी गंझू, अर्जुन महतो, नरेश महतो, शंकर महतो, छोटु खान, उमेश यादव समेत अन्य शामिल रहे.

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

सिल्ली/मुरी। सिल्ली थाना अंतर्गत पटका पुल के समीप दो मोटरसाइकिल के सीधी टक्कर में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई . जानकारी के अनुसार शाम लगभग 7:00 बजे कुलसुद नवाडीह निवासी प्रथम महतो उम्र 22 वर्ष अपने परिवार के साथ घर जा रहे थे . तेज रफ्तार से आ रही बाइक बिंदी टांड़ निवासी सुजीत महतो ने सीधी जोरदार टक्कर मारी . जिससे प्रथम महतो के घटना स्थल पर ही मौत हो गई . उनकी पत्नी व एक बच्चा रोड के साइड किनारे पर झाड़ी में गिर गए. ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना सिल्ली थाना को दी.

शिव मंदिर निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

अनगड़ा। चमघटि के पसराडीपा में शिव मंदिर निर्माण को लेकर मंगलवार को भूमिपूजन हुआ. बबलू पंडित और ग्रामप्रधान रामधन पाहन ने मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया. भूमिपूजन में शामिल आजसू नेता पारसनाथ उरांव ने विधि विधान के साथ मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी. उन्होंने ने बताया कि मंदिर निर्माण का कार्य अविलंब पूरा मौके पर भूमिदाता रतिलाल सिंह, रीता देवी, उमेश महतो, पशुराम चौधरी, सहजनाथ चौधरी, अर्जुन बेदिया, लछु महतो, चरकी देवी, रेखा कुमारी, सुषमा देवी सहित अन्य मौजूद थे.

जतरा में खोड़हा नृत्य मंडली ने बांधा समां

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड अंतर्गत नेहालू पंचायत में मंगलवार को अगहन जतरा का आयोजन किया गया. जतरा के दौरान खोड़हा नृत्य दलों ने मांदर की थाप पर लोगों को खूब झुमाया. बतौर मुख्य अतिथि माननीय विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने जतरा में हिस्सा लिया. इस मौके पर उन्होंने खोड़हा के नृत्य मंडली के साथ हाथ से हाथ जोड़ते हुए पारम्परिक नृत्य किया और जतरा का भरपुर आनंद उठाया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह जतरा महोत्सव आदिवासी समाज का एक पहचान है, इस जतरा महोत्सव में विभिन्न गाँवो के खोड़हा मंडली एवं सैकड़ों लोग पहुंचते है.

सड़क दुर्घटना में चार लोग घायल, 1 रेफर

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के करांजी पेट्रोल पंप के समीप खटंगा मोड़ के पास दो बाइकों की हुई जोरदार टक्कर में तीन नाबालिग समेत कुल चार लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए. सड़क दुर्घटना मंगलवार की शाम करीब 5:00 बजे के आसपास की है. ग्रामीणों ने सभी घायलों को उपचार के लिए बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया.सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में घायलों का पहचान बेड़ो देवी , आशीष,अमेश बडाईक,आर्यन उरांव पिता गोइंदा उरांव और एमडी जमील उर्फ बबलू खान पिता शमसुद्दीन खान के रूप में हुई है.

बुढ़मू सीओ ने बालू लदा ट्रैक्टर किया जब्त

बुढ़मू। अवैध बालू परिवहन पर बुढ़मू अंचलाधिकारी शंकर कुमार विधार्थी ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर की जप्त कर लिया है व खनन अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने का आदेश जारी कर दिया है. इस विषय पर अंचलाधिकारी ने कहा कि अवैध परिवहन किसी भी हाल मे नहीं करने देंगे.जो भी अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा जाता है, उसपर कठोर कार्रवाई की जाएगी, इस कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है. विदित हो की छापर बालू घाट से रोजाना सैकड़ों हाइवा व ट्रैक्टर वाहनों में भर भर कर अवैध बालू की तस्करी जारी है.

सीएमपीडीआई में टेक्नो कॉमर्शियल अपग्रेडेशन एंड मॉडिफिकेशन थीम पर कार्यशाला

कार्यशाला में सीएमपीडीआई के सेवाओं की झलक : मनोज

संवाददाता।रांची

मंगलवार को सीएमपीडीआई के कोयल हॉल में इंजीनियरिंग सर्विस से संबंधित निविदा दस्तावेज में टेक्नो कॉमर्शियल अपग्रेडेशन एंड मॉडिफिकेशन थीम पर कोल इंडिया की ओर से आयोजित दो-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसका विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि संस्थान के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने किया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि यह कार्यशाला सार्थक विचार-विमर्श, विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करती है तथा इस कार्यशाला का परिणाम कोल इंडिया की बुनियादी ढांचा इंजीनियरिंग की भविष्य की दिशा का मार्ग प्रशस्त करेंगे.

इस मौके पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/इंजीनियरिंग सेवाएं) सतीश झा ने इस बात पर जोर दिया कि सीएमपीडीआई इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग के सभी क्षेत्रों के साथ-साथ सौर ऊर्जा आदि जैसे उभरते नए क्षेत्रों में कोल इंडिया की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह कार्यशाला एक बेहतरीन अवसर है. सीएमपीडीआई और कोल इंडिया की सहायक कम्पनियों के इंजीनियरों को बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं को पूरा करने का एक मैप तैयार करना होगा.

इस कार्यशाला में सीएमपीडीआई अपनी इंजीनियरिंग सेवाओं और सीआईएल के साथ-साथ गैर-सीआईएल ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली परामर्श सेवाओं को प्रदर्शित कर रहा है. कार्यशाला ग्राहकों को सीएमपीडीआई की विविध सेवाओं की झलक प्रदान करेगी. दो-दिवसीय कार्यशाला में निविदा दस्तावेजों के टेक्नो कामर्शियल अपग्रेडेशन के साथ-साथ उद्योग में नवीनतम तकनीकी विकास पर प्रस्तुतिकरण के लिए ईपीसी ठेकेदारों और पीएंडएम विक्रेताओं को भी शामिल किया जाएगा.

इस मौके पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/ पीएंडडी) अजय कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमीत कुमार सिन्हा के अलावा कोल इंडिया तथा इसकी अन्य सहायक अनुषंगी कम्पनियों के के अधिकारीगण उपस्थित थे.

झारखंड में जदयू को सांगठनिक रूप से करेंगे मजबूत : ललन सिंह

संवाददाता।रांची

झारखंड में जदयू ने भी अपना जनाधार बढ़ाने में पूरी ताकत झोंक दी है. मंगलवार को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह और झारखंड के प्रभारी डॉ. अशोक चौधरी रांची पहुंचे. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कहा कि झारखंड में संगठन को मजबूत किया जाएगा. बिहार के सीएम नीतीश कुमार भी झारखंड का दौरा कर सकते हैं. राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि यह दौरा भी संगठन की मजबूती के लिए है. 2024 में होने वाले चुनाव तक संगठन को और मजबूती से झारखंड में खड़ा करना है.

शिविर में 1351 मामले आये, 49 का ऑन द स्पॉट हुआ निष्पादन

लोगों को योजना से जोड़े बिना क्षेत्र का विकास संभव नहीं : विधायक

संवाददाता।लापुंग

प्रत्येक ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़े बिना क्षेत्र के विकास का सपना पुरा नही किया जा सकता है। ग्रामीणों को आवश्यकतानुसार योजनाओं का लाभ पहुंचना ही हमारा लक्ष्य है. उक्त बातें लापुंग प्रखंड के देवगांव पंचायत सचिवालय में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कही. कार्यक्रम का उद्घाटन मांडर की विधायक , डीडीसी दिनेश कुमार यादव व पंचायती राज पदाधिकारी वीरेंदर कुमार चौबे तथा बीडीओ सहित पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. कार्यक्रम के दौरान 1351 लोगों ने आवेदन दिया, जिनमें से 49 मामलों का ऑनस्पॉट निष्पादन किया गया.

अबुआ आवास योजना का 520 आवेदन प्राप्त किया गया. वहीं गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के लिए पांच छात्र छात्राओं ने आवेदन किया. इस मौके पर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने ग्रामीणों को कार्यक्रम के महत्व को समझाया साथ ही कहा कि झारखंड की हेमंत सोरेन की सरकार पूरे राज्य में आठ लाख वैसे वंचित लोगों जिन्हें पीएम आवास का लाभ नहीं मिला. उन्हें अबुआ आवास योजना का लाभ देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. कार्यक्रम के दौरान डीडीसी दिनेश कुमार यादव ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत गांव गांव में जाकर सरकार के पदाधिकारी और कर्मचारियों की टीम सरकार की योजनाओं का लाभ लाभुकों तक पहुंचाएंगे.

खास बातें

- अबुआ आवास योजना के लिए 520 आवेदन प्राप्त हुए
- गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के लिए पांच छात्रों दिया आवेदन

लाभुकों के बीच परिसम्पत्तियों का वितरण

कार्यक्रम के दौरान विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने लाभुकों के बीच कम्बल, धोती साड़ी, धोती, बिरसा सिंचाई कूप का प्रमाण पत्र, पेंशन प्रमाण पत्र, सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना का प्रमाण पत्र सहित दर्जनों योजनाओं का लाभ प्रदान किया . इस मौके पर लापुंग के बीडीओ इमानुएल जयवीरस लकड़ा,सीओ पंकज कुमार, जिप सदस्य हिंदिया टोपो, प्रखंड प्रमुख कंचन उरांव, पंसस पूनम टोप्पो और मुखिया दुर्गा उरांव ने भी लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया . कार्यक्रम का संचालन मनरेगा के बीपीओ इम्तियाज़ खलील ने किया . इस मौके पर समाजसेवी संतोष तिर्की, दशरथ तिर्की, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पूजा कुमारी, एमओ सह कल्याण पदाधिकारी विनोद नारायण झा, प्रखंड कृषि पदाधिकारी एव प्रखंडकर्मी अभय खलखो, रोजगार सेवक बसंत साहु, विष्णु साहु, मेघराज उरांव, बीएफटी सत्यनारायण सिंह, सुरेश कुमार, संतोष साहु, गंदुरा उरांव, विशु स्वांसी, फगुआ भगत,राजकमल गोप सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

शिविर में 913 मामलों का निपटारा किया गया

इटकी। प्रखंड के कुल्ली पंचायत सचिवालय स्थित मंगलवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन प्रमुख किरण उरांव, जिप सदस्य रीना देवी, बीडीओ गौतम प्रसाद साहू, सीओ विजय कुमार व मुखिया विनय उरांव ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया. विभिन्न समस्याओं से संबंधित 1762 आवेदन प्राप्त किए गए जिसमें 913 मामलों का तत्काल निष्पादन किया गया. 849 लंबित आवेदनों को प्रक्रिया में रखा गया है. कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपप्रमुख परवेज राजा, हेमंत एक्का, सुमन बारला, धनेश्वर राम, डॉ शिवानंद कांशी, सुजाता सोनी, मोहिनी तिर्की, ऐई मेरी प्रतिभा टुडू, धीरज लकड़ा, संजय सिंह, जेइ मजाज अहमद, शैम्पू प्रसाद, सहित प्रखंड के कर्मी व ग्रामीण भारी संख्या में उपस्थित थे.

सताकी पंचायत में 442 मामलों का हुआ निष्पादन

संवाददाता।राहे

प्रखंड के सताकी पंचायत में अयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के 1582 आवेदन प्राप्त हुए. सिर्फ अबुआ आवास योजना के 550 आवेदन प्राप्त हुये. बाकी 1032 आवेदन में कार्रवाई करते हुए 442 आवेदन का निष्पादन किया गया. मुख्य अतिथि विधायक सुदेश महतो उपस्थित हुए. इस अवसर पर विधायक सुदेश महतो ने संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाना प्रखंड के अधिकारी व कर्मचारियों का दायित्व के साथ साथ एक चुनौती भी है. मौके पर वरीय पदाधिकारी भूमि सुधार उप समाहर्ता राजीव कुमार जिप सदस्य बादल महतो, प्रमुख लीलमनी देवी, उप प्रमुख उमेश महतो, बीडीओ हारून रशीद, मुखिया पांडु मुंडा, एई जितेंद्र कुमार महतो, बिष्णु पंडित, सकर्मचारी मौजूद थे.

पंचायत प्रभारियों के नामों की हुई घोषणा

अनगड़ा। बेडवारी में मंगलवार को आजसू पार्टी की बैठक आयोजित की गयी.अध्यक्षता विधानसभा प्रभारी जितेंद्र सिंह ने की. बैठक में पार्टी संगठन की मजबूती पर चर्चा की गयी. इस दौरान खिजरी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी तैयारी के लिए सभी 16 पंचायतों में प्रभारियों की नियुक्ति की गयी. बैठक में आजसू नेता पारसनाथ उरांव, जलनाथ चौधरी, वीरेंद्र सिंह भोगता, जगरनाथ महतो,रोशन मुंडा, प्रकाश लकड़ा, अतीस महतो, धर्मेंद्र सिंह सहित अन्य उपस्थित थे. किस पंचायत के कौन प्रभारी : पैंका - आशाराम महतो, जगरनाथ महतो, बोंगई बेड़ा - सुरेंद्र महतो, किसुन महतो, चतरा- साहेब राम महतो, अर्जुन राम, हरातू-जलनाथ चौधरी,अनगड़ा- पारसनाथ उरांव, लुपुंग- रोशन मुंडा,अजित महतो, चिलदाग- वीरेंद्र सिंह भोगता आदि शामिल थे.

महारास बारीडीह में रास मेला का किया गया आयोजन, उमड़ी भीड़

रास संस्कृति व प्रकृति से जुड़ा पर्वः साहू

संवाददाता।ओरमांझी

रास पूजा समिति बारीडीह ओरमांझी में धूम धाम से ढ़ोल नगाड़े के साथ सभी गांव वाले जुलूस लेकर अखाड़ा में पूजा अर्चना किया. सभी अतिथियों को स्वागत किया. मौके पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू का आदिवासी समुदाय के लोगों के द्वारा अपने सांस्कृतिक रीति रिवाज के अनुसार नृत्य व गीत गाकर स्वागत किया गया.आदित्य प्रसाद साहू ने विधिवत रूप से फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर और हम सब की शान है रास.हम सभी को इसे सहेज कर रखना है. प्रकृति को बचाने में आदिवासी भाई बहनों का योगदान प्राचीन काल से है. उन्होंने कहा कि जल,जंगल,जमीन झारखंड की पहचान है. पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने कहा कि हम सबको मिलकर झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ाने के साथ-साथ पूरी दुनिया से इसका परिचय करना है. जतरा के दौरान आदिवासी महिलाओं ने टोली बनाकर मांदर की थाप पर नृत्य गीत प्रस्तुत किया. इस मौके पर मुख्य रूप से रांची यूनिवर्सिटी पूर्व रजिस्टार अमर चौधरी, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी, मेला के मुख्य संरक्षक मानकी राजेंद्र शाही, समाजसेवि रामकुमार, दीपक, युवा दस्तक आशीष साहु, मंडल अध्यक्ष दिलीप मेहता, पंचायत समिति सदस्या शशि मिश्रा, मनोज चौधरी, शिव टहल नायक, विक्रांत तिवारी, ग्राम प्रधान नंदकिशोर मुंडा, भूषण महतो, ब्रह्मदेव नायक,आनंद महतो, तिरतू महतो, मेला समिति के अध्यक्ष सुजीत नायक, कोषाध्यक्ष संजय करमाली, सचिव विजय महतो एवं मेला समिति के सभी सदस्य गण ग्रामीण उपस्थित थे.

पेज 1 का शेष...

झारखंड के 5 मजदूर सऊदी...

कहा कि यह पहली घटना नहीं है. काम की तलाश में मजदूर विदेश जाते हैं और वहां उनको यातनाएं झेलनी पड़ती हैं. बड़ी मुश्किल से स्वदेश लौट पाते हैं. पहले भी कई ऐसे मामले सामने आए हैं. ऐसे में सरकार को इस पर ठोस कदम उठाने की जरूरत हैं.

ट्रांसमिशन के ओपीजी में काम करने गये थे : सभी मजदूर पिछले 28 मार्च को अल मुरब्बा अल हादी की कंपनी में ट्रांसमिशन के ओपीजी में काम करने के लिए सऊदी अरब गये थे. सऊदी अरब में फंसे मजदूरों में गिरिडीह जिले के सरिया प्रखंड की कुसमाडीह पंचायत के जगदीश महतो, बोकारो जिले की पेंक नारायणपुर के जिवलाल महतो, विनोद महतो और हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र की चान्हो पंचायत के चिंतामन महतो व वीरेन्द्र महतो शामिल हैं.

सियासी कौतूहल की...

इसका जवाब तो स्टालिन ही दे सकते हैं. लेकिन उन्होंने चेन्नई में वीपी सिंह की प्रतिमा स्थापित कर द्रमुक की लीक से हट कर एक अनोखा कार्य किया है.

इस समारोह के बाद यह सवाल भी उठने लगा है कि बिहार और उत्तर प्रदेश में चौक-चौराहों पर वीपी सिंह की प्रतिमाएं क्यों नहीं लगाई गई हैं. जबकि इन दोनों राज्यों में मंडलवादी छाए हुए हैं. बिहार में तो 1990 से ही मंडलवादी सरकार हैं. जातीय सर्वेक्षण और उसके आधार पर विस्तारित आरक्षण मंडलवाद का ही नया संस्करण है. उत्तर प्रदेश में भी मंडलवादी सरकार रही हैं और आज भी नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ही हैं. क्या बिहार और उत्तर प्रदेश में वीपी सिंह की जयंती मनाने पर रोक है? नहीं तो इसके लिए अखिलेश को उत्तर प्रदेश से चेन्नई क्यों आना पड़ा? दरअसल उत्तर प्रदेश और बिहार के मंडलवादियों को हमेशा यह भय सताता है कि यदि वीपी सिंह का महिमामंडन किया गया तो इसका फायदा राजपूत उठा ले जाएंगे. यह बात अलग है कि सपा-राजद और कुछ हद तर जदयू ने राजपूतों का इस्तेमाल तो किया, लेकिन वीपी सिंह को वह सम्मान नहीं दिया तथा खुद मंडल मसीहा बन गये. जहां तक कांग्रेस की बात है, वह मंडलवाद या पिछड़ावाद की नई सियासी टोपी पहन कर इतरा रही है. लेकिन वह वीपी सिंह से बेइंतहा नफरत करती है जिन्होंने राजीव गांधी के चेहरे पर बोफोर्स दलाली की काली स्याही पोत दी. और उन्हें सत्ता से बेदखल भी कर दिया. शायद इसी वजह से स्टालिन ने गांधी परिवार के किसी सदस्य या किसी कांग्रेसी नेता को नहीं बुलाया होगा. लेकिन कांग्रेस तो अपने ही नेता अर्जुन सिंह को महत्व नहीं देना चाहती है. जिन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में पिछड़ों को आरक्षण दिलाया था. आजकल मध्य प्रदेश में अर्जुन सिंह के पुत्र अजय सिंह को कांग्रेस ने महत्वहीन बना दिया है. लेकिन वह पिछड़ों की लड़ाई लड़ने का स्वांग जरूर कर रही है.

वीपी सिंह को उत्तर प्रदेश और बिहार में उपेक्षित करने का श्रेय मुलायम सिंह यादव और लालू प्रसाद को ही जाता है. इन दोनों नेताओं ने चंद्रशेखर को तो महत्व दिया, लेकिन वीपी सिंह से इनकी कभी नहीं बनी. वीपी सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में जब दस्यु उन्मूलन और अपराधियों के खात्मे का अभियान चलाया, तब इन दोनों गिरोहों के संरक्षक रहे मुलायम सिंह पुलिस के निशाने पर ही आ गये थे. वह भागे-भागे दिल्ली पहुंच गये जहां बूटा सिंह और चंद्रशेखर ने उनकी प्राण रक्षा का इंतजाम किया. उसके तुरंत बाद चौधरी चरण सिंह ने उन्हें विधान परिषद लाकर नेता प्रतिपक्ष बना दिया. जब वर्ष 1989 में मुलायम सिंह के खिलाफ वीपी सिंह ने अजित सिंह को मंत्री बनाना चाहा तो पुनः चंद्रशेखर सहायक बने और अजित सिंह पिछड़ गये. चंद्रशेखर ने कभी वीपी सिंह को बतौर प्रधानमंत्री स्वीकार नहीं किया. वह स्वयं प्रधानमंत्री बनना चाहते थे. लेकिन बीजू पटनायक और देवीलाल की एक चाल ने उन्हें बेहाल कर दिया. उसी समय से वह वीपी सिंह को नीचा दिखाने का कोई मौका नहीं चूकते थे.

इसी प्रकार जब बिहार में मुख्यमंत्री के चयन का समय आया तो वीपी सिंह ने रामसुंदर दास को आगे बढ़ाया, शरद यादव वगैरह ने लालू प्रसाद को आगे किया, लेकिन लालू प्रसाद के संकटमोचक बने चंद्रशेखर. उन्होंने रघुनाथ झा को भी प्रत्याशी बना दिया. परिणाम यह हुआ कि रघुनाथ झा को जितने वोट मिले उतने ही वोट से रामसुंदर दास हार गये और लालू प्रसाद मुख्यमंत्री बन गये. यही कारण है कि बिहार-उत्तर प्रदेश में वीपी सिंह भुला दिए गये. जबकि मंडल की राजनीति करने वाले नेता आज भा चांदी काट रहे हैं. फिलहाल स्टालिन ने वीपी सिंह की याद में आयोजित कार्यक्रम में अखिलेश को बुला कर सियासी कौतूहल की नई आधारशिला रख दी है.

खनन बंद...

वहीं ओएनजीसी, आईओसी को हजारीबाग, बोकारो और धनबाद में कोल बिड मिथेन के लिए पेट्रोलियम एक्सप्लोजन का लाइसेंस मिला है.

40% मजदूर नहीं कर पाते हैं बचत : कोयला खनन से जुड़े 35 से 40 फीसदी मजदूर अपनी कमाई से किसी भी तरह का बचत नहीं कर पाते हैं. इसका खुलासा लाइवलीहुड अपॉरचुनिटी फॉर जस्ट ट्रॉजिशन इन झारखंड की नई रिर्पोट में हुआ है. रिर्पोट में कहा गया है कि खनन कार्य बंद होने के कारण कृषि सहित दूसरे क्षेत्रों में रोजगार करना चाहते हैं. रिर्पोट में कहा गया है कि कोयला खनन में काम करने वाले 45 फीसदी मजदूरों को पास दूसरे काम का हुनर नहीं है. वहीं कोयला खनन से जुड़े शेष मजदूर वैकल्पिक रोजगार के लिए झारखंड में ही रहना पसंद करते हैं. साथ ही कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी तलाश रहे हैं.

इन कोल ब्लॉक से शुरू नहीं हुआ उत्पादन : बनहर्दी, राजबार, उरमा, मौर्या, महल, गोंदुल पाड़ा, सुगिया, रउता, बुढ़ाखाप, तलाईपाली,किरानडेरी, चट्टी बरियातू, दुलंगा, दामिनी, छिछरो, पस्तीमल, पिंडार-देवीपुर, सरिया, ,सीतनाला, पतरातू, राबोध, जगेशर, तेनुघाट झिरकी, लालगढ़, मोइत्रा, वृंदा, मेराल, चिरपुर, दक्षिणी डाडू, बुंडू, चकला, जितपुर, चोरीटांड़, रोहणे, हुटार, राजहारा, माकरूदा और मे्दिनीराय.

ईडी ने साहिबगंज एसपी से...

इस दौरान बॉडीगार्ड ने बिना रेलवे वारंट के जाने में असमर्थता जताई और एसपी साहिबगंज से कन्फर्म टिकट करवाने को कहा, जिसके बाद रांची में नौशाद आलम ने फोन कर सार्जेंट वैभव कुमार से टिकट करवाने को कहा था.

सुबह 10 बजे ईडी ऑफिस पहुंचे थे एसपी : साहिबगंज एसपी नौशाद आलम मंगलवार की सुबह 10 बजे ही ईडी दफ्तर पहुंच गए. अंदर जाने के बाद उन्होंने बताया कि वह साहिबगंज एसपी हैं, जिसके बाद गेट पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें अंदर जाने दिया गया. एसपी को मंगलवार की सुबह 10:30 बजे ईडी दफ्तर पहुंचने के लिए समन जारी किया गया था. गौरतलब है कि इससे पहले बीते 22 नवंबर को ईडी ने एसपी नौशाद आलम को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था. लेकिन एसपी नौशाद आलम ने ईडी को पत्र भेज कर पेश होने के लिए दूसरी तारीख मांगी थी. जिसके बाद ईडी ने 22 नवंबर को ही नौशाद आलम को दूसरा समन भेज कर कर 28 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया था.

पुलिस मुख्यालय से मंतव्य मांगा था : नौशाद आलम ने ईडी को लिखे कहा था कि उन्होंने पुलिस मुख्यालय से मामले को लेकर सुझाव मांगा है. ऐसे में उन्हें कुछ दिनों की मोहलत दी जाए और पूछताछ के लिए दूसरी तिथि तय की जाए. नौशाद आलम ईडी के जोनल कार्यालय जाने के लिए रांची पहुंच चुके थे. ईडी दफ्तर जाने से पूर्व नौशाद आलम झारखंड पुलिस मुख्यालय गए और अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दी और अपने साथ ले गए डॉक्यूमेंट भी उन्होंने अधिकारियों को दिखाया.

गंदगी की सफाई...

उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद 2 दशक तक पदाधिकारियों को तत्कालीन सरकारों ने अपनी सेवा में लगा रखा था. जनता का दुख-दर्द जानने के लिए नहीं भेजा. हमारी सरकार बनने से पहले कई गांव ऐसे थे, जहां दशकों तक पदाधिकारी नहीं गए. सुदूरवर्ती गांवों में बिजली, पानी और सड़क की सुविधा नहीं थी. हमने तय किया कि सरकार खुद चल कर गरीबों तक जाएगी. उन्होंने अपने कार्यकाल में चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि लगता है विपक्ष शीशे नहीं बल्कि टीन का चश्मा पहनता है. इसलिए, कुछ दिखाई नहीं देता. गरीबों के लिए काम कर रहा हूं, तो बदले में षड्यंत्र किया जाता है. हमारे कुछ आदिवासी-मूलवासी भाई भी विपक्ष के बहकावे में आकर जनता के मन में जहर घोलते हैं. उन्होंने कहा कि समाज में जाति-पांति, धर्म-समुदाय और क्षेत्र के आधार पर विभेद पैदा कर विपक्ष आग से खेल रहा है. इसी का परिणाम है कि देश में कई सांप्रदायिक दंगे हुए हैं.

गरीब हाथ में राशन कार्ड लेकर भूखे मर गए डबल इंजन की सरकार में : सीएम हेमंत सोरेन ने पूर्ववर्ती रघवुर सरकार को निशाने पर लिया. उन्होंने पूर्ववती सरकार पर गरीबों का राशन कार्ड गायब कर देने का आरोप लगाया. कहा कि जब हमने आपकी योजना-आपके अधिकार, सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का पहला चरण शुरू किया, तो राशन कार्ड को लेकर सर्वाधिक आवेदन आए. विश्लेषण किया तो पता चला कि 11 लाख लाल राशन कार्ड खत्म कर दिया गया है. सीएम ने कहा कि एक ऐसे राज्य में जहां की बड़ी आबादी गरीबी रेखा से नीचे निवास कर रही थी, वहां राशन कार्ड से नाम हट जाना दुखद था. हमने इसका समाधान किया. पूर्ववती रघुवर सरकार में वर्ष 2019 से पहले गुमला, लोहरदगा, लातेहार और चतरा जैसे जिलों में कई लोग हाथ में राशन कार्ड लेकर भूख-भूख कहते हुए मर गए. मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग आज हम पर विफलता का आरोप लगाते हैं, उन्हें आंकड़े भी देखने चाहिए. कहा कि हमने 20 लाख हरे राशन कार्ड बना कर गरीबों में वितरित किया. हमारी सरकार ने कोरोना काल में भी किसी व्यक्ति को भूख से नहीं मरने दिया.

जहां सबसे अधिक बच्चे नौकरी पाते थे, उसे बेच दिया जा रहा : सीएम हेमंत सोरेन ने रोजगार मुद्दे पर केंद्र सरकार का जमकर घेराव किया. उन्होंने कहा कि गांव के बच्चे पहले फौज में नौकरी को प्राथमिकता देते थे. थोड़ा और पढ़े लिखे बच्चे रेलवे और बैंक में नौकरी करते थे. लेकिन अब 4 साल तक फौज में नौकरी मिलेगी, फिर सड़क पर आ जाओ. बैंक की नौकरी खत्म कर दी गई. बैंकों का विलय कर दिया गया. रेल बिक गया. अब बुलेट ट्रेन चल रही है. कितना आदमी चढ़ेगा. पहले ट्रेन 18 बोगी की था. अब 7 बोगी की बुलेट ट्रेन चला रहे हैं. पुरानी ट्रेन को रंगाई पुताई करके भेज दिया.

आपलोग हुनरबंद बनिए, क्योंकि ये लोग स्थानीय नीति नहीं बनने दे रहे : मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि आपलोग हुनरमंद बनिए. स्वरोजगार के लिए प्रयास कीजिए. क्योंकि ये लोग 1932 के आधार पर नियोजन नीति बनाई, तो उसे भी रोक दिया. पहली बार किसानों के लिए कृषि पदाधिकारी की नियुक्ति की गई. पहली बार फॉरेंसिक लैब बना. पूर्ववर्ती सरकारों ने खिलाड़ियों की सुधि नहीं ली. पोटो-हो खेल स्टेडियम तैयार हो रहा है. एशियन वीमेंस हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन किया गया. महिला टीम में झारखंड की सर्वाधिक खिलाड़ी हैं. खिलाड़ियों को नौकरी देने के लिए कानून बनाया.

पीएम पर तंज, राजभवन पर आरोप : मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर भी हमला बोला. उन्होंने कहा कि इन लोगों ने आदिवासियों को विश्व आदिवासी दिवस पर शुभकामनाएं तक नहीं दीं और जब चुनाव आया तो भगवान बिरसा और सिद्धो-कान्हू याद आ रहे हैं. पूरे देश को केंद्र सरकार ने महंगाई में झोंक दिया. पीएम को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि जो जितना बड़ा आदमी है, वो उतना ही बड़ा झूठ बोलता है. सीएम ने राजभवन और केंद्र पर ओबीसी आरक्षण बिल, खतियान आधारित स्थानीयता बिल और सरना धर्म कोड को कानून नहीं बनने देने का आरोप लगाया.

ब्रीफ खबरें

लूटकांड मामले में 5 अपराधी गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । पुलिस ने जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में गत दिनों केसरिया प्रखंड के कर्मचारी को गोली मारकर लूट की घटना को अंजाम देने खुलासा कर लिया है. साथ ही इसमें संलिप्त 05 अपराधी व विधि विवादित किशोर को गिरफ्तार किया है. जिसकी तलाशी के दौरान इनके पास से दो देसी कट्टा, एक देसी पिस्टल, 12 कारतूस, डेढ किलो मादक पदार्थ (चरस), लूटे गये 1 लैपटॉप, चोरी के एक टैब व लूट और चोरी के 3 बाइक व 15 मोबाइल बरामद किया गया. पकड़े गये सभी अपराधी पूर्वी चंपारण जिला के रहनेवाले हैं.

काम कर रहे श्रमिक की करंट से मौत

बेगूसराय । सिमरिया गंगा तट पर निर्माणाधीन रीवर फ्रंट प्रोजेक्ट में काम कर रहे एक श्रमिक की मौत मंगलवार को करंट लगने से मौत हो गई. मृतक दरभंगा जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र स्थित अझौर निवासी धर्मवीर पासवान है. उसी में सीढ़ी ढलाई के दौरान सोमवार देर रात वाईब्रेटर मशीन में सप्लाई किए जा रहे बिजली करंट की चपेट में आ गया. परिजनों ने बताया है कि धर्मवीर को सिमरिया घाट स्थित चिकित्सा कैंप में भर्ती कराया तो जहां डॉक्टरों ने उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया. जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने धर्मवीर को मृत घोषित कर दिया.

बांका में 1324 बोतल विदेशी शराब जब्त

बांका । चांदन-कटोरिया पक्की सड़क पर लाइन होटल के आगे जंगल से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई है. पुलिस ने छापेमारी के दौरान जंगल में एक एम्बुलेंस को लावारिश हालत में खड़ा पाया. जब उसकी तलाशी ली गई तो वहां से विदेशी शराब जब्त किया गया है. वहीं तस्कर मौके से फरार हो गए. थानाध्यक्ष विष्णुदेव कुमार ने बताया कि सोमवार रात में गश्ती के दौरान देखा कि एक एम्बुलेंस रामराज लाइन होटल से थोड़ा आगे एक सुनसान जंगल इलाके में खड़ी है. संदेह होने पर पुलिस ने वाहन के पास जाकर खोजबीन की तो भारी मात्रा में शराब बरामद हुआ है.

लोस चुनाव से पहले पशुपति पारस गुट को बड़ा झटका, सांसद वीणा देवी पहुंचीं लोजपा के कार्यक्रम में, सियासी बाजार हुआ गर्म

हमारे सिद्धांतों में विश्वास रखकर लोग आते हैं वापस : चिराग

संवाददाता ।पटना

2024 में लोकसभा का चुनाव होना है लेकिन ऐसा लग रहा है कि इससे पहले ही पशुपति पारस गुट को चिराग पासवान ने बड़ा झटका दे दिया है. रामविलास पासवान द्वारा स्थापित लोक जनशक्ति पार्टी के स्थापना दिवस पर मंगलवार को सांसद वीणा देवी पटना के बापू सभागार पहुंचीं. चिराग के कार्यक्रम में सांसद वीणा देवी के आने से अटकलों का बाजार गर्म हो गया.

कार्यक्रम में पहुंचीं सांसद वीणा देवी ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि पार्टी का 24वां स्थापना दिवस है. रामविलास ने स्थापना की थी. चिराग के कार्यक्रम में आने को

लेकर कहा कि घर में अगर कुछ हुआ है तो घर की लड़ाई बाहर नहीं जानी चाहिए. हम दूसरी पार्टी में चले जाते तब होता कि दूसरी पार्टी में मैं चली गई हूं. मैं तो लोजपा में ही हूं. चिराग में आस्था रखती हूं. 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' का विजन लेकर चिराग चल रहे हैं. आने वाले दिन में वो मुख्यमंत्री भी बनेंगे. पशुपति पारस भी आदरणीय हैं. हमारे नेता हैं. कार्यक्रम में पहुंचीं सांसद वीणा देवी को लेकर किए गए सवाल पर चिराग ने कहा कि जो भी हमारे नेता (रामविलास पासवान) के सिद्धांतों और विचारों में विश्वास रखकर वापस आना चाहते हैं उनका हम लोग स्वागत करते हैं. ऐसे में सवाल उनसे बनता है जिन्होंने होर्डिंग लगा रखा है और दावे कर रहे हैं. इस मामले में पशुपति पारस गुट के प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल ने कहा कि अब वीणा देवी चिराग पासवान के कार्यक्रम में चली गई हैं तो इसका मतलब तो पार्टी से चली ही गई हैं.

आओ जानें

गंगा चौसा से राज्य में प्रवेश करती है

गंगा : यह बिहार की प्रमुख नदी है, जो चौसा से राज्य में प्रवेश करती है और भोजपुर व सारण जिले की सीमा बनाती है.

सहायक नदियां : गंडक, बागमती, कोसी, काली, सोन, कर्मनाशा और पुनपुन, महात्मा गांधी सेतु उत्तर बिहार को शेष बिहार से जोड़ने के लिए बनाया गया था और इसे राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बनाया गया था.

घाघरा/सरयू : यह नेपाल के नम्पा से निकलती है और गोपालगंज से बिहार में प्रवेश करती है व छपरा में जाकर गंगा नदी में मिल जाती है. यह हिंदू और बौद्ध दोनों के लिए एक पवित्र नदी है.

गंडक : यह नेपाल के पास तिब्बत में धौलागिरी के उत्तर से निकलती है और नेपाल में त्रिवेणी शहर के पास भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करती है. यह दक्षिणी दिशा में बहती है और उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच एक सीमा बनाती है. यह बिहार के पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सिवान, सारण और वैशाली जिले में होकर गुजरती है.

स्कूलों में छुट्टियों की कटौती पर बिहार की राजनीति में हुआ बवाल

इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ बिहार बना रहे हैं नीतीश-लालू : गिरिराज

संवाददाता ।बेगूसराय

केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार सरकार द्वारा हिंदुओं के पर्व-त्योहार की छुट्टी में कटौती कर मुस्लिम के पर्व में छुट्टी बढ़ाए जाने का विरोध किया है. उन्होंने कहा है कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ बिहार बनाने की कोशिश की जा रही है.

शिक्षा विभाग द्वारा 2024 के घोषित किए गए अवकाश सूची का विरोध करते हुए सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार और लालू यादव की सरकार ने स्कूलों में मुस्लिम पर्व की छुट्टी बढ़ाई और हिंदू-त्योहारों में छुट्टी की खत्म. बिहार में कई हिंदू-त्योहारों की छुट्टियां खत्म कर दी गई है और ईद-मुहर्रम की छुट्टियां बढ़ा दी गई है, यह भी गजवा-ए-हिंद का एक हिस्सा है. उन्होंने कहा कि नीतीश की सरकार ने तीसरी बार तुगलकी फरमान जारी किया है, जिसमें हिन्दुओं की छुट्टी में कटौती किया गया. महाशिवरात्रि और जन्माष्टमी जैसे महापर्व की छुट्टियों में कटौती कर मुसलमान के ईद और बकरीद की छुट्टियां बढ़ाई गई. इसका क्या औचित्य है. नीतीश सरकार बिहार में इस्लामिक धर्म के आधार पर क्यों काम कर रही है. अररिया, पूर्णिया, कटिहार और किशनगंज जैसे जिलों में रविवार के बदले शुक्रवार को स्कूल में छुट्टी दिया जाता है. इससे लगता है कि पूरे बिहार के स्कूलों में शुक्रवार को छुट्टी देने की योजना बनाई जा रही है. हिन्दुओं के पर्व में कटौती की गई छुट्टियों को बहाल नहीं किया गया तो इसका खामियाजा बिहार सरकार को भुगतना पड़ेगा. आनेवाले दिनों में लालू यादव मो. लालू एवं नीतीश कुमार मो. नीतीश के नाम से जाने जाएंगे.

उन्होंने कहा कि षड्यंत्र के तहत हिन्दुओं की भावनाओं पर कुठाराघात कर रहे हैं. तुष्टीकरण एवं वोट बैंक के लिए हिंदू के पर्व-त्योहारों की छुट्टियों को रद्द किया जा रहा है. अभी जारी आदेश भी ऐसा ही है. सनातन संस्कृति को खत्म करने की साजिश रचकर पढ़ाई बाधित होने का बहाना बनाया जा रहा है. तीज एवं जीवित पुत्रिका व्रत करने वाली महिला शिक्षिकाएं उपवास के दौरान कैसे पढ़ा सकेंगी.

छुट्टियों में जो कटौती की गई है, वह गलत है : अशोक चौधरी

पटना : बिहार में छुट्टियों को लेकर मचे घमासान के बीच मंगलवार को भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने कहाकि वह भी मान रहे हैं कि शिक्षा विभाग के 2024 वाले कैलेंडर में छुट्टियों की जो कटौती की गई है वह गलत है. जो परंपरा चली आ रही है उसके अनुसार मानना चाहिए. पहले भी इस तरह हुआ था और जब हमारे नेता (नीतीश कुमार) के संज्ञान में मामला आया था तो मुख्यमंत्री ने सुधार किया था. उन्होंने कहा कि सरकार के संज्ञान का ये निर्णय नहीं है. पिछली बार अगर नीतीश ने सुधार कर दिया था दोबारा इस तरह की गलती नहीं होनी चाहिए थी, लेकिन सरकार के स्तर पर निर्णय नहीं है. नीतीश के संज्ञान में आते ही इसमें सुधार होगा. उन्होंने मीडिया से कहा कि जो परंपरा के अनुसार होता आया है उसे मानना चाहिए. बीजेपी के आरोपों का जवाब देते हुए हिंदू विरोधियों के सवाल पर कहा कि कौन है जो हिंदू का ठेका ले लिया है? हम लोग कहां से आए हैं? हम लोग क्या हैं? हम लोग हिंदू नहीं हैं? टीका चंदन करके पूजा करके महादेव को प्रणाम करके निकले हैं तो हिंदू नहीं हैं? बीजेपी हिंदू की बात करती है तो हिंदू हो गई और बाकी लोग सबकी बात करते हैं तो वो दूसरे हो गए? बता दें कि पहले भी छुट्टियों में कटौती को लेकर मामला सामने आया था. इसी साल 29 अगस्त को शिक्षा विभाग की ओर से संशोधित छुट्टी की सूची जारी की गई थी.

सोनपुर से गंगा स्नान के बाद सभी लौट रहे थे सीतामढ़ी

मुजफ्फरपुर में सड़क हादसे में 3 की मौत

संवाददाता ।पटना

मुजफ्फरपुर जिले के फकुली ओपी क्षेत्र के बलिया ओवर ब्रिज के समीप मंगलवार सोनपुर से गंगा स्नान कर सीतामढ़ी के लोग एक ऑटो से लौट रहे थे. इस दौरान अचानक सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक में ऑटो अनियंत्रित होकर टकरा गयी जिससे घटनास्थल पर ही तीन लोगों की मौत हो गई. मृतकों में एक महिला और दो पुरुष शामिल है. वहीं करीब सात लोग घायल हुए हैं. घायलों में कई की

हालत गंभीर है. सभी मृतक और घायल सीतामढ़ी के रहने वाले हैं. पुलिस ने तत्काल सभी घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचा दिया है. तीनों डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है. पूरे मामले में पूछे जाने पर फकुली ओपी के एएसआई अनिश कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 3:00 बजे के आसपास सड़क हादसा हुआ है जिसमें एक अनियंत्रित ऑटो ट्रक के पीछे से टक्कर मारी है. इस घटना में घटनास्थल पर तीन लोगों की मौत हुई है. वहीं आधा दर्जन से अधिक घायल थे. सभी सीतामढ़ी जिले के रहने वाले हैं.

बम विस्फोट में 5 बच्चे हुए घायल, 4 की हालत गंभीर

संवाददाता ।बेगूसराय

बेगूसराय में मंगलवार को संदिग्ध बम विस्फोट में पांच बच्चे घायल हो गए हैं. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है. बम निरोधक दस्ता एवं एफएसएल टीम को बुलाया गया है. बताया जाता है कि पहसारा गांव निवासी बैद्यनाथ सिंह के खंडहरनुमा घर के समीप कुछ बच्चे खेल रहे थे. घर के अंदर गेंद चले जाने पर उसे निकालने के लिए बच्चा घुसा तथा गेंद के साथ एक टेप लगा डिब्बा लेकर बाहर आया. पटक कर डब्बा खोलने के दौरान तेज धमाके के साथ सभी बच्चे घायल हो गए. जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े तो सभी बच्चे गंभीर रूप से घायल थे. इसके बाद घायल बच्चे नीतीश कुमार, सिंटू कुमार, मौसम कुमारी एवं पुत्र अंकुश कुमार व स्वाति कुमारी को ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए बेगूसराय के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जिसमें चार बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है. एक बच्चे का दोनों पंजा उड़ गया है. स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है.

थाने के बैरक से मिला एमटी प्रभारी का शव

भागलपुर । भागलपुर जिले के इशाकचक थाना क्षेत्र स्थित महिला थाना के फर्स्ट फ्लोर पर एमटी प्रभारी ने आत्महत्या कर ली. सोमवार की दोपहर बिहार पुलिस के सार्जेंट एमटी प्रभारी का शव डाइनिंग रूम से बरामद किया गया. जानकारी के मुताबिक एमटी प्रभारी देर रात गश्ती कर वापस अपने बैरक लौटे थे, जब उसको सरकारी काम के लिए सुबह फोन किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया. बाद में उनका शव महिला थाना के बैरक से मिला. घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर भागलपुर रेंज डीआईजी विवेकानंद, सीनियर एसपी आनंद कुमार, पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली.

कारोबार

अमृत को ग्राहक संपर्क प्रमुख नियुक्त किया

नयी दिल्ली । वाहन बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने अमृत बैद को विपणन और ग्राहक संपर्क प्रमुख नियुक्त किया है. अमृत बैद एक फरवरी 2024 से पदभार संभालेंगे. वह प्रदीप श्रीनिवास का स्थान लेंगे, जो अब मर्सिडीज-बेंज एजी मुख्यालय में पदस्थ होंगे. अमृत वर्तमान में मर्सिडीज-बेंज मलेशिया की विदेशी विपणन टीम से जुड़े हैं. मर्सिडीज-बेंज इंडिया के उपाध्यक्ष लांस बेनेट ने एक बयान में कहा कि अमृत काफी प्रतिभाशाली हैं जिनका भारत में प्रमुख विपणन अभियानों की रणनीति तैयार करने और उन्हें कारगर करने का सिद्ध रिकॉर्ड है.

डीबी रियल्टी ने जुटाए 301 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली । डीबी रियल्टी के प्रवर्तकों ने कंपनी में करीब तीन प्रतिशत हिस्सेदारी 301 करोड़ रुपये में बेच दी है. कर्ज चुकाने के लिए कंपनी ने यह कदम उठाया है. मुंबई स्थित कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, प्रवर्तक समूह ने कंपनी के 1.46 करोड़ शेयर यानी 2.91 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है. उक्त शेयरों की बिक्री से 301 करोड़ रुपये जुटाए गए. प्रवर्तक समूह ने संबंधित लेनदेन और असुरक्षित ब्याज मुक्त ऋण के पुनर्भुगतान के रूप में आय का एक बड़ा हिस्सा कंपनी में निवेश किया है. कंपनी 30 नवंबर 2023 को या उससे पहले एकल आधार पर ऋण मुक्त हो जाएगी.

अडाणी की कंपनियों के शेयरों में उछाल

नयी दिल्ली । अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में उछाल आया. अडाणी टोटल गैस के शेयर करीब 20 प्रतिशत चढ़े. समूह की सभी 10 सूचीबद्ध कंपनियों ने शुरुआती कारोबार में तेज बढ़त के साथ कारोबार किया. बीएसई पर अडाणी टोटल गैस के शेयर में 19.61 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. वहीं अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में 13 प्रतिशत, पावर के शेयर में 8.46 प्रतिशत, ग्रीन एनर्जी के शेयर में 7.84 प्रतिशत, एंटरप्राइजेज के शेयर में सात प्रतिशत, विल्मर के शेयर में 6.86 प्रतिशत और एनडीटीवी के शेयर में 6.42 की तेजी आई.

देश की कई ऑटो कंपनियों ने की एक जनवरी से गाड़ियों की कीमत में बढ़ोतरी करने की घोषणा

उपकरणों के बढ़े मूल्य, बढ़ेंगे यात्री वाहनों के दाम

भाषा ।नयी दिल्ली

जिस तरह से देश में वाहनों की मांग बढ़ रही है उसे वाहन कंपनियां अवसर के रूप में देख रही हैं. इसके लिए कंपनियां अपने उत्पाद को बेहतर करने के साथ ही मुनाफे कमाने की सोच रहे हैं. ऐसे में नए साल में कार खरीदने की प्लानिंग करने वाले ग्राहकों के लिए यह झटके वाली खबर है. दरअसल देश की कई ऑटो कंपनियों ने एक जनवरी से गाड़ियों की कीमत में बढ़ोतरी करने की घोषणा कर दी है. इनमें मारुति सुजुकी के अलावा टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, ऑडी इंडिया और मर्सिडीज बेंज इंडिया शामिल हैं. हालांकि इन कंपनियों ने महंगाई और उपकरणों की बढ़ी हुई कीमतों से लागत दबाव के चलते कीमत बढ़ाने का फैसला किया है.

टाटा मोटर्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम अगले साल जनवरी से अपने यात्री और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं. किन वाहनों के दाम कितने बढ़ेंगे, इसकी घोषणा अगले कुछ सप्ताह में की जाएगी. टाटा मोटर्स की गाड़ियों में हैचबैक टियागो से लेकर एसयूवी

बढ़ेंगे दाम

- टाटा मोटर्स की गाड़ियों में हैचबैक टियागो शामिल है
- देश में ऑडी कारों की कीमत 42.77 लाख से शुरू है

सफारी तक शामिल हैं. इनकी कीमत 5.6 लाख रुपये से लेकर 25.94 लाख के बीच है. टाटा मोटर्स ने कहा कि वह वाहन विनिर्माण की बढ़ी हुई लागत के बड़े हिस्से का बोझ खुद उठाती रही है. लेकिन समग्र इनपुट लागत में तीव्र वृद्धि होने से उसे इसका कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालने के लिए विवश होना पड़ा है. टाटा मोटर्स इस समय टियागो, पंच, नेक्सॉन, हैरियर और सफारी मॉडलों की बिक्री करती है. इन वाहनों के कई संस्करण भी उपलब्ध हैं. बाजार में इसकी अच्छी पकड़ है. इसके मुकाबले में मारुति और हुंदैई जसी कंपनियां हैं.

बता दें कि इससे पहले टाटा मोटर्स ने अपने वाहनों को नए उत्सर्जन मानदंडों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जनवरी में कीमतों में 1.2% और मार्च में 5% की बढ़ोतरी की थी. सरकार ने 1 अप्रैल से भारत स्टेज-6 के चरण टू (बीएस-6 टू) के माध्यम से सख्त मानदंड लागू किए, जिसमें वास्तविक समय में ड्राइविंग उत्सर्जन का परीक्षण भी शामिल है, जिससे वाहन निर्माताओं के लिए लागत में वृद्धि हुई है.

वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा की वीकल कैटगरी के सीईओ नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा कि इसमें महंगी और जिंस कीमतों के दृष्टिकोण के आधार पर हमारी जनवरी 2024 से प्रभावी रूप से अपने वाहन उत्पादों के लिए मूल्य वृद्धि करने की योजना है. उन्होंने एक बयान में कहा कि इस संबंध में विस्तृत घोषणा समय आने पर की जाएगी. जर्मन कंपनी ऑडी ने भी कच्चे माल की मांग और परिचालन लागत बढ़ने का हवाला देते हुए अगले साल जनवरी से भारत में अपने वाहनों की कीमतें दो प्रतिशत तक बढ़ाने की घोषणा की है. भारत में ऑडी की गाड़ियों की कीमत 42.77 लाख से 2.22 करोड़ रुपये के बीच है. मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने भी कहा कि वह भी जनवरी से कीमतों में बढ़ोतरी पर विचार कर रही है.

बता दें कि सबसे पहले देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने दाम बढ़ाने की घोषणा की. इसके बेड़े में कम कीमत की छोटी कार ऑल्टो से लेकर मल्टी-यूटिलिटी वीकल इनविक्टो तक शामिल हैं. इनकी कीमत 3.54 लाख रुपये से 28.42 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) के बीच है. कंपनी ने कहा कि मूल्य वृद्धि विभिन्न मॉडलों के लिए अलग-अलग होगी. मारुति सुजुकी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग एंड सेल्स) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि कुछ मॉडलों की कीमत में ज्यादा बढ़ोतरी होगी. उन्होंने कहा कि चारों ओर महंगाई का दबाव है. वस्तुओं के दाम में उतार-चढ़ाव भी है. यही कारण है कि हमने जनवरी में कीमतें बढ़ाने का फैसला किया है.

ओयो ने स्वयं संचालित होटल सेवाएं फिर शुरू की

एजेंसी ।नयी दिल्ली

होटल क्षेत्र से जुड़ा प्रौद्योगिकी मंच ओयो ने कंपनी के ऐप और वेबसाइट के जरिए अपने होटल की सेवाएं फिर से शुरू कर दी है. ये होटल ओयो प्रबंधित होंगे. कंपनी के बयान के अनुसार, कार्यक्रम के तहत ओयो भारतीय महानगरों में 200 प्रीमियम होटल के राजस्व हिस्सेदारी के आधार पर वार्षिक से दीर्घकालिक प्रबंधन अनुबंध करेगा.

यह उसके शीर्ष होटल संचालकों को परिचालन उत्कृष्टता तथा ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाने का अवसर देगा. ओयो ने अपने स्व-संचालित होटल मॉडल को 2020 में कोविड-19 वैश्विक महामारी की पहली लहर की शुरुआत से ठीक पहले बंद कर दिया था. इसे अब तीन साल बाद फिर से शुरू किया जा रहा है. ओयो स्वयं प्रबंधित करेगी. ओयो शुरुआती चरण में 30 रियल एस्टेट कंपनियों के साथ साझेदारी की है और 35 से अधिक होटलों में परिचालन शुरू किया है. ये होटल दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, गोवा, जयपुर, मुंबई, चेन्नई, पुणे, पांडिचेरी और वडोदरा जैसे प्रमुख शहरों में स्थित हैं. मुख्य व्यापार अधिकारी अनुज ने कहा, हमें अपने शीर्ष होटल कारोबारियों से उत्साहजनक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं. हम 200 होटल के मौजूदा लक्ष्य को बढ़ाने की योजना बना रहे हैं.

एमओयू | भारत बायोटेक की ओर से एक बयान किया गया जारी

सिडनी विवि ने टीका अनुसंधान के लिए किया समझौता

भाषा ।नयी दिल्ली

टीका बनाने वाली प्रमुख कंपनी भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड ने टीका अनुसंधान पहल को आगे बढ़ाने, शैक्षणिक-उद्योग साझेदारी को मजबूत करने और संक्रामक रोगों से निपटने के वैश्विक प्रयासों को बढ़ाने के लिए सिडनी विश्वविद्यालय के संक्रामक रोग संस्थान के साथ साझेदारी की है. भारत बायोटेक की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, कंपनी ने सहयोग के लिए सिडनी विश्वविद्यालय के संक्रामक रोग संस्थान (सिडनी आईडी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं. इसका उद्देश्य भविष्य में किसी महामारी और

संक्रामक रोगों से निपटने के लिए नई पद्धतियों को तैयार करने के लिए मजबूत क्षेत्रीय तथा अंतर-संगठनात्मक सहयोग कायम करना है. बयान में कहा गया, इसके अलावा यह सहयोग टीके और बायोथेरेप्यूटिक्स के विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा-उद्योग की ताकत का भी लाभ उठाएगा. भारत बायोटेक के कार्यकारी अध्यक्ष कृष्णा एल्ला ने कहा, यह समझौता सहयोगात्मक अनुसंधान को सुविधाजनक बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और टीका विज्ञान प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने की हमारी मंशा को दर्शाता है. सिडनी आईडी के उप निदेशक प्रोफेसर जेमी ट्रिकस ने कहा, मानव व पशु रोगों का खातमा करने के लिए सुरक्षित, किफायती तथा प्रभावी नवीन टीकों के विकास के प्रतिष्ठित तथा सामाजिक प्रभावों को कम करके नहीं आंका जा सकता है. भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ मिलकर हमारा लक्ष्य वैश्विक स्वास्थ्य पर स्थायी प्रभाव डालना है. भारत बायोटेक ने अपने स्वदेशी रूप से विकसित कोवैक्सीन के साथ कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी.

इस साल मोटर वाहन खुदरा बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर: फाडा

नयी दिल्ली । इस साल त्योहारी सीजन में मोटर वाहन की खुदरा बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई. ट्रैक्टर के अलावा सभी खंडों में सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज की गई है. वाहन डीलर के निकाय फाडा ने मंगलवार को यह बात कही. इस साल 42 दिन के त्योहारी सीजन में वाहन की कुल बिक्री 19% बढ़कर 37,93,584 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल यह 31,95,213 इकाई थी. नवरात्रि के दिन से शुरू होकर और धनतेरस के 15 दिन बाद समाप्त हुए यात्री वाहन की खुदरा बिक्री 10% बढ़कर 5,47,246 इकाई हो गई.

जूबिलेंट फूडवर्क्स की 51.16% हिस्सेदारी लेने की योजना

एजेंसी ।नयी दिल्ली

जूबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि वह डोमिनोज पिज्जा की फ्रेंचाइजी कंपनी डीपी यूरेशिया में अतिरिक्त 51.16 प्रतिशत हिस्सेदारी का करीब 670 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने की तैयारी में है. कंपनी के पूर्ण-स्वामित्व वाली इकाई जूबिलेंट फूडवर्क्स नीदरलैंड्स (जेएफएन) के पास डीपी यूरेशिया में फिलहाल 48.84 प्रतिशत हिस्सेदारी है. डीपी यूरेशिया के पास तुर्किए, अजरबैजान और जॉर्जिया में डोमिनोज पिज्जा ब्रांड के फ्रेंचाइजी अधिकार हैं. जूबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड (जेएफएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी इकाई जेएफएन डीपी यूरेशिया में अतिरिक्त हिस्सेदारी का

अधिग्रहण खुली पेशकश, बाजार से खरीद और शेयर पूंजी के जरिये करने की योजना बना रही है. कंपनी के मुताबिक, पूरी तरह नकद में होने वाले इस सौदे का कुल मूल्य करीब 7.33 करोड़ यूरो (लगभग 670 करोड़ रुपये) रहने का अनुमान है. इस अधिग्रहण के लिए वित्त का इंतजाम एचएसबीसी से दीर्घावधि ऋण-सुविधा के जरिये किया जाएगा. जेएफएल ने कहा कि वह अपनी तरफ से इस ऋण की गारंटी देगी.

नवउदारवाद की नाकामयाबी

एक सप्ताह में दुनिया के दो छोर पर बसे दो देशों में कट्टर धुरदक्षिणपंथी नेताओं के चुनावी जीत ने दुनिया भर के उदारवादी लोकतांत्रिक समूहों को चिंता में डाल दिया और नवउदारवादी आर्थित नियंताओं के चेहरे पर परेशानियों की लकीरें खींच दी है. चूंकि धुर दक्षिणपंथ कोई राजनीतिक दुस्वप्न भर नहीं है, वह एक जमीनी हकीकत बन कर उन तमाम मूल्यों, आर्थिक संरचनाओं और वैश्विक सहयोग को प्रकारांतर से चुनौती दे रहा है. धुर दक्षिणपंथ का मतलब है मोटेतौर पर ऐसी राजनीति से खास समूहों की नफरत और आर्थिक क्षेत्र में घनघोर मोनोपोली की हिमायत करता है. एशिया, यूरोप, अफ्रीका और लातिनी अमेरिका में यह तेजी से पसर रहा है. इटली के बाद नीदरलैंड और अर्जेंटीना में इसकी चुनावी जीत हो चुकी है. ब्राजील की संसद में वह बहुमत में है, जर्मनी के जनमत सर्वेक्षणों में वह चुनावी जीत हासिल कर सकती है, अमेरिका में ट्रंफ पहले से उसका प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. भारत पर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और कारपोरेट हित साधने वाली राजनीति पहले से हावी है. मध्य एशिया में राजतंत्र, मिस्र और मोरक्को में घनघोर दक्षिणपंथी तानाशाही के साथ ही यूरोप के लगभग सभी देशों में इसका उभार बताता है कि वर्तमान आर्थिक नीतियां कारगर साबित नहीं हो रही हैं और मुक्तिदाता की छवि बना कर कोई भी नया मुसोलिनी और हिटलर दुनिया को नयी तबाही की ओर धकेल सकता है. मशहूर अखबार द गार्डियन ने लिखा है कि धुर दक्षिणपंथ के तेज उभार का मतलब है दुनिया में उदार लोकतंत्र और सहभागी आर्थिक नीतियों का कमजोर होना. धुर दक्षिणपंथी अपने विशिष्ट, प्रजातीय-राष्ट्रवादी ब्रांड की राजनीति के तहत जनता को एकजुट करने के लिए जहां आव्रजन और जीवनयापन की लागत के संकट का इस्तेमाल कर रहे हैं, वहीं राजनीतिक प्रतिष्ठान अपनी जमीन बनाए रखने के लिए जूझ रहे हैं. यूरोप के खतरनाक और स्याह अतीत की प्रतिध्वनि करने वाली धुर-दक्षिणपंथी राजनीति के उफनते ज्वार को थामने के लिए राजनीतिक प्रतिष्ठान पर काबिज दलों के पास एक स्पष्ट आर्थिक एजेंडा और राजनीतिक दृष्टि होनी चाहिए. नीदरलैंड के संसदीय चुनावों में धुर-दक्षिणपंथी और इस्लाम-विरोधी लोकलुभावन एजेंडा पेश किया तो अर्जेंटीना में कहा गया कि आज के संकटों का कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन ओर आम कल्याण योजनाएं हैं इन्हें खत्म कर दिया जाएगा. इतने जनविरोधी रुख के बावजूद यदि कोई नेता समर्थन हासिल कर रहा है तो लांकतंत्रवादियों के समक्ष चुनौती गहरी हो जाती है, क्योंकि देर सबेर धुरदक्षिणपंथी नेता न केवल संविधानेतर सत्ता की ओर बढ जाएंगे, बल्कि उनके लिए मानव जाति, गरीब और रोजगार की तलाश में भटकते लोग सत्ता प्रतिष्ठान के लिए चिंता का सबब ही नहीं रहेंगे.

> ब्राजील की संसद में वह बहुमत में है, जर्मनी के जनमत सर्वेक्षणों में वह चुनावी जीत हासिल कर सकती है, अमेरिका में ट्रंफ पहले से उसका प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. भारत पर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और कारपोरेट हित साधने वाली राजनीति पहले से हावी है.

सुभाषित

अकृत्यं नैव कर्तव्य प्राणत्यागेऽपि संस्थिते।
न च कृत्यं परित्याज्यम् एष धर्मः सनातनः॥

जो कार्य अच्छा नहीं होने के कारण करने योग्य नहीं है, उसे प्राण देकर भी नहीं करना चाहिए तथा जो काम करना है या करने योग्य है, उसे अपना कर्तव्य होने के कारण प्राण देना पडे तो भी करना नहीं छोडना चाहिए, क्योंकि वही कर्तव्य सुफल होकर मनुष्य के सामने आ जाता है.

बढ़ती भीड़ में जीवन बनता भार

इस युग में कहीं वादों की भीड़ हैं, तो कहीं दावों की भीड़ है. डॉक्टर में पास नुस्खों की भीड़ है तो नेताओं के विकास के नुक्शा की भीड़ है. वकीलों के पास मुकदमों की भीड़ है तो पुलिस के पास झगड़ा निपटारे की भीड़ है. अब यह भीड़ हमारे विचार एवं संबंध पर भी हावी है. झूठे पद-प्रतिष्ठा की भीड़ से व्यक्ति अब मिथ्या उच्च विचारों के भीड़ में खुद को सुखी पाता है. टीवी की बहस में उच्ची आवाजों की भीड़ है, जिससे विचार शून्यता की भीड़ बनती है. इस भीड़ में सब अकेले हैं.

• देश-काल

डॉ. मयंक मुरारी

भीड़ एक शब्द नहीं भाव है. इसका व्यापक प्रभाव है. आधुनिक जीवन में भीड़ एक व्यवस्था बन चुका है. इसने हम सबकी जिंदगी को नियंत्रित कर लिया है. चारों तरफ बस भीड़ है. आदमी की भीड़. बातों की भीड़. आगे निकल जाने के लिए भीड़. विश्वास और विरोध की भीड़. बढ़ती तकनीक की, टूटते मूल्य की, छूटते जीवन और संबंधों की भीड़. इन सबमें जीवन का सजल रूप खो गया है. भीड़ में हम सब अकेले हैं, लेकिन भीड़तंत्र के साथ हैं. जहां देखिए! वहां बस भीड़ है. बाजार में, देवालय में, यात्रा में, सेवा में, आध्यात्म में और मृत्यु में भी यह भीड़ पीछा नहीं छोड़ता है. यह भीड़ सभी को पसंद है. सोशल मीडिया पर लाइक, फॉलो, शेयर की भीड़ चाहिए. राजनेता, धर्मगुरू और टीचर को अपने शिष्यों एवं कार्यकर्ताओं की भीड़ चाहिए. जितनी भीड़ उतना व्यक्ति प्रभावशाली! व्यक्ति की पहचान, सफल राजनेता की ताकत, बेस्टसेलर किताब का आधार, बड़े डॉक्टर की कसौटी और मीडिया की टीआरपी का निर्धारण यह भीड़ ही करता है. हमारी सामाजिक मापदंड और सफलता की व्यवस्था यह भीड़ ही निर्धारित करती है. इस युग में कहीं वादों की भीड़ हैं, तो कहीं दावों की भीड़ है. डॉक्टर में पास नुस्खों की भीड़ है तो नेताओं के विकास के नुक्शा की भीड़ है. वकीलों के पास मुकदमों की भीड़ है तो पुलिस के पास झगड़ा निपटारे की भीड़ है. अब यह भीड़ हमारे विचार एवं संबंध पर भी हावी है. झूठे पद-प्रतिष्ठा की भीड़ से व्यक्ति अब मिथ्या उच्च विचारों के भीड़ में खुद को सुखी पाता है. टीवी की बहस में उच्ची आवाजों की भीड़ है, जिससे विचार शून्यता की भीड़ बनती है. इस भीड़ में सब अकेले हैं. भौतिक संपन्नता की भीड़ है, लेकिन संबधों की भीड़ गायब है. सामानों की भीड़ है, लेकिन उपयोग के लिए समय नहीं है. घर के कोने-कोने में सामानों की भीड़ है, लेकिन फिर भी सुख नहीं ! डाइनिंग टेबल पर मेन्यू की भीड़ है, लेकिन शरीर की असमर्थता की मजबूरी है. यह भीड़ कभी हमारी मजबूरी तो कभी हमारी मजबूती का सिंबल होता है, लेकिन हरेक स्थिति में हम भीतर से खोखले होते हैं. हम व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन की बातों की भीड़ करते हैं, लेकिन जिम्मेदारी की बातों में उसका अभाव दिखता है. बढ़ती भीड़ के बीच सब अकेले हैं. मन में विचारों की भीड़ है, मस्तिष्क में पद-प्रतिष्ठा पाने की जिद है. जानकारी की भीड़ है, लेकिन ज्ञान गायब है. मित्रों की भीड़ में प्रेम नदारद है. साहित्य की भीड़ में सृजन नगण्य है. हमारे समाज की संरचना में आपसी संबंध अब जरूरत तक सीमित है. फिर भी आडंबर के आवरण की भीड़ है. जब भीड़ होगी तो नियंत्रण आसान होगा. इसलिए हम भी भीड़ से खुश है. नियंत्रित करने की इच्छा में खुद दूसरे के नियंत्रण में है. आज समाज नहीं है, भीड़तंत्र है. इस भीड़ में सबके अलग-अलग हितों का मेला है, लेकिन इस मेला में हरेक व्यक्ति अकेला है. विडंबना यह कि सबको पता है, लेकिन भीड़ से अलग पहचान की बहुत कम प्रयास है.

मनुष्य होने की पहली शुरुआत भीड़ से मुक्ति है. भीड़ सदैव ही ज्ञान के नये अंकुर को आने के पहले ही मोड़ देती है. भीड़ के कारण ही कोई बिरला बुद्ध, महावीर, शंकर और कबीर बनता है. भीड़ में अगर गांधी चलते तो अपने पदचिह्न अलग नहीं बनाते. इसलिए उन्होंने अपने राजनीतिक गुरु गोखले को कहा कि पहले हमको भारत का दर्शन करने दीजिए. जब दर्शन करके लौटे, तो गांधी के शरीर से पूरा लिबास उतर चुका था, केवल एक लंगोट बचा था, जिसे वह आजीवन पहने रहे. भीड़ ही हमें संकेत करती है कि हम अगल हटकर कैसे जाए? हमको स्वयं पर विश्वास करने का ताकत देती है, भीड़ बताती है कि लीक पर चलने से कुछ नहीं मिलेगा. यह लोकतांत्रिक पद्धति नहीं, बल्कि भीड़ की बनी-बनायी व्यवस्था है. यह भ्रम और मायाजाल की ऐसा वातावरण बनाती है, जिसमें हमें लगता है कि जहां बहुत लोग साथ है, तो वे सत्य होंगे ही. सत्य की कसौटी हमारी जिज्ञासा नहीं, हमारी खोज नही, बल्कि भीड़ का होना कसौटी है. हमें अकेला होने का डर होता है, अतएव हम साथ चलते हैं.

यह भीड़ भी अजीब है. यहां आस्तिक भी हैं, नास्तिक भी हैं. भीड़ ने सबको जकड़ रखा है. सड़क से लेकर घर तक और घर में उपकरण एवं तकनीकी का एक अलग मायाजाल है. तकनीक के मायाजाल में भीड़ भी नहीं भीड़ की मृगमरीचिका है. इस कारण अब जो गुणा-भाग हम सहज ही अंगुली और जुबानी कर लेते थे, उसके लिए उपकरण की जरूरत होती है. तकनीक की भीड़ ने हमें साधारण मोबाइल से स्मार्टफोन और वहां से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक. हमारे दिमाग की क्रियाशीलत पर सूचना एवं तकनीक का द्वंद्व जारी है.

जीवन में ज्ञान खोजना है, सत्य मुझे पाना है और जीवन मुझे जीना है. लेकिन, हमें स्वयं पर कोई विश्वास नहीं है! मन में उत्सुकता नहीं उठती है, भीतर में कोई जिज्ञासा जन्म नहीं लेता है. बस मन और मस्तिष्क की भीड़ पर विश्वास है . ऐसे में यह जीवन यात्रा सफल कैसे हो सकती है ? जहां हमको स्वयं पर विश्वास चाहिए, वहां हमारा मन समूह को खोजता है. समूह के मन, समूह के ज्ञान और समूह के रास्ते पर ही चलने को प्रेरित होता है. भीड़ की यात्रा सभ्यता के उषा काल से जारी है. ज्ञान की यात्रा अकेले की है. जिज्ञासा की यात्रा स्वयं के अंतर के मौन की है. हम सालों से मन के घेरे में हैं. हम भूल गये कि व्यक्ति का अस्तित्व समूह में नहीं है. सत्य की खोज का पथ अनजान पगडंडियों पर चल कर मिलती है. ज्ञान के लिए स्वयं से संवाद करना होता है. यह भीड़ का पथ नहीं है. इसलिए सबसे पहले हमें भीड़ नहीं व्यक्ति होना होगा. जिस समय हम व्यक्ति होंगे, उसी समय हमारा रास्ता भीड़ से अलग होगा.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

भगवान की तलाश

सदग्रंथ, सुसंत और भक्त कहते हैं कि भगवान सर्वव्यापी हैं. घट-घट वासी हैं. कण-कण में भगवान हैं. फिर भी भगवान नहीं मिलते. क्यों? जैसे ग्रंथों में अपार ग्यान का भंडार भरा है और ग्रन्थ सब जगह उपलब्ध भी हैं. फिर भी वह ज्ञान सहज प्राप्त नहीं है. न ही ज्ञान ग्रन्थ (जिसमें ज्ञान भरा है) के अवलोकन से और न ही स्पर्श से प्राप्त होता है. और तो और ज्ञान ग्रंथों को पढ़ डालने से भी प्राप्त नहीं होता. ठीक ऐसे ही कण-कण में भगवान हैं और न ही दिखते हैं और न ही प्राप्त होते हैं. जैसे ग्रंथों से ज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना, ध्यान, चिंतन-मनन, प्रेम और विश्वास चाहिए. ठीक ऐसे ही कण-कण रूपी ग्रन्थ में बसे ज्ञान रूपी भगवान को प्राप्त करने के लिए साधना, ध्यान, चिंतन-मनन, प्रेम और विश्वास चाहिए. मालूम हो सबको ज्ञान प्राप्त नहीं होता. ठीक ऐसे ही सबको भगवान प्राप्त नहीं होते. यह भी ध्यान देने योग्य है कि ग्रंथों से ज्ञान प्राप्त कर लेना तो आसान है, लेकिन कण-कण में बसे भगवान को प्राप्त करना आसान नहीं है. लोग भगवान को खोजते हैं. भगवान को जानना, पाना अथवा देखना चाहते हैं. और भगवान स्वयं भक्त खोजते रहते हैं. लोग भगवान को तलाशते हैं और भगवान लोगों को. सच्चे भक्त की तलाश उन्हें हमेशा रहती है. सच्चे भक्त को भगवान को तलाशने की आवश्यकता ही नहीं रहती. भगवान स्वयं आकर मिलते हैं. कोई कितना ही बड़ा, संत, ज्ञानी अथवा विद्वान क्यों न हो, यदि उसमें भक्ति नहीं है, तो उसे भगवान कदापि नहीं मिलेंगे. वहीं दूसरी ओर कोई कितना भी छोटा अथवा मूर्ख ही क्यों न हो, यदि उसमें भक्ति है, तो उसे भगवान मिल जायेंगे. सारा संसार भगवान को प्रिय है, लेकिन भक्त सबसे प्रिय है . भगवान केवल सच्चे भक्त को मिलते हैं, और किसी को नहीं. भगवान को ढकोसला और बनावट बिल्कुल रास नहीं आती, रास आती है तो सरलता, मन की निर्मलता. भगवन तो मिलना चाहते हैं, प्रकट होना चाहते हैं. इसके लिए वे बेताब रहते हैं, लेकिन मिलें तो किससे? किसके सामने प्रकट हों? उन्हें योग्य अधिकारी चाहिए? अनधिकारी को कुछ भी देना पाप-अधर्म होता है. भगवान अनघ और धर्म स्वरूप-धर्म धुरंधर हैं,

मार्ग प्रशस्त करतीं यायावर की कृतियां

• जयंती

विजय केसरी

झारखंड के जाने माने साहित्यकार कवि, संपादक, आलोचक, समीक्षक भारत यायावर की कृतियां सदा हिंदी सेवियों का मार्ग प्रशस्त करती रहेंगी. आज उनकी कृतियां एक रचनावली की मांग कर रही है. भारत यायावर का संपूर्ण जीवन साहित्य सृजन और खोज में बीता था. उन्होंने विपुल साहित्य का सृजन किया. हिंदी साहित्य की हर विधा पर जमकर लिखा. उन्होंने अपने जीवन का बहुत ही महत्वपूर्ण समय महान कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु एवं महावीर प्रसाद द्विवेदी की रचनावली के निर्माण में लगा दिया था. अपने जीवन के अंतिम दौर में उन्होंने रमणिका गुप्ता की रचनावली को भी पूरा कर लिया था. झारखंड के प्रख्यात कथाकार राधा कृष्ण की रचनावली पर काम कर ही रहे थे कि उनका निधन हो गया. उनका मत था कि एक साहित्यकार अपने जीवन में बहुत कुछ रचता है. वह विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में छपता रहता है. इन पत्र-पत्रिकाओं में उक्त साहित्यकार की कई महत्वपूर्ण रचनाएं छप चुकी होती हैं. जिसका साहित्यिक मूल्यांकन होना बाकी होता है. जब मूल्यांकन का समय आता है, तब तक पत्रिकाओं में छपी उस लेखक की रचनाएं साहित्यकारों, आलोचकों, समीक्षकों और शोधकर्ताओं की पहुंच से दूर हो जाती हैं. अगर किसी खोजकर्ता व शोधकर्ता ने उस लेखक की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में छपी रचनाओं को संकलित कर एक रचनावली का रूप प्रदान कर देता है, तब उस लेखक की रचनाएं पुनर्जीवित हो जाती हैं. अब उसकी रचनाएं समय के साथ संवाद करने लगती हैं. अर्थात रचनावली उक्त लेखक की रचनाओं को एक नया जीवन प्रदान कर देती है. भारत यायावर ने साठ से अधिक पुस्तकों का सृजन किया था. फणीश्वर नाथ रेणु रचनावली एवं महावीर प्रसाद द्विवेदी रचनावली कुल सोलह खंडों में है. शेष उनकी पुस्तकें काव्य संग्रह, आलोचना, समीक्षा एवं विविध साहित्यिक विषयों पर आधारित है . इसके अलावा भी विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं एवं फेसबुक पर इनकी अनगिनत रचनाएं बिखरी पड़ी हुई हैं. वे नियमित रूप से लिखते थे. विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में अपनी सामग्री भेजा करते थे. उनकी सामग्री जहां की तहां पड़ी हुई हैं. उनकी कविताएं, आलोचनाएं, समीक्षाएं और हिंदी साहित्य के विविध विषयों पर लिखे लेख बहुत ही महत्वपूर्ण है . उनकी रचनाएं नए लेखकों कवियों, समीक्षकों, संपादकों के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं. आज भारत यायावर की रचनाएं एक प्रश्नावली की मांग कर रही हैं. जब तक भारत यायावर इस धरा पर रहें, सदा गतिशील रहे, सदा रचनारत रहे. साहित्य के अलावा उन्होंने इधर उधर बिल्कुल झांका नहीं. हिंदी साहित्य ही उनके जीवन का सब कुछ था. वे हिंदी साहित्य के इनसाइक्लोपीडिया बन गए थे . हिंदी साहित्य पर क्या कुछ लिखा जा रहा है? उनके पास बिल्कुल ताजा जानकारी रहती थी. पूर्व के रचनाकारों ने हिंदी साहित्य को किस तरह समृद्ध किया है? इस पर उनकी टिप्पणी सुनते बनती थी. उनकी बातों को सुनकर प्रतीत होता था कि उन्हें हिंदी साहित्य की कितनी जानकारी थी. भारत यायावर की प्रकाशित व अप्रकाशित रचनाओं की खोज हिंदी साहित्य के लिए बहुत जरूरी है. भारत यायावर एक तपस्वी की तरह अपना संपूर्ण जीवन हिंदी साहित्य को समर्पित कर दिया था. उन्होंने साहित्य की गहराइयों में जाकर जीवन भर खोज, चिंतन और मनन किया था. उउनकी खोज पूर्ण रचनाएं समय-समय पर विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में छपती रहती थीं. उनकी कई महत्वपूर्ण रचनाएं हिंदी दैनिक अखबारों में भी छपती रहती थीं. वे पिछले लगभग आठ दस वर्षों से फेसबुक पर नियमित रूप से कुछ न कुछ लिखा करते थे. उनके एक-एक लेख पर सैकड़ों टिप्पणियां आती थीं. अब जरूरत है, उनके लेखों को संकलित कर एक रचनावली का रूप देने की. भारत यायावर का जन्म हजारीबाग के एक छोटे से गांव कदवा में जरूर हुआ था, लेकिन उनका साहित्यिक संसार बहुत ही विशाल था. उन्होंने प्रांत की सीमा को बहुत ही कम उम्र में लांघ दिया था. उन्होंने राष्ट्रीय क्षितिज पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई थी. देशभर से उन्हें बड़ी बड़ी गोष्ठियों से आमंत्रण मिलता था. वे इन गोष्ठियों में बहुत ही गर्मजोशी के साथ शिरकत करते थे. इन गोष्ठियों में उनकी साहित्यिक बातों एवं कविताओं को सुनने के लिए लोग दूर-दूर से आया करते थे. वे इन गोष्ठियों के मुख्य वक्ता बन जाते थे. उनकी विद्वत्ता पूर्ण बातों की चर्चा आज भी होती है.

> भारत यायावर ने साठ से अधिक पुस्तकों का सृजन किया था. फणीश्वर नाथ रेणु रचनावली एवं महावीर प्रसाद द्विवेदी रचनावली कुल सोलह खंडों में है. शेष उनकी पुस्तकें काव्य संग्रह, आलोचना, समीक्षा एवं विविध साहित्यिक विषयों पर आधारित है . इसके अलावा भी विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं एवं फेसबुक पर इनकी अनगिनत रचनाएं बिखरी पड़ी हुई हैं.

एक बर्खास्तगी का तकनीक पर असर

• देशांतर

अंजन रॉय

सैमऑल्टमैन रातों-रात विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हो गये हैं, इसलिए नहीं कि उन्होंने पहले ही कुछ हासिल कर लिया था, जो कि मौलिक था, बल्कि इसलिए क्योंकि उनके द्वारा स्थापित स्टार्टअप फर्म के निदेशक मंडल ने उन्हें बिना गंभीरता से सोचे-समझे ही बर्खास्त कर दिया था. सैमऑल्टमैन कम उम्र में ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए सॉफ्टवेयर विकसित करने में अपनी भूमिका के लिए एक किंवदंती बन गये थे, जिसे बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) के रूप में जाना जाता है. उस आधार पर, उनकी फर्म, ओपन एआई ने 'चैटजीपीटी' सॉफ्टवेयर विकसित किया था. यह एक बहुमुखी एआई मॉडल है, जो बहुआयामी नई प्रौद्योगिकी व्यवस्था का चमत्कार था. अब, वस्तुतः इस प्रणाली के निर्माता को उस कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा बाहर निकाल दिया गया, जिसके वे अध्यक्ष थे और जिसने चैटजीपीटी सॉफ़्टवेयर का निर्माण किया था. प्रथम दृष्टया, यह फर्म के प्रमुख, ऑल्टमैन और इसके मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी के बीच व्यक्तित्व का टकराव था. ऑल्टमैन को बर्खास्त करने का कारण यह बताया गया कि बोर्ड के साथ उनके संचार भ्रामक थे और उन्होंने पर्याप्त जानकारी नहीं दी थी.सैम को बर्खास्त करने से ओपन एआई के शेयर की कीमतों में तुरंत गिरावट आई. निवेशक बोर्ड के खिलाफ़ हो गये और उससे ऑल्टमैन को कंपनी में वापस बुलाने के लिए कहा. अन्य स्टाफ सदस्य भी परेशान थे और एक पत्र में उन्होंने मांग की कि सैमऑल्टमैन को वापस लाया जाये. ऐसा कहा जा सकता है कि बोर्ड को अपमानित किया गया. लेकिन फिर, जब तक निवेशकों और कर्मचारियों ने प्रतिक्रिया दी, तब तक कुछ और हो चुका था. माइक्रोसॉफ्ट, जिसने ऑल्टमैन के ओपन एआई का समर्थन किया था, ने इस खबर पर हल्की प्रतिक्रिया व्यक्त की और उसे सीधे माइक्रोसॉफ्ट के भीतर एक इन-हाउस एआई टीम चलाने के लिए भर्ती किया. सैमआल्टमैन को माइक्रोसॉफ्ट के अपने एआई संगठन का सीईओ घोषित किया गया. वह माइक्रोसॉफ्ट के लिए दोधारी तलवार थी. सॉफ्टवेयर दिग्गज ने पहले ओपन एआई को एक स्टार्टअप के रूप में बढ़ावा देने के लिए 3 अरब डॉलर खर्च किये थे और अपने अधिक पारंपरिक और लंबे समय से स्थापित सॉफ्टवेयर उत्पादों के साथ-साथ चैटजीपीटी सॉफ्टवेयर को उपलब्ध कराने के लिए उत्सुकता से काम लिया था.

माइक्रोसॉफ्ट के लिए एक समस्या है. इस कंपनी पर 3अरब डॉलर खर्च करने के बाद भी, क्या वह सो रहा था जब ओपन एआई में तूफ़ान बढ़ रहा था? कंपनी के इतने बड़े निवेशक को इसकी भनक तक नहीं थी कि कंपनी में क्या हो रहा है. माइक्रोसॉफ्ट के निवेशक निश्चित रूप से मुद्दे उठायेंगे. एक भी आदमी को हटाने पर भयंकर तूफानी हवाएं उभरीं जो उच्च प्रौद्योगिकी दुनिया की प्रकृति का संकेत है, जिसे हम अब देख रहे हैं. यह उत्तर-औद्योगिक दुनिया है, जिसमें हम प्रवेश कर रहे हैं. यहां कार बनाने की तरह असेंबली लाइन उत्पाद नहीं हैं. यह नयी विश्व व्यवस्था व्यक्तियों और विचारों पर केंद्रित है. एक विचार परिचित दुनिया को बदल सकता है. एक एकल विचार का आश्चर्यजनक व्यावसायिक मूल्य हो सकता है. सभी एआई जवाब मूलतः सांख्यिकीय रिसेशन विश्लेषण हैं. अगर आप स्मार्ट फोन यूजर हैं और मैसेज लिख रहे हैं तो आपके स्मार्टफ़ोन में एम्बेडेड सॉफ़्टवेयर द्वारा आपको अगला शब्द लिखने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जायेगा. अक्सर, यदि आप उच्च-स्तरीय का उपयोग कर रहे हैं, तो संकेत शब्द वही होगा जो आपने सोचा होगा या सबसे उपयुक्त होगा. मशीन आपको ऐसा कैसे संकेत देती है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि फोन में अंतर्निहित सॉफ्टवेयर शब्दों के एक विशाल आधार से होकर गुजरता है जो लिखित या मौखिक भाषा में उपयोग किया जाता है. जिन लाखों शब्दों का अध्ययन किया गया है, उनके सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर, भाषा मॉडल ने अनुक्रम में अगले शब्द के आने की संभावना की गणना की थी. सैमऑल्टमैन की फर्म, ओपन एआई ने इस तकनीक को इस स्तर तक उन्नत किया है कि सॉफ्टवेयर सिस्टम न केवल उपयोग किये जाने वाले अगले शब्द की भविष्यवाणी कर सकता है बल्कि अनेक अन्य सहायता कर सकता है. यह आपको, उदाहरण के लिए, एक कानून परीक्षा प्रश्न (जैसे अमेरिकन बार एसोसिएशन प्रवेश परीक्षा) का उत्तर इतनी अच्छी तरह से देने में सक्षम होगा कि सॉफ्टवेयर आसानी से परीक्षा उत्तीर्ण कर सके.

> सैम को बर्खास्त करने से ओपन एआई के शेयर की कीमतों में तुरंत गिरावट आई. निवेशक बोर्ड के खिलाफ़ हो गये और उससे ऑल्टमैन को कंपनी में वापस बुलाने के लिए कहा. अन्य स्टाफ भी परेशान थे और एक पत्र में उन्होंने मांग की कि सैमऑल्टमैन को वापस लाया जाये. ऐसा कहा जा सकता है कि बोर्ड को अपमानित किया गया.

मीडिया में अन्यत्र

जलवायु परिवर्तन को लेकर प्रयास तेज

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन के निकाय कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज की दुबई में प्रस्तावित 28वीं बैठक से पहले संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने उत्सर्जन अंतर रिपोर्ट जारी की है. दुबई में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन का इसलिए भी विशेष महत्त्व है कि यह विभिन्न देशों के लिए यह आकलन करने का अवसर है कि पेरिस समझौता, 2015 के अंतर्गत तय लक्ष्यों की पूर्ति की दिशा में दुनिया ने कितनी प्रगति की है. परंतु, यह आकलन स्वयं अपने आप में दुनिया के बीच आपसी सहमति से तैयार दस्तावेज प्रतिबिंब ही होगा. इस सम्मेलन में, विशेषकर, उन लक्ष्यों की वर्तमान उपयोगिता पर संभवतः चर्चा नहीं हो पाएगी.उत्सर्जन अंतर रिपोर्ट में इस महत्त्वपूर्ण बिंदु पर ध्यान आकृष्ट किया गया है कि दुनिया में ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) का उत्सर्जन अब भी वैश्विक तापमान में वृद्धि 2 डिग्री से नीचे रखने के लिए जरूरी मात्रा से कहीं अधिक हो रहा है.रिपोर्ट में विशेष रूप से इस बात की चर्चा की गई है कि 'वैश्विक तापमान में वृद्धि 2 डिग्री और 1.5 डिग्री से कम रखने के लक्ष्य तक कम से कम खर्च में पहुंचने के लिए वैश्विक स्तर पर जीएचजी के उत्सर्जन में क्रमशः 28 प्रतिशत और 42 प्रतिशत की कमी आवश्यक है.' पेरिस समझौते में यह सहमति बनी थी कि दुनिया का प्रत्येक देश-राष्ट्र निर्धारित योगदान (एनडीसी) को उत्सर्जन में कमी के वैश्विक प्रयासों के अनुरूप आगे बढ़ाएगा. परंतु, इन बातों का निर्णय देशों पर छोड़ दिया गया है और इस दृष्टिकोण से पेरिस समझौता मात्र एक समझौता ही है, न कि संधि. अधिकांश मामलों में एनडीसी इस बात को उचित महत्त्व नहीं दे पाता है कि कौन से लक्ष्य हासिल हो सकते हैं और कौन आवश्यक हैं.दुनिया के देशों द्वारा हालात के आकलन में इन एनडीसी के अगले चरण के बारे में सूचित किया जाएगा. अनुमान है कि दुनिया के देश 2025 तक एनडीसी सौंप देंगे. यह मालूम होने के बाद कि उत्सर्जन कम करने में दुनिया के देशों ने कितनी प्रगति की है और कौन से उपाय और किए जाने की आवश्यकता है, आशा की जा रही है कि और अधिक महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए जाएंगे.हालांकि, उत्सर्जन अंतर रिपोर्ट हालात की समीक्षा की तुलना में आंखें खोलने वाली हो सकती है. रिपोर्ट में स्पष्ट कर दिया गया है कि एनडीसी को अगर अद्यतन नहीं किया गया तो यह सर्वाधिक संभावित परिस्थितियों में 2035 तक वास्तविक एवं इच्छित उत्सर्जन में अंतर बढ़ा देगा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जाती/जाति

जाति और जाती ऐसे शब्द हैं, जिन्हें लिखने और बोलने में वैसे लोग गलती करते रहते हैं, जो हिंदी वर्तनी से या तो अनजान होते हैं या लापरवाह. पहले शब्द के अंतिम अक्षर 'ति' में ह्रस्व इकार लगा है, किंतु दूसरे यानी जाती के अंतिम अक्षर में दीर्घ ईकार की मात्रा लगी है. दोनों के अर्थ में व्यापक भिन्नता है. इस वाक्य से इसे यूं समझा जा सकता है-यह जानना आवश्यक है जाति-गणना कैसे की जाती है. गणना में किसी का जाती मामला भी आड़े आ सकता है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार जाति संस्कृत मूल का तत्सम शब्द है, जिसका अर्थ है जन्म, पैदाईश, जन्म के अनुसार अस्तित्व का रूप, समाज व्यवस्था में वह श्रेणी जो जन्म के आधार पर निश्चित होती है, समुदाय, समूह, जन्म के आधार पर किया जानेवाला सामाजिक विभाग, राष्ट्र, भौगोलिक परिस्थितियों वंश परंपरा आदि के विचार से किया गया मानव समाज का विभाग, पदार्थों या जीवों की आकृति या गुणधर्म के आधार पर किया गया विभाजन, वर्ग, कोटि, श्रेणी, एक ही प्रकार की आजीविका से जुड़े लोग या समुदाय, काव्य शास्त्र में जाति नामक एक छंद.जाति शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत की जन् धातु से है, जिसका अर्थ प्रजाति, जन्म अथवा भेद के रूप में समझा जा सकता है. अंग्रेजी में जाति को कास्ट कहा जाता है. कास्ट पुर्तगाली शब्द कास्टा से बना है, जिसका अर्थ, नस्ल, प्रजाति और जन्म है. शब्दकोश में इसके दो मूल बताये गये हैं-संस्कृत और अरबी. संस्कृत मूल के जाती का अर्थ होता है एक प्रकार का फूल, चमेली, मालती. इसी प्रकार अरबी मूल के जाती का मतलब है निजी, अपना, व्यक्तिगत, प्राइवेट, वस्तुगत, वास्तविक. आपने कई लोगों को यह कहते सुना होगा-यह उसका जाती मामला है. जाती का एक मतलब जाता क्रिया का स्त्रीलिंग रूप भी है. जैसे रीना घर जाती है. इन शब्दों के प्रयोग में भूल से बचने के लिए वर्तनी पर ध्यान दिया आवश्यक है.

कृपया सभ्यता का परिचय दें

• तीर-तुक्का

रामवृक्ष सिंह

चिन्ता से मुक्ति पाने के लिए हम एक अदद दीवार की ओर मुंह करके, दोनों पैरों पर 'विश्राम' की मुद्रा में आए और आगे की कार्रवाई शुरू करने ही वाले थे कि देखते हैं कि लगभग आंखों की ऊंचाई पर दीवार पर एक कागज चिपका है, जिस पर मोटे अक्षरों में लिखा है- 'कृपया सभ्यता का परिचय दें.' यह देखकर हमने कुछ लमहों के लिए चिन्ता छोड़ चिन्तन का रुख किया. बहुत सोचने पर भी समझ नहीं आया कि सभ्यता को कहां से पकड़ लाएं, ताकि उसका परिचय दिया जा सके. बहुत दिनों से सभ्यता कहीं दिखी भी नहीं. बल्कि अब तो रफ़्ता-रफ़्ता हम यह भी भूल गए हैं कि सभ्यता है किस चिड़िया का नाम! देर तक खोपड़ी खुजलाने पर याद आया कि स्कूल-कॉलेज में बहुत सी मानव-सभ्यताओं के बारे में पढ़ा था- नील नदी की सभ्यता, मेसोपोटामिया की सभ्यता, चीन की सभ्यता, सिन्धु घाटी की सभ्यता, दज़ला-फरात की सभ्यता. ये सारी सभ्यताएं नदियों के किनारे पनपीं और फिर नदियों द्वारा ही लील ली गईं. इधर हम हैं कि अपनी नदियों को ही लीलने पर आमादा हैं. बहरहाल.. अपने गंगा-जमुना के दोआबे में भी बनारस जैसे दुनिया के सबसे पुराने नगर हैं. किन्तु दोआबे में ऐसी किसी सभ्यता का पुरजोर ज़िक्र नहीं मिलता, जिसे नील और सिन्धु घाटी की सभ्यताओं के समकक्ष खड़ा किया जा सके. अलबत्ता यदा-यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति... के क्रम में अपने इस दोआबे में अवतारी पुरुष खूब हुए. कभी राम बनकर तो कभी कृष्ण बनकर. लेकिन ये लोग यहां सभ्यता की मौजूदगी के कारण, उसके स्वाभाविक उत्पाद या बाइ-प्रोडक्ट के रूप में नहीं पैदा हुए, बल्कि असभ्यता, अधर्म, अनाचार आदि के अतिरेक की प्रतिक्रिया-स्वरूप इन्हें मज़बूरी में या परिस्थितिवश अवतरित होना पड़ा- परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्, धर्म संस्थापनार्थाय संभवामि युगे-युगे. ऐसे प्रान्तों में जहां खुद भगवान लोगों को धर्म की संस्थापना के लिए खुत अवतरित होना पड़ता है, वहां दीवार पर पर्चा चस्पा देखकर हम सभ्यता को कहाँ से पकड़ कर लाएं कि उसका परिचय किसी से कराया जा सके? पहले कोई गलती हो जाती थी तो बड़े-बुजुर्ग और जानने-पहचानने वाले लोग ताने देते थे- स्कूल में पढ़ने जाते हो तो मास्टर लोग वहां यही सिखाते हैं क्या? स्कूल में कोई गलती करो तो मास्टर ताने देते थे- घर वालों ने यही संस्कार दिए हैं क्या? अब समय बदल गया है. अध्यापकों और अभिभावकों को अब इस लानत से बरी कर दिया गया है. सभ्यता और संस्कार की कमी होने पर अब मास्टरों और घरवालों, दोनों को कोई ताने-वाने नहीं देता.

Her Story

शादी का रिश्ता स्थायित्व का भान कराता है. बेशक है भी. इस बोध के कारण ही हम जीवनसाथी के प्रति थोड़े आश्वस्त, थोड़े निश्चिंत और हां, थोड़े लापरवाह भी हो जाते हैं. कई बार बोलने के मामले में तो कई बार समझने के मामले में. जिनके साथ जिंदगी गुजारनी और संवारनी है, उनके मामले में यह लापरवाही सही है क्या! जरा ठहरिए! जरा संभलिए! सुनिए उनके मौन को भी. लिहाज-अदब का दामन बिल्कुल छोड़ देना कहां सही है. उनके वजूद को संपूर्णता में स्वीकारिए, क्योंकि...

शुक्रिया तो कहिए

गुड़िया झा

समाज के बिना हमारा अस्तित्व अधूरा है. हमारे आसपास जितने भी लोग हैं वे सब हमारे सहायक हैं. परिजन, डॉक्टर, दोस्त, शुभचिंतक, राशन, दूध, गैस,अखबार वाले, घर में काम करने वाले..., इनका हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है. आज भागदौड़ भरी जिंदगी में हम इनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने में पीछे रह जाते हैं. इन सबके लिए एक छोटी सी पहल तो बनती है.

1. किसी अवसर पर बधाई अवश्य दें

बधाई और धन्यवाद देना एक ऐसी प्रक्रिया है जो सामने वाले को यह एहसास कराती है कि वे हमारे लिए कितने महत्वपूर्ण हैं. अपने मददगारों को उनके जन्मदिन या किसी त्योहार में फोन के माध्यम से मैसेज भेज कर उनके सम्मान को बढ़ाया जा सकता है. किसी की भावनाओं को समझना और उन्हें प्यार देना सबसे बड़ा उपहार है. ऐसा करने से हम सिर्फ उनका ही नहीं बल्कि अपना भी मान बढ़ा रहे होते हैं. जब भी अवसर मिले अपनी तरफ से जहां तक संभव हो सके उनके लिए भी मदद का हाथ आगे बढ़ाएं. इससे हमारी टीम बड़ी होगी और लोगों में एक अच्छा संदेश भी जायेगा.

2. जो प्राप्त है, उस पर गर्व करना जरूरी

" कभी किसी को मुकम्मल जहां नहीं मिलता, कभी जमीं तो कभी आसमां नहीं मिलता" . हर किसी को सबकुछ प्राप्त होना संभव नहीं है. अतः बेहतर यही होगा कि जो हमें प्राप्त है उसके लिए ईश्वर को धन्यवाद दें और उसी पर आगे बढ़ें. इससे आत्मिक खुशी का अनुभव होगा. जो चीजें हमारे पास नहीं हैं उसकी गिनती करेंगे तो खुशियां कोसों दूर हमसे चली जाएंगी. जब भी ऐसा महसूस हो तो उन लोगों की तरफ देखें जिनके पास वो सुविधाएं भी नहीं हैं जो हमारे पास हैं. भोजन के लिए भूख की आवश्यकता होती है और सोने के लिए अच्छी गहरी नींद की ना कि महंगे बिस्तर की. इस अभ्यास में अपने अच्छे पलों को याद करना न केवल हमें रोमांच से भरपूर करेगा बल्कि आने वाले समय में जीवन के हर क्षेत्र में परिवर्तन लाएगा. अपनी इन आदतों से हम चीजों को वर्तमान में महत्व देना शुरू कर देंगे.

3. जो सीखा है उसको महत्व दें

हर किसी के जीवन में उतार चढ़ाव स्वाभाविक है. परिस्तिथियां कभी एक जैसी नहीं होती हैं. सभी परिस्थितियों में हमारे सीखने के लिए नई संभावनाएं होती हैं. जरूरत है इस बात की कि हम उनसे सबक लेकर सीखते कैसे हैं? जीवन को सही तरीके से जीने का हुनर विकसित करना है. यह हमारे दृष्टिकोण को बदलने के लिए है जिससे हम अच्छाई पर फोकस करें.

4. मन की शांति मॉल में नहीं, यहां मिलेगी

मन की शांति वह चीज है जिसे महंगे शॉपिंग मॉल में हम नहीं खरीद सकते हैं. यह हमारे भीतर ही मौजूद है. सबकुछ होते हुए भी अगर हम अशांत हैं तो फिर उन चीजों का हमारे जीवन में कोई महत्व नहीं है. दोस्तों से खुलकर बातें करें. छोटी-छोटी खुशियों के पलों को भरपूर जियें. अपनी पसंद के संगीत सुनें. फिर देखें कैसे हम कहते हैं शुक्रिया ऐ जिंदगी.

फिर से कहो, कहते रहो....

किसी शायर ने क्या खूब लिखा है...."लफ्ज, अल्फाज, कागज, किताब सब बेमानी है / तुम कहते रहो, हम सुनते रहें, इतनी सी कहानी है." वाकई प्यार में "सुनना" एक बड़ा मंत्र है. मजाक में बोलने की मशीन हमें ही कहा जाता है. अक्सर पुरुष भी बोलने की जगह सुनने के ही आदि होते हैं. पर आजमाकर देखिए यह सूत्र कभी. अच्छी श्रोता बनिए. " उनकी" सुनिए और गंभीरता से सुनिए. सुनने में कान के साथ दिल भी लगाएं. उनकी आंखों में झांके, जब वे बोल रहे हों. एक बार आजमा लेंगे यह सूत्र तो यकीनन खुद कहेंगे....बोलते रहना, क्योंकि तुम्हारी बातों से लफ्जों से बहता दरिया अच्छा लगता है.

क्योंकि मतभेद नहीं है मनभेद

प्यार में "मैं" को खत्म कर देने की नसीहत दी जाती है. पर इसका मतलब यह कतई नहीं कि हम अपना वजूद खो बैठें. किसी मसले पर अपनी राय ही अलग नहीं रखें. साथी की हां में हां मिलाते जिंदगी गुजार दें. प्यार का मतलब यह नहीं कि हर छोटी छोटी बातों पर साथी के साथ सहमति हो. एक सर्वे में जब सफल माने जा रहे पचास कपल का इंटरव्यू किया गया तो ज्यादातर के दृष्टकोण, राय, विश्वास आदि में अलगाव नजर आया. पर उनके विचारों में एक दूसरे के दृष्टकोण को लेकर सम्मान दिखा. साथ ही उन बिंदुओं पर जहां मतभेद से विवाद की गुंजाइश थी, वहां एक हास्य बोध की भावना दिखी. सफल वैवाहिक संबंध के महत्वपूर्ण सूत्र यही है, अपना वजूद कायम रखना, साथी के वजूद का सम्मान करना और जहां अधिक विभेद है वहां विवाद की जगह हास्य को समेट लाना.

जिंदगी और कुछ भी नहीं

तेरी-मेरी कहानी है

समझें प्यार की भाषा

प्रोफेशनल लाइफ में बॉडी लैंग्वेज शब्द की बहुत अहमियत है. प्यार की दुनिया में "लव लैंग्वेज" का महत्व इससे रत्ती भर भी कम नहीं. मनोविज्ञान में इन दिनों इस शब्द की महत्ता मानी जा रही है और इसपर कई किताबें लिखी गई हैं. अपने साथी के प्यार की भाषा को पहचाने. आपकी गाड़ी को साफ कर देना, कभी आपको काम में व्यस्त देख कर बच्चों की देखभाल कर देना, कभी आपके हिस्से का काम खुद कर देना या उसकी राह आसान कर देना. कभी केवल हाथों को थाम कर तो कभी कंधे पर हाथ रख कर भी प्यार की भाषा में हजारों शब्दों को व्यक्त किया जा सकता है. मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सफल वैवाहिक जीवन के लिए प्यार की इस भाषा को समझना जरूरी है. आप भी साथी के शौक, पसंद आदि को ध्यान से परखिए और फिर गढ़िए लव लैंग्वेज के प्रतीक. कभी गाना सुनने के भूले बिसरे शौक के लिए रेडिया लाकर तो कभी उनके पसंदीदा लेखक की किताब सिरहाने रखकर.

ये छोटी-छोटी बातें

तमाम प्रगति, तमाम उपलब्धियों और तमाम विकास के बावजूद जिंदगी में कुछ चीजें कभी नहीं बदलती. उनकी ठसक हर जमाने में बरकरार रहती है. वैवाहिक जीवन में ऐसी ही चीज है रोमांस. इसका जादू आज भी वही असर रखता. यह कभी उनके सरप्राइज के तौर उनका पसंदीदा लंच पैक एक छोटा सा नोट रखकर जाहिर हो सकता तो कभी घर की छत/बालकोनी या खिड़की से ही साथ साथ सूर्यास्त देखते हुए रोमांस की गुंजाइश निकाली जा सकती. यह क्या होगा, यह तो आपको ही तय करना होगा, पर होगा बेशक असरदार.

उनकी सम्पूर्णता को चाहें

तीज, करवाचौथ आदि के मौके पर सोशल साइट्स पर कई मजाक वायरल होते हैं. ऐसा ही एक मजाक है कि आखिर क्यों पत्नियां सात जन्मों तक उसी पति की मांग करती हैं. जवाब यह दिया जाता है कि एक जन्म में पति को बदलने की इतनी मशक्कत की गई. अब हर जन्म में कौन इतनी मेहनत करे. इसलिए वही पति बार बार मिले. मजाक पर हंसना चाहे तो हंस लें, पर आपको भी पता ही है कि सफल वैवाहिक जीवन का एक अन्य बड़ा सूत्र स्वीकृति है. जो जैसा है, उसे सी रूप में स्वीकार करना. व्यक्तित्व में आमूल परिवर्तन की चाह कर सकारात्मक परिणाम की उम्मीद नहीं की जा सकती. ऐसी चाहत संबंधों को खत्म करने के लिए खुद किया गया प्रयास ही होगा.

लिहाज यहां भी जरूरी

विवाह के रिश्ते में एक और बात अपने यहां देखी जाती है. आमतौर पर शादी के बाद औपचारिकता की परत तेजी से हटने लगती है. आप से तू तक का दौर भी इन दिनों शादी की सड़क पर सरपट भागता है. होना भी यही चाहिए पर अनौपचारिकता हटने का मतलब यह नहीं है कि साथी को कुछ भी कह दें. मोटा, भोंदा, तोंदू, भूख्खड़ जैसे शब्दों से नवाज दें. पड़ोसी से बात करते समय हम ध्यान रखते हैं कि उन्हें हमारी कोई बात नापसंद न हो. रिश्ते नातों में भी बातों की गरिमा बरकरार रखते हैं. दोस्तों से चुहल मजाक करते हुए भी ध्यान रखते हैं कि शब्दों की आंच से रिश्ते नहीं प्रभावित हो. फिर पति/पत्नी से बात करते समय अपना यह लिहाज किस ताक पर छोड़ आते हैं. इस करवाचौथ धार्मिक संकल्पों के साथ एक संकल्प इसका भी हो कि साथी को भी इस मामले में हम अहम समझें.

सजावट बिगाड़ देंगी ये गलतियां

घर को सजाने के दौरान कई बार हम कुछ गलतियां कर जाते हैं जिससे कमरे का आकर्षण कम हो जाता है. खास कर ड्राइंग रूम सजाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है.

एक साइज के कुशन

आमतौर पर हम अपने घरों में सोफे या दीवान पर रखने के लिए एक ही साइज के कुशन लेते हैं. सोफे पर असमान आकार के कुशन रखें. पहले सबसे बड़ा, फिर छोटा, आखिर में सबसे छोटा कुशन या तकिया रखें. समान साइज के कुशन को एक जगह रखने की बजाय अलग-अलग जगहों पर इस्तेमाल करें.

गलीचे की लंबाई

घरों में कालीन बिछाते समय इसकी लंबाई-चौड़ाई को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है. सजावट में सजावट में प्रवीणों की हिदायत है कि कालीन न अधिक छोटी और न अधिक बड़ा हो, पर इतना लंबा-चौड़ा होना चाहिए कि सोफे के आगे के पाये कालीन के ऊपर आ जाए.

सीनरियों का चयन

सीनरियों की सजावट काफी पसंद की जाती है. पर ये न हो की शौक के कारण कला का गलत प्रदर्शन किया जाए. ऐसी सीनरी का चयन न करें जो नकारात्मक हो. हमेशा खिलते हुए रंग वाली और छोटे कमरे में एक सीनरी लगाएं. बड़ी दीवार पर एक बड़ी सीनरीया फिर छोटी-छोटी कई सीनरियां लगा सकते हैं.

पर्दों की सही जगह

खिड़की के पर्दे टांगने के लिए सही तरीका यह होता है कि खिड़की और सीलिंग के बीच में रॉड पर पर्दों को लटकाया जाए. रॉड दीवार से चिपकी न होकर छह-आठ इंच बाहर की ओर रहे. इससे खिड़की बड़ी दिखाई देती है और पर्दों को लगाने व हटाने में भी आसानी होती है.

फर्नीचर का चयन

घर की सजावट के लिए कई बार ऐसे फर्नीचर खरीद लिए जाते हैं जो कमरे के लुक से बिल्कुल ही मैच नहीं करते. सच पूछिए तो हर कमरे का एक अलग स्वरूप होता है. बेंत के ढेर सारे फर्नीचर के बीच रॉट आयरन का एक स्टूल या सोफा ऑड ही लगेगा. इसी तरह फर्नीचर के रंग और बनावट का आपसी सामंजस्य भी मायने रख है.

ट्रेंड में ये फुटवियर स्टाइल के साथ कंफर्ट में हिट

फुटवियर की इतनी वेरायटी मार्केट में हैं कि हम सबके एक-दो कलेक्शन भी रखें तो भी इतने हो जाएं कि संभाले न संभले. आज हम कुछ की चर्चा करें जो स्टाइल के साथ कंफर्ट के मामले में भी हिट हो...

प्लेटफॉर्म हील्स विद ग्लैडिएटर

शॉर्ट लॉन्ग स्कर्ट, हॉट पैंट आदि के साथ ग्लैडिएटर फुटवेयर विद हिल्स जमते हैं. ऑफिस के लिए खास कंफर्टेबल क्योंकि लंबे समय तक इसे पहनना कष्टकारक नहीं.

फंकी एस्पेड्रिल शूज

पलाजो, ट्यूनिक सा लॉन्ग ड्रेस या किसी और कैजुअल के साथ कैरी करें. लेदर, डेनिम, रेक्सीन या जूट मटीरियल में शूज एक बड़े रेंज में उपलब्ध हैं.

कैनवस पार्टी शूज

इन दिनों सुंदर पेंटिग वाले, मोती-सितारे जड़े कैनवस शूज मार्केट में अवेलेबल हैं. यानी आराम के साथ स्टाइल भी. शॉपिंग के लिए जाना हो या कहीं प्राकृतिक स्थल की सैर के लिए, परफेक्ट च्वॉइस है.

फ्लैट फुटवेयर लेसअप सैंडल

स्ट्रिप पैटर्न पर बने लेस शूज या सैंडल कैजुअल वीयर पर खूब जमते हैं. लेदर, कॉटन और जूट मटेरियल में मार्केट में उपलब्ध हैं.

स्मॉल ब्लॉक हील्स बेली

स्मॉल ब्लॉक हील्स इन दिनों चलन में है. जिन्हें पेंसिल हील कैरी करने में दिक्कत होती है, उनके लिए बेहतर विकल्प है. पैरों को आराम के साथ स्टाइलिश लुक देती है. ग्लिटर या पर्ल वर्क की बेली इन दिनों ट्रेंड में है.

फाइबर रखेगा जिगर के टुकड़ों को स्वस्थ

पिज्जा, नूडल्स के दीवाने बच्चों की थाली से रेशा यानी फाइबर गायब हो रहा. नतीजन पेट दर्द, मोटापा, कब्जियत की शिकायत आम है. जानिए कैसे और कितना फाइबर बच्चों की थाली में लाए जिससे आंखों का तारा रहे स्वस्थ, खुशहाल.....

एक स्वयं सेवी संस्था की ओर से कराए गए रिसर्च के अनुसार अपने देश में करीब 58 प्रतिशत बच्चे कब्जियत यानि कॉनस्टिपेशन के शिकार हैं. इस समस्या के कारण ही बच्चों में पेट दर्द की शिकायत आम है. नन्हे मुन्नों की इस शिकायत पर माता-पिता अस्पतालों और डॉक्टर के क्लीनिक के चक्कर लगाते रहने को विवश होते हैं. चिकित्सकों का कहना है कि खानपान की गलत आदतों के कारण ही बच्चों में पेट दर्द, कब्जियत, मोटापे आदि की समस्या बढ़ रही है. दरअसल फाइबर जितना बड़ों के लिए जरूरी है, उतना ही छोटे बच्चों की थाली में भी आवश्यक है. अगर दिन प्रति दिन के भोजन में उन्हें पर्याप्त मात्रा में फाइबर मिले तो ऐसी समस्याओं से निजात जरूर मिलेगी.

बीमारियों से बचाव

पिज्जा, पास्ता, बर्गर पसंद करने वाले आज के बच्चों की थाली में फाइबर नदारद दिखता. इसी कारण पेट दर्द, कब्जियत, मोटापे आदि शारीरिक समस्याओं के वे शिकार हो रहे. डाइट में रेशा यानि फाइबर इन समस्याओं से दूर करता है. यह हमारे पाचन तंत्र को दुरूस्त रखता है. आंतों को सही तरीके से काम करने में फाइबर यानि रेशा मददगार है. इसके नियमित सेवन से ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रण में रहता है. दरअसल यह खून में अवशोषित होने वाले ग्लूकोज को नियंत्रित करता है. इस दिशा में हुए कई रिसर्च जाहिर करते हैं कि इसके नियमित सेवन से बच्चों में टाइप टू डायबिटीज का खतरा कम होता है. यह शरीर में बैड कॉलेस्ट्रॉल का लेवल भी कम करता है. इस कारण इसके नियमित और संतुलित उपयोग से नौनिहाल दिल की बीमारियों से भी महफूज रहते हैं. चिकित्सकों के अनुसार बच्चों के विकास में भी यह अहम रोल निभाता है.

ज्यादा नहीं बस थोड़ा

बेशक रेशा हमारी डाइट में बहुत अहमियत रखता पर एक संतुलित मात्रा में ही इसे अपनाने की सलाह चिकित्सक देते हैं. बच्चे हों या बड़े, आहार में अचानक से रेशे की मात्रा बढ़ा देंगे तो शरीर पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं. एक तो इसके कारण पेट भरा भरा सा लगता है. इस कारण बच्चे दूसरे पौष्टिक चीजों को नही खा पाते. अचानक अधिक फाइबर लेने से गैस की समस्या भी बच्चों में हो जाती है. पेट फूलने लगता है. कई बार कब्जियत की शिकायत भी हो जाती है. डायरिया की भी आशंका रहती है. ज्यादा फाइबर लेने से बच्चे का शरीर आहार से खनिज तत्त्वों का अवशोषण नहीं कर पाता है. इस कारण फाइबर के उपयोग में सावधानी बरतने की दरकार है.

ऐसे थाली में आएगा फाइबर

शुरूआत ब्रेकफास्ट से करें तो सब्जियां, मूंगफली, प्याज, टमाटर, धनियापत्ता आदि डाल कर चीला, उपमा, दलिया, पोहा आदि बनाएं. गाजर, शिमला मिर्च, प्याज, टमाटर, फ्रेंचबीन आदि सब्जियां डाल कर इडली चाट भी बना सकती हैं. यदि बच्चा चाहे तो किसी दिन साबुत अनाज से बने ब्रेड में उसके पसंद की सब्जियों की टॉपिंग कर ब्रेड पिज्जा भी तैयार कर सकती हैं. जूस की जगह फ्रूट चाट दें. सूप बनाएं तो उसमें कटी सब्जियां ग्राइंड करने की बजाय साबुत रखें. रोटी, सब्जी, दाल, मीट, सलाद आदि में भी पर्याप्त फाइबर मिल जाते हैं. फाइबर के लिए कई लोग चोकर और सोयाबीन आटा मिली रोटी का सेवन भी करते हैं.

इतना सा है काफी

चिकित्सकों की मानें तो एक से चार साल तक के बच्चों के लिए 15 ग्राम फाइबर पर्याप्त है. वहीं दस साल तक के बच्चों को 25 से 30 ग्राम फाइबर खाने पीने की चीजों से मिलना चाहिए. बहरहाल जंक फूड के दीवाने बच्चों की थाली में कैसे फाइबर को शामिल करे, यह एक मां के लिए चुनौती जरूर है, पर जरा सी क्रिएटिविटी अपनाएं तो बच्चे रेशेयुक्त आहार को भी चाव से खाने लगते हैं. बेशक फाइबर का इस्तेमाल कई पेरशानियों से निजात दिलाता है, पर जरूरत से अधिक मात्रा में इस्तेमाल करने पर यह दवा की जगह दर्द भी बन जाता.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पैरा तीरंदाजी में भारत की शीतल नंबर वन

संवाददाता. रांची

भारतीय पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने विश्व नंबर एक बनकर अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि हासिल की. विश्व तीरंदाजी ने मंगलवार को रैंकिंग जारी की. शीतल ने 230 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और खुद को बाकियों से काफी ऊपर रखा, दूसरे स्थान पर रहीं ब्राजील की पैरा तीरंदाज जेन कार्ला गोगेल के 195 अंक हैं. बीते शनिवार को उन्हें रियाद में एशियाई पैरालंपिक समिति द्वारा वर्ष का सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट चुना गया था.

शीतल यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय पैरा-एथलीट बनीं. एक हाथ के बिना शीतल ने तीरंदाजी में अपने दृढ़ संकल्प से सभी को आकर्षित किया है.

विश्व तीरंदाजी आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर की रहने वाली शीतल बिना हथियारों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली महिला तीरंदाज हैं. शीतल, फोकोमेलिया के साथ पैदा हुई थी, यह एक दुर्लभ जन्मजात विकार है, जो अविकसित अंगों का कारण बनता है.

विश्व रैंकिंग

- 230 अंकों के साथ शीतल ने हासिल किया शीर्ष स्थान
- जेन कार्ला 195 अंको के साथ दूसरे स्थान पर हैं

पैरालंपिक पर अब पूरा फोकस : अवनि लेखारा

नई दिल्ली. तोक्यो पैरालंपिक में कीर्तिमान स्थापित करने वाली अवनि लेखारा को बखूबी पता है कि अगले साल पेरिस में उनसे काफी अपेक्षायें होंगी लेकिन भारतीय पैरा निशानेबाजी की इस 'गोल्डन गर्ल' के लिये दबाव प्रेरणा का काम करता है. उन्होंने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा कि मैं यह नहीं कहूंगी कि दबाव नहीं है. तोक्यो में स्वर्ण जीतने के बाद इतने लोग मुझे पहचानने लगे हैं और मेरे लिये तालियां बजाते हैं . अपेक्षायें तो बहुत होंगी लेकिन यह मुझे और बेहतर करने के लिये प्रेरित भी करती हैं. उन्होंने कहा कि इतने लोग मुझसे उम्मीद लगाये हैं, तो यह मेरा फर्ज बनता है कि जब भी मुकाबले के लिये उतरूं तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं. जयपुर की रहने वाली लेखारा ने 2015 में पूर्व ओलंपिक चैंपियन अभिनव बिंद्रा से प्रेरित होकर पैरा निशानेबाजी शुरू की. यूं तो जूनियर विश्व रिकॉर्ड भी उन्होंने बनाया लेकिन तोक्यो पैरालंपिक ने उन्हें स्टार बना दिया. उन्होंने कहा कि फिलहाल तो जयपुर में अभ्यास कर रही हूं लेकिन हमारे शिविर दिल्ली में भी होते हैं. विदेश में अभ्यास के बारे में अभी पता नहीं है लेकिन महासंघ जरूर कुछ प्लान करेगा. भारत में पैरा खेलों को मिल रही शोहरत और पहचान से खुश लेखारा को पेरिस में समूचे भारतीय दल से रिकॉर्ड प्रदर्शन की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि मैने भारत में पैरा खेलों और खिलाड़ियों को लेकर नजरिये में आये बदलाव को देखा है.

ब्रीफ खबरें

बोलोगना ने तोरिनो को 2-0 से हराया

रोम. जियोवानी फैबियन और जोशुआ जर्कजी के दूसरे हाफ में किये गये गोल की मदद से बोलोगना फुटबॉल क्लब ने यहां सीरी ए फुटबॉल लीग में तोरिनो को 2-0 से हराया. बोलोगना इस तरह लीग तालिका में दो पायदान की उछाल से छठे स्थान पर पहुंच गया है. ब्रेक से पहले उसे फियोरेंटिना से पराजित होने से पहले 10 मैचों में हार का सामना नहीं करना पड़ा था. उसके लिए फैबियन ने 56वें मिनट में और जर्कजी ने इंजुरी टाइम के दूसरे मिनट में गोल किये. वेरोना ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए लीसे के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेला. वेरोना तालिका में नीचे से दूसरे स्थान पर बना हुआ है जबकि लीसे 13वें स्थान पर पहुंच गया है.

गिरोना ने एथलेटिक बिलबाओ के बीच मैच ड्रॉ

मैड्रिड. गिरोना फुटबॉल क्लब ने सोमवार को यहां एथलेटिक बिलबाओ से 1-1 से ड्रा खेला जिससे उसने स्पेनिश लीग तालिका में शीर्ष पर वापसी करने का मौका गंवा दिया. गिरोना ला लीगा में अपने पिछले 12 में से 11 मैच जीतकर सभी को हैरान करने वाली टीम रही है. उसके लिए यूक्रेन के विक्टर सिगानकोव ने 55वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी. इसके 12 मिनट बाद इनाकी विलियम्स ने गोल कर एथलेटिक बिलबाओ को बराबरी पर ला दिया. इस मुकाबले में अंक बांटने के बावजूद गिरोना तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है. वह अंक के मामले में शीर्ष पर चल रहे रियाल मैड्रिड (35 अंक) की बराबरी पर है.

आरकेएफसी ने इंटर काशी एफसी को हराया

श्रीनगर. रियाल कश्मीर फुटबॉल क्लब (आरकेएफसी) ने मंगलवार को यहां आई-लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में इंटर काशी एफसी पर 4-0 की बड़ी जीत दर्ज की. घरेलू दर्शकों की मौजूदगी में इस एकतरफा जीत के बाद आरकेएफसी छह मैचों में 12 अंक के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया. टीम ने अपने पिछले मैच में नेरोका एफसी को इसी अंतर से हराया था. इंटर काशी एफसी के खिलाफ आरकेएफसी के लिए मोहम्मद इनाम (30वां मिनट), कार्लोस लोंबा (66वां मिनट), गनोहेरे क्रिजो (83वां मिनट) और मोहम्मद मकसूद (90 5 मिनट) ने गोल दागे.

थापा और पंघाल ने की जीत से शुरुआत

शिलांग. एशियाई चैंपियनशिप में छह बार के पदक विजेता शिवा थापा और विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल ने मंगलवार को यहां पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया. असम के मुक्केबाज थापा ने विभाजित फैसले में हिमाचल प्रदेश के अभिनाश जामवाल को 4-3 से पराजित किया और अब राउंड 16 में उनका सामना हरियाणा के संतोष एचके से होगा. वहीं पंघाल ने महाराष्ट्र के शिवाजी को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से पराजित किया. वह प्री क्वार्टरफाइनल में पंजाब के जेशनदीप सिंह से भिड़ेंगे. तोक्यो ओलंपियन आशीष कुमार ने पंजाब के अर्शदीप सिंह को हराया और हिमाचल प्रदेश के इस मुक्केबाज का सामना प्री क्वार्टरफाइनल में चंडीगढ़ के नीतिश कुमार से होगा.

हाई कोर्ट द्वारा चुनाव कराने पर लगायी रोक को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया

डब्ल्यूएफआई चुनाव से रोक हटी

भाषा . नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव कराने पर लगायी रोक को खारिज कर दिया. न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ ने कहा कि वे यह नहीं समझ पा रहे कि उच्च न्यायालय ने चुनाव की पूरी प्रक्रिया के महत्व को कैसे नहीं समझा. पीठ ने कहा कि हरियाणा कुश्ती संघ द्वारा दायर एक रिट याचिका लंबित होने पर उच्च न्यायालय ने एक अंतरिम आदेश में डब्ल्यूएफआई के चुनाव पर रोक लगा दी. हमें यह बात समझ नहीं आ रही कि उच्च न्यायालय द्वारा इस पूरी चुनावी प्रक्रिया के महत्व को कैसे समझा नहीं गया. उचित यही होता कि चुनाव कराने की अनुमति दी गयी होती और चुनाव को लंबित रिट याचिका के नतीजे के अधीन किया जाता. पीठ ने कहा कि इसी के अनुसार अंतरिम राहत देने वाले विवादित आदेश को रद्द किया जाता है. निर्वाचन अधिकारी संशोधित चुनाव कार्यक्रम तैयार करके चुनाव को आगे बढ़ा सकता है. हम स्पष्ट करते हैं कि चुनाव का नतीजा याचिका में पारित आदेश के अधीन होगा. उच्चतम न्यायालय ने पहले डब्ल्यूएफआई का कार्यभार संभालने के लिए गठित तदर्थ समिति की पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा कुश्ती संस्था के चुनाव कराने पर लगायी रोक को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा था. तदर्थ पैनल ने 25 सितंबर को उच्च न्यायालय के चुनावों पर रोक लगाने के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रूख किया था.

खास बातें

- पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय ने लगायी थी रोक
- 12 अगस्त को होना था डब्ल्यूएफआई का चुनाव
- पीठ ने कहा- हाई कोर्ट ने चुनाव के महत्व को कैसे नहीं समझा

अध्यक्ष पद पर संजय व श्योराण का मुकाबला

उच्च न्यायालय द्वारा चुनाव में रोक लगाने से पहले डब्ल्यूएफआई के उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट जारी हो चुकी थी. अध्यक्ष पद के लिए 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स की चैंपियन अनीता श्योराण और संजय सिंह मैदान पर थे. संजय सिंह बृजभूषण के करीबी हैं, जबकि अनीता श्योराण महिला पहलवानों के यौन शोषण के मामले में बृजभूषण के खिलाफ गवाह भी हैं. भिवानी की रहने वाली अनीता श्योराण 12 अगस्त को होने वाले चुनाव में अकेली महिला उम्मीदवार थी. उन्हें खेल मंत्रालय और बृजभूषण के खिलाफ धरना देने वाले पहलवानों का समर्थक माना जा रहा है.

क्यों आई चुनाव कराने की नौबत

इस साल जनवरी-फरवरी में कुछ महिला पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाए थे. इन आरोपों के बाद विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और संगीता फोगाट सहित देश के कुछ शीर्ष पहलवान अध्यक्ष को हटाने की मांग पर धरना करने लगे. विवाद के बाद इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन (आईओए) ने डब्ल्यूएफआई को भंग करते हुए एडहॉक कमेटी बनाकर उसे डब्ल्यूएफआई के नए पदाधिकारियों के चुनाव कराने की जिम्मेदारी सौंप दी थी.

तीसरा टी-20 : आखिरी ओवर में 21 रन नहीं बचा सका भारत

मैक्सवेल से हारी टीम इंडिया

भाषा। गुवाहाटी

ग्लेन मैक्सवेल की शतकीय पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने भारत को टी-20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में 5 विकेट से हरा दिया. इसी के साथ टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से वापसी की है. सीरीज का चौथा मुकाबला रायपुर में एक दिसंबर को खेला जाएगा.

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया. पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 222 रन का स्कोर खड़ा किया. 223 रन का टारगेट ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया. टीम ने आखिरी 2 ओवर में 43 रन बनाकर जीत हासिल की. ग्लेन मैक्सवेल ने 48 बॉल पर 104 रन की विस्फोटक पारी खेली. उन्होंने 8 चौके और 8 छक्के जमाए. कप्तान मैथ्यू वेड 16 बॉल पर 28 रन बनाकर नाबाद रहे. ट्रैविस हेड ने 18 बॉल पर 35 रन बनाए.

भारत ने बनाए 222/3 गायकवाड का शतक

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में मंगलवार को भारतीय टीम ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 222 रन बनाए. पारी के आखिरी ओवर में 30 रन बने. ओपनर ऋतुराज गायकवाड ने 57 बॉल पर 123 रन की पारी खेली. उन्होंने टी-20 करियर का पहला शतक जमाया. गायकवाड ने सिक्स के साथ सेंचुरी पूरी की. गायकवाड ने अपनी पारी में 13 चौके और 7 छक्के जमाए. तिलक वर्मा 31 रन पर नाबाद रहे, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 39 रन की पारी खेली.

मैक्सवेल का तूफानी शतक

मैक्सवेल ने 48 बॉल पर 104 रन की विस्फोटक पारी खेली

आखिरी 12 बॉल में 45 रन बने

वनडे वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 201 रन की चमत्कारी पारी खेलने वाले ग्लेन मैक्सवेल ने एक बार फिर कभी न भूलने वाली बल्लेबाजी की. इस बार भारत के खिलाफ 223 रन का टारगेट चेज कर रही ऑस्ट्रेलिया ने 18 ओवर में 5 विकेट पर 180 रन ही बनाए थे. आखिरी 2 ओवर में 43 रन की जरूरत थी. मैक्सवेल 86 और मैथ्यू वेड 6 रन बनाकर खेल रहे थे. 19वां ओवर अक्षर पटेल लेकर आए. आम तौर पर 19वें ओवर की गेंदबाजी कोई फास्ट बॉलर करता है, लेकिन तब तक प्रसिद्ध कृष्णा को छोड़कर तमाम फास्ट बॉलर के 4 ओवर पूरे हो चुके थे. अक्षर के अलावा सूर्या के पास कोई विकल्प नहीं था. इसके बावजूद उस समय भारत मैच में आगे था.

भारत की खराब फीलि्डंग

ऑस्ट्रेलिया की जीत में टीम इंडिया की खराब फीलि्डंग का भी काफी रोल रहा. 18वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर सूर्यकुमार ने मैथ्यू वेड का कैच छोड़ दिया था. तब वह सात गेंद में पांच रन बनाकर क्रीज पर थे और इसके बाद 16 गेंद में नाबाद 28 रन की पारी खेल डाली. वहीं, ईशान किशन की भी खराब विकेटकीपिंग ने भी भारत को मैच हराया. 19वें ओवर में अक्षर पटेल गेंदबाजी कर रहे थे. इसकी चौथी गेंद पर ईशान किशन ने मैथ्यू वेड को स्टंपिंग करने की अपील की. तीसरे अंपायर ने जब रिप्ले देखा तो ईशान ने विकेट के बगल में ग्लव्स लाकर बॉल कलेक्ट किया था. वेड तो आउट नहीं हुए, लेकिन वह लीगल डिलिवरी नो बॉल में तब्दील हो गई और ऑस्ट्रेलिया को फ्री-हिट मिला. वेड ने फ्री हिट पर छक्का लगाया. वहीं, इसी ओवर की आखिरी गेंद पर मैक्सवेल ने रिवर्स स्वीप लगाने की कोशिश की. गेंद उनके बल्ले पर तो नहीं लगी लेकिन ईशान के ग्लव्स से लगकर चौके के लिए जरूर चली गई. इन रनों ने भारत की पहुंच से मैच को दूर कर दिया.

भारत और कनाडा के बीच मुकाबला आज

जूनियर महिला हॉकी विश्व कप

भाषा . सैंटियागो (चिली)

भारतीय टीम एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) महिला जूनियर हॉकी विश्व कप में बुधवार को कनाडा के खिलाफ जीत के साथ अपने अभियान को सकारात्मक तरीके से शुरू करना चाहेगी. टूर्नामेंट में भारत को मुश्किल माने जा रहे पूल सी में रखा गया है. इस पूल में भारत और कनाडा के अलावा जर्मनी और बेल्जियम की टीमें हैं. टूर्नामेंट में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2013 में तीसरा स्थान रहा है. टीम 2022 में पिछले आयोजन में चौथे पायदान पर रही थी. भारत ने इस साल की शुरुआत में जापान के काकामिगाहारा में महिला जूनियर एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था जिससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ होगा. भारत का लक्ष्य पहली बार जूनियर महिला विश्व कप का खिताब जीतना है. भारतीय कप्तान प्रीति ने कहा कि हम दृढ़ संकल्प और धैर्य के साथ टूर्नामेंट में उतर रहे हैं. हमारी टीम ने कड़ी तैयारी की .

इंग्लैंड-भारतीय ए टीम के बीच मुकाबला आज

मुंबई। भारतीय महिला 'ए' टीम बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ यहां शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला में मिले मौके का पूरा फायदा उठाना चाहेगी. श्रृंखला वानखेड़े स्टेडियम में खेली जायेगी जिसका दूसरा मैच एक दिसंबर और तीसरा मैच तीन दिसंबर को होगा. 'ए' टीम के इन तीन मैचों के बाद भारत और इंग्लैंड की सीनियर महिला टीम तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और एक टेस्ट मैच खेलेंगी. सीनियर टीम के सभी मैच मुंबई में होंगे जिसकी शुरूआती छह दिसंबर को पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी. भारतीय महिला क्रिकेटरों के लिए यह व्यस्त सत्र होने वाला है.

घोषणा स्पेन में होने वाली पांच देशों के हॉकी टूर्नामेंट के लिए भारतीय पुरुष टीम की तैयारी शुरू

हॉकी शिविर के लिए 39 सदस्यीय भारतीय कोर ग्रुप घोषित

भाषा . नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने स्पेन में आगामी पांच देशों के टूर्नामेंट की तैयारी के मद्देनजर पुरुष राष्ट्रीय शिविर के लिए मंगलवार को 39 सदस्यीय कोर ग्रुप टीम की घोषणा की. मुख्य कोच क्रेग फुल्टन अगले साल पेरिस ओलंपिक के लिए नये दृष्टिकोण के साथ तैयारी करना चाहते हैं. भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था. अब टीम 15 दिसंबर से वालेंसिया में पांच देशों का टूर्नामेंट खेलेगी. विश्व चैंपियन जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम और मेजबान स्पेन टूर्नामेंट की अन्य टीम हैं. पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर बुधवार से बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में शुरू होगा. फुल्टन ने कहा कि हांगझोउ एशियाई खेलों के सफल अभियान के बाद लंबा ब्रेक रहा. टीम के ज्यादातर खिलाड़ियों ने चेन्नई में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लिया और मुझे भी कुछ युवा और उभरते हुए खिलाड़ियों को करीब से खेलते हुए देखने का मौका मिला. उन्होंने कहा कि हम अब पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों में नये दृष्टिकोण के साथ बेंगलुरु के साइ केंद्र में एकजुट होंगे. फुल्टन ने कहा कि जैसा कि मैंने कहा है कि यह एक प्रक्रिया है और हम एशियाई खेलों के अभियान पर गौर करेंगे और समझेंगे कि हम बतौर टीम कैसे बेहतर कर सकते हैं और इस दिशा में ही आगे काम करेंगे.

खिलाड़ियों की सूची

- गोलकीपर : कृष्ण बहादुर पाठक, पी आर श्रीजेश ,सूरज करकेरा, पवन, प्रशांत कुमार चौहान.
- डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप जेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मंजीत.
- मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह.
- फॉरवर्ड : एस कार्ति, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, पवन राजभर.

शिविर में एशियाड में स्वर्ण जीतने वाले सभी खिलाड़ी शामिल

राष्ट्रीय शिविर के कोर ग्रुप में वो सभी 18 खिलाड़ी हैं जिन्होंने पिछले महीने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है. टीम कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि पिछले हफ्ते काफी अच्छे रहे क्योंकि हमने परिवार के साथ समय बिताया और चेन्नई में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने घरेलू राज्य के लिए भी खेले. अब हम राष्ट्रीय शिविर में टीम को बेहतर करने की कोशिश करेंगे.

रोनाल्डो ने दिखायी खेल भावना पेनल्टी लेने से किया इनकार

रियाद. अल नासर के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सोमवार को यहां खेल भावना का शानदार नजारा पेश करते हुए ईरान के पर्सेपोलिस क्लब के खिलाफ एशियाई चैंपियंस लीग (एसीएल) के गोलरहित ड्रा मुकाबले में खुद को मिले पेनल्टी मौके को रद्द करने में मदद की. रोनाल्डो मैच के शुरूआत में ही बॉक्स के अंदर गिर गये और रैफरी ने तुरंत ही पेनल्टी प्रदान कर दी. लेकिन रोनाल्डो ईमानदारी दिखाते हुए इस पेनल्टी का विरोध कर रहे पर्सेपोलिस के खिलाड़ियों के साथ शामिल हो गये. फिर रैफरी मा निंग ने पिच के पास लगे मॉनिटर पर इसकी जांच की और अपने फैसले को पलट दिया. अल नासर के डिफेंडर अली लाजिमी को मैच के 17 मिनट के अंदर ही लाल कार्ड दिखा दिया गया जिससे टीम 10 खिलाड़ियों के साथ मैदान पर थी.

सीओपी28 की अध्यक्षता यूएई की सरकारी तेल कंपनी एडनॉक के मुख्य कार्यकारी सुल्तान अल-जबर करेंगे

यूएई करेगा जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन 2023 की मेजबानी

भाषा। मिल्टन कीन्स (यूके)

दुनिया का सातवां सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), 30 नवंबर से 12 दिसंबर तक दुबई में 28वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन (सीओपी28) की मेजबानी करेगा. सम्मेलन की अध्यक्षता संयुक्त अरब अमीरात की सरकारी स्वामित्व वाली तेल कंपनी एडनॉक के मुख्य कार्यकारी, सुल्तान अल-जबर करेंगे. यह देखते हुए कि जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार लगभग 90% कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के लिए जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार है, कई लोगों ने तर्क दिया है कि जलवायु वार्ता के शीर्ष पर तेल और गैस उत्पादकों को रखने में हितों का स्पष्ट टकराव है. यूएई पर अपनी सूचना से ज्यादा गैस जलाने का आरोप है और उसकी 2027 तक तेल उत्पादन को 37 लाख बैरल प्रति दिन से बढ़ाकर 50 लाख करने की योजना है. कुछ लोगों का तर्क है कि तेल और गैस उद्योग अपने विशाल राजस्व को गैस इस्तेमाल को रोकने और कैप्चर किए गए कार्बन को भूमिगत करने में निवेश करके ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर ब्रेक लगा सकता है. लेकिन स्वतंत्र आकलन यह बताते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने के लिए उद्योग को अपने व्यावसायिक रूप से पुनर्प्राप्त करने योग्य भंडार में से कम से कम कुछ को स्थायी रूप से भूमिगत छोड़ने की आवश्यकता होगी.

खास बातें

- तेल और गैस उत्पादकों को रखने में टकराव
- तेल उत्पादन को बढ़ाने की योजना पर जोर

सीओपी28 एक आदर्श मंच

कुछ भविष्यवाणियों के अनुसार, अगले 50 वर्षों में रहने के लिए बहुत गर्म हो सकते हैं. बढ़ते तापमान से संयुक्त अरब अमीरात के पर्यटन और सम्मेलन-मेज़बानी क्षेत्रों को खतरा है, जो 1990 के दशक के बाद से तेजी से बढ़े हैं (थर्ड-डिग्री बर्न और हीटस्ट्रोक अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों को पसंद नहीं आएंगे). ऐसे में अपनी वैश्विक नेतृत्व महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक दिखावटी घोषणा की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता. किसी बिंदु पर, प्रमुख तेल निर्यातक देशों में से एक को अपने व्यावसायिक रूप से पुनर्प्राप्त करने योग्य कुछ तेल को स्थायी रूप से अप्रयुक्त छोड़ने की योजना की घोषणा करनी चाहिए. सीओपी28 इसके लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है.

तेल की खपत व निर्भरता

यूएई की 99 लाख की तेजी से बढ़ती आबादी (जिसमें केवल 10 लाख अमीराती नागरिक हैं) में विश्व स्तर पर प्रति व्यक्ति छठा सबसे अधिक सीओ2 उत्सर्जन होता है. नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार दरों से काफी कम कीमत वाले ईंधन के साथ गैस-खपत वाली कारें चलाने और उपयोगिता सब्सिडी के कारण वर्ष के अधिकांश समय एयर कंडीशनिंग का उपयोग करने की आदत है.

तकनीक-सुधार व लक्ष्य और भविष्य

लगभग असीमित धूप और पर्याप्त संप्रभु धन के साथ, संयुक्त अरब अमीरात प्रति व्यक्ति विश्व स्तर पर 18 वें स्थान पर है और सौर ऊर्जा क्षमता के लिए ओपेक देशों में पहले स्थान पर है. सौर ऊर्जा अब संयुक्त अरब अमीरात की बिजली की मांग का लगभग 4.5% पूरा करती है और पाइपलाइन में परियोजनाओं का उत्पादन आज 23 गीगावाट (जीडब्ल्यू) से बढ़कर 2031 तक 50 गीगावॉट हो जाएगा.

आओ जानें
समाचार एवं मीडिया कंपनियों की स्थापना का वर्ष

2018 – चाइना मीडिया ग्रुप	1996 – फॉक्स न्यूज
2017 – रिपब्लिक टीवी	1987 – सीएनबीसी
2015 – टीआरटी वर्ल्ड	1987 – एल मुंडो
2008 – थॉमसन रॉयटर्स	1980 – सीएनएन
2007 – टीवी ब्राज़ील	1959 – दूरदर्शन
2005 – आरटी इंटरनेशनल	1953 – डीडब्ल्यू न्यूज
2004 – फ्रांस 24 न्यूज़	1948 – पीपुल्स डेली
2004 – एआरवाई न्यूज़	1936 – एसएबीसी
2002 – जियो न्यूज	1936 – मीडियाकॉर्प
1998 – एनडीटीवी	1931 – एनएचके
1996 – अल जज़ीरा	1922 – बीबीसी

न्यायालय ने जारी किए शवों के अंतिम संस्कार के निर्देश

भाषा। नई दिल्ली

मणिपुर हिंसा

- मणिपुर राज्य में मई 2023 में हुई थी हिंसा
- रिपोर्ट के अनुसार, 169 शवों की पहचान कर ली गई है

उच्चतम न्यायालय ने मणिपुर में मुर्दाघरों में रखे शवों को दफनाने या दाह-संस्कार सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को निर्देश जारी किए. पूर्वोत्तर राज्य में मई में भड़की जातीय हिंसा में कई लोग मारे गए थे. प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्र की पीठ ने उल्लेख किया कि शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों की सर्व-महिला समिति द्वारा दायर रिपोर्ट में मणिपुर में मुर्दाघरों में पड़े शवों की स्थिति का संकेत दिया गया है. पीठ ने कहा कि रिपोर्ट में कहा गया है कि 175 शवों में से 169 की पहचान कर ली गई है और छह की पहचान नहीं हो पाई है. इसने उल्लेख किया कि पहचाने गए 169 शवों में से 81 पर उनके परिजनों ने दावा किया है जबकि 88 पर दावा नहीं किया गया है. पीठ ने कहा कि राज्य सरकार ने नौ स्थलों की पहचान की है जहां दफन या दाह संस्कार किया जा सकता है. इसने कहा कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि मणिपुर राज्य में मई 2023 में हिंसा हुई थी.

ब्रीफ खबरें

प्लेटिनम खदान में 11 मजदूरों की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में प्लेटिनम की एक खदान में मजदूरों को नीचे उतारने के दौरान एक लिफ्ट अचानक से गिर गई, जिससे 11 लोगों की मृत्यु हो गई और 75 घायल हो गए. खदान घटना उत्तरी शहर रस्टनबर्ग की एक खदान में सोमवार शाम को घटी. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू हो गई है. दक्षिण अफ्रीका प्लेटिनम का सबसे बड़ा उत्पादक देश है.

इजराइल-हमास युद्ध विराम की अवधि बढ़ी

तेल अवीव। इजराइल और हमास अपने युद्ध विराम समझौते की अवधि को दो और दिन बढ़ाने पर सोमवार को सहमत हो गए, जिससे आतंकवादियों द्वारा बंधक बनाकर रखे गए लोगों और इजराइल की जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों की अदला-बदली जारी रहने की संभावनाएं बढ़ गई है. हमास ने मूल रूप से चार दिवसीय युद्ध विराम समझौते के तहत अदला-बदली के चौथे दौर में 11 इजराइली महिलाओं एवं बच्चों को रिहा किया.

'मैं अटल हूं' जनवरी 2024 में होगी रिलीज

मुंबई। अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने मंगलवार को घोषणा की है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर आधारित उनकी आगामी फिल्म 'मैं अटल हूं' 19 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित अभिनेता त्रिपाठी ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा करते हुए फिल्म के एक नए पोस्टर का भी अनावरण किया. त्रिपाठी ने लिखा कि दिलदार, फौलादी, एक बहुमुखी कवि, नए भारत का स्वप्नदृष्टा दूरदर्शी व्यक्ति.

अमेरिकी पत्रकार की हिरासत अवधि बढ़ी

मॉस्को । मॉस्को की एक अदालत ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार इवान गेर्शकोविच की हिरासत 30 जनवरी तक बढ़ा दी है. अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी पत्रकार के खिलाफ आपराधिक मामले का विवरण गोपनीय है जिस कारण मंगलवार को सुनवाई बंद कमरे में हुई. गेर्शकोविच को मार्च में मॉस्को से लगभग 2,000 किलोमीटर (1,200 मील) पूर्व में रूस के शहर येकातेरिनबर्ग में रिपोर्टिंग के दौरान हिरासत में लिया गया था.

नवजातों की तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

बेंगलुरु। बेंगलुरु में पुलिस ने नवजात बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर कथित सात 'एजेंट' को गिरफ्तार किया है और इस पूरे प्रकरण में चिकित्सकों के भी शामिल होने का संदेह है. बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 20 दिन के एक बच्चे को तब बचाया गया जब गिरोह के सदस्यों को यहां राजराजेश्वरी नगर में संदिग्ध परिस्थितियों में देखा गया.

द. कोरिया जासूसी उपग्रह का प्रक्षेपण स्थगित किया

सियोल । दक्षिण कोरिया ने अपने पहले सैन्य जासूसी उपग्रह का प्रक्षेपण स्थगित कर दिया है. इसका प्रक्षेपण गुरुवार को होना था. कुछ दिन पहले ही उत्तर कोरिया ने अपने पहले जासूसी उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने का दावा किया था. 'स्पेसएक्स' के साथ एक अनुबंध के तहत, दक्षिण कोरिया को 2025 तक पांच जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने हैं. इसका पहला प्रक्षेपण अमेरिका में कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग वायुसेना अड्डे से होना था.

मजदूरों के हौसले के आगे पहाड़ पस्त, करोड़ों देशवासियों की प्रार्थना स्वीकार

सुरंग में फंसे मजदूर आए बाहर

भाषा। उत्तरकाशी/नई दिल्ली

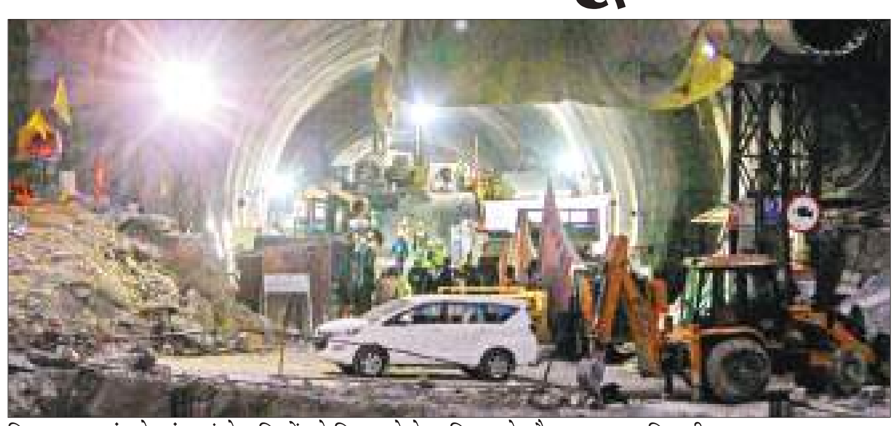

सिलक्यारा सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों को निकालने के अभियान के दौरान बचाव अधिकारी.

सिलक्यारा सुरंग के अवरूद्ध हिस्से में पड़े मलबे पिछले 16 दिन से फंसे 41 श्रमिक मंगलवार रात आठ बजे के बाद बाहर निकलना शुरू हो गए हैं. धीरे-धीरे कर सभी मजदूरों को बाहर निकाला गया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. इससे पहले उत्तराखंड के सूचना विभाग के महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने दोपहर डेढ़ बजे के बाद संवाददाताओं को बताया कि 'ड्रिलिंग' पूरी हो चुकी है.

यह जानकारी आने के करीब आधा घंटे बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जानकारी दी कि श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए मलबे में पाइप डाले जाने का काम पूरा हो गया है. सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में धामी ने कहा कि बाबा बौखनाग जी की असीम कृपा, करोड़ों देशवासियों की प्रार्थना एवं रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे सभी बचाव दलों के अथक परिश्रम के फलस्वरूप श्रमिकों को बाहर निकाल लिया गया है. इससे पहले, लारसन एंड टयूबरों टीम का नेतृत्व कर रहे क्रिस कूपर ने श्रमिकों का इंतजार जल्द खत्म होने की भविष्यवाणी की थी.

ड्रिलिंग का काम हो चुका पूरा

इससे पहले, सुरंग बना रही राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के प्रबंध निदेशक महमूद अहमद ने इस बात की पुष्टि नहीं की थी कि ड्रिलिंग का काम पूरा हो चुका था. उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि आखिरी पाइप को मलबे में डाला जा रहा है. लेकिन दिल्ली में शाम चार बजे प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता ने कहा कि बचावकर्मी सफलता के करीब हैं परंतु अभी सफलता नहीं मिली है. उन्होंने कहा कि खनन विशेषज्ञ की मदद से अंतिम खंड में हाथ से खुदाई की जा रही है और वे 58 मीटर की बिंदु तक पहुंच गए हैं और अभी लगभग दो मीटर और खुदाई की गयी.

एनडीआरएफ दिन-रात जुटी रही कार्य में

इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि एनडीआरएफ के जवान खुदाई कर मलबे में अंदर डाले गए स्टील पाइपों के अंदर जाएंगे और श्रमिकों को एक-एक करके बाहर लाएंगे. श्रमिकों को निकासी के बाद तत्काल चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए सुरंग के अंदर आठ बिस्तरों वाला एक अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किया गया है. अभी तक किए गए अभ्यास के अनुसार, हर श्रमिकों को कम उंचाई के पहिए वाले स्ट्रेचरों पर लिटाया जाएगा और उसे बचावकर्मियों द्वारा रस्सियों की मदद से बाहर खींचा जाएगा. सुरंग में बचावकार्य पूरा होने की जानकारी आने से कई घंटे पहले से सुरंग के आसपास हलचल तेज हो गयी थी.

'जय श्रीराम' के नाम का लगाया जयकारा

श्रमिकों के बाहर आते ही उन्हें अस्पताल तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस सुरंग के बाहर तैयार खड़ी हैं. श्रमिकों को निकटवर्ती चिन्यालीसौड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया जाएगा जहां 41 बिस्तरों का एक अलग वार्ड बनाया गया है. एंबुलेंस को चिन्यालीसौड़ जल्द पहुंचाने के लिए पहले से बनी कच्चे मार्ग को ठीक कर दिया गया है. स्ट्रेचरों को सुरंग के अंदर ले जाया गया है. बचाव अभियान की सफलता की सूचना आते ही सुरंग के बाहर खड़े श्रमिकों ने 'जय श्रीराम' के नाम का जयकारा लगाया.

मजबूत इरादे

- टनल में पाइप डालने का कार्य पूरा हो चुका है
- बचावकर्मी 58 मी बिंदु तक पहुंच गए हैं

बचाव अभियान की सफलता से खुशी

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने मंगलवार को कहा कि सिलक्यारा सुरंग में 16 दिनों से फंसे 41 श्रमिकों को निकालने के लिए बचाव अभियान सफल रहा. इससे सभी खुश दिखे. उन्होंने कहा कि श्रमिकों तक पहुंचने के लिए पाइप को दो मीटर और धकेला गया. ऑगर ड्रिलिंग मशीन के टूटे हुए हिस्सों को मलबे से हटाने के बाद एक सीमित स्थान में हाथ से उपकरणों का इस्तेमाल करके ड्रिलिंग के अंतिम चरण को पूरा करने के लिए 12 'रैट-होल' खनन विशेषज्ञों को बुलाया गया था. बचाव कार्यों पर जानकारी देते हुए एनडीएमए के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि 58 मीटर की ड्रिलिंग हो चुकी है तथा बचाव पाइप को फंसे हुए श्रमिकों की ओर दो मीटर और धकेला जाना था.

सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार सरकार: योगी

- उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू

भाषा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र मंगलवार को शुरू हो गया जिसमें सुचारू कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों सहित सदन के सभी सदस्यों से सहयोग मांगा.

मुख्यमंत्री ने सत्र शुरू होने से पहले पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सदन का सुचारू संचालन सुनिश्चित करना और इसकी गरिमा को बनाए रखने के लिए विपक्ष भी उतना ही जिम्मेदार है जितना कि सत्ता पक्ष. उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट के साथ-साथ अन्य विधायी मुद्दे भी पटल पर रखे जाएंगे. आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल ने गरिमामय तरीके से कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए पिछले छह वर्षों में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की है. संवाद के माध्यम से लोकतंत्र के सच्चे लोकाचार के अनुसार गरिमापूर्ण तरीके से कार्यवाही का संचालन हुआ है.

अदियाला जेल में ही चलता रहेगा इमरान पर मुकदमा

- इमरान खान 26 सितंबर से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को गोपनीय दस्तावेज लीक करने के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ मुकदमा जेल में ही चलाते रहने का फैसला किया. अधिकारियों ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए उन्हें सामान्य अदालत में होने वाली सुनवाई के लिए पेश नहीं किया था.

पीटीआई के अध्यक्ष खान 26 सितंबर से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं, जहां पिछले सप्ताह तक उनके खिलाफ जेल में ही सुनवाई चल रही थी. इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह कार्यवाही को अनुचित करार देते हुए इसके खिलाफ व्यवस्था दी थी. विशेष अदालत के न्यायाधीश अबुअल हसनत जुल्करनैन ने मंगलवार को इस्लामाबाद स्थित फेडरल ज्यूडीशियल कॉम्प्लैक्स में सुनवाई की अध्यक्षता की. सुरक्षा कारणों से अधिकारियों ने खान को सुनवाई के लिए प्रस्तुत नहीं किया. पिछले सप्ताह न्यायाधीश ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को मामले में सुनवाई के लिए फेडरल ज्यूडीशियल कॉम्प्लैक्स में पेश किया जाए. कुरैशी को भी उक्त मामले में गिरफ्तार किया गया था और वह भी अदियाला जेल में बंद हैं. खान और कुरैशी ने खुद को बेगुनाह बताया है.

अधिकारियों द्वारा अदालत में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार, यह सूचना दी गई है कि पीटीआई अध्यक्ष को एक गंभीर स्तर का सुरक्षा जोखिम है. मामले में सुनवाई के बाद विशेष अदालत ने अगली सुनवाई में दोनों के खिलाफ मुकदमा जेल में खुली अदालत में चलाने की मंजूरी दी. मामले की अगली सुनवाई एक दिसंबर को होगी.

राष्ट्रपति को मिला नया मतदाता पहचान पत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी कृष्णमूर्ति ने उनका नया मतदाता पहचान पत्र सौंपा. अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 10 नवंबर को कृष्णमूर्ति राष्ट्रपति भवन गए थे ताकि राष्ट्रपति मुर्मू के मतदाता पहचान पत्र में उनका पता बदला जा सके. पहले उनके मतदाता पहचान पत्र पर ओडिशा का पता था. राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री पी कृष्णमूर्ति ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनका मतदाता पहचान पत्र सौंपा. मूल रूप से ओडिशा की निवासी मुर्मू ने पिछले साल 25 जुलाई को भारत की 15वीं राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी.

स्वास्थ्य कर्मियों की कानूनी सुरक्षा पर विचार कर सकती है सरकार : समिति

स्वास्थ्य कर्मियों पर 'हिंसक हमलों' का खतरा

भाषा। नई दिल्ली

खास बातें

- मरीजों के रिश्तेदारों से डॉक्टर हैं भयभीत
- डॉक्टरों को कानूनी सुरक्षा की है जरूरत

संसद की एक समिति ने कहा है कि सरकार उन स्वास्थ्यकर्मियों के लिए उचित कानूनी सुरक्षा उपाय शुरू करने पर विचार कर सकती है, जिन्हें कई बार मरीजों के रिश्तेदारों या तीमारदारों की हिंसा का सामना करना पड़ता है. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य बृजलाल की अध्यक्षता वाली गृह मामलों संबंधी संसद की स्थायी समिति ने प्रस्तावित तीन आपराधिक कानूनों की जांच की और विभिन्न चिकित्सा संघों द्वारा सौंपे गए एक ज्ञापन पर चर्चा की, जिसमें स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के खिलाफ हिंसा के कृत्य करने वालों को दंडित करने के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के खंड 115 के तहत प्रावधान करने का अनुरोध किया गया है. समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि समिति के समक्ष यह कहा गया कि किसी भी अन्य पेशे के विपरीत, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को रोगियों के रिश्तेदारों की ओर से 'हिंसक हमलों' का खतरा होता है, खासकर ऐसे मामलों में जहां रोगियों की इलाज के दौरान मृत्यु हो जाती है.

कानून की नजर में हर कोई समान : चिकित्सा संघों ने समिति से कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ इस तरह के हिंसक हमले पूरे देश में प्रचलित हैं और स्वास्थ्य कर्मियों के हित में कुछ कानूनी सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता है. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अपने जवाब में कहा कि सामान्य दंड प्रावधान सभी पर लागू होते हैं और किसी भी वर्ग के व्यक्ति के लिए दंड कानूनों में कोई अंतर नहीं किया जाता है. गृह मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि कानून की नजर में हर कोई समान है. राज्य अपने सभी नागरिकों के जीवन की रक्षाकरने के लिए बाध्य है, जिसमें डॉक्टरों और पेशेवरों जैसे मीडियाकर्मी, वकील, बैंकर, चार्टर्ड एकाउंटेंट आदि शामिल हैं.

'मेडिकल प्रोफेशनल एक्ट' पेश करने का प्रस्ताव

गृह मंत्रालय ने समिति को यह भी सूचित किया कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के पास हिंसक हमलों के खिलाफ स्वास्थ्य कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए 'मेडिकल प्रोफेशनल एक्ट' पेश करने का प्रस्ताव है, और गृह मंत्रालय उसी पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय से अपडेट लेगा. समिति ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों की चिंताओं पर विचार करने के बाद समिति का मानना है कि सरकार स्वास्थ्यकर्मियों के लिए उचित कानूनी सुरक्षा उपाय शुरू करने पर विचार कर सकती है.

क्या है बीएनएस का खंड 115

बीएनएस के खंड 115 में कहा गया है कि, जो कोई भी स्वेच्छा से चोट पहुंचाता है, यदि वह चोट पहुंचाने का इरादा रखता है या जानता है कि वह गंभीर चोट पहुंचा सकता है, और यदि उसके कारण होने वाली चोट गंभीर चोट है, तो उसे सात साल तक की अवधि के लिए कारावास से दंडित किया जाएगा और वह जुर्माने के लिए भी उत्तरदायी होगा. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसए-2023) विधेयक को 11 अगस्त को लोकसभा में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस-2023) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए-2023) विधेयकों के साथ पेश किया गया था. तीनों प्रस्तावित कानून क्रमश: दंड प्रक्रिया संहिता अधिनियम, 1898, भारतीय दंड संहिता, 1860 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 को प्रतिस्थापित करेंगे.

आरोप राहुल अधिक नौकरियां देने की बात साबित कर दें, राजनीति छोड़ दूंगी : कविता

कांग्रेस बहुत ही अविवेकपूर्ण और बेतुके वादे करती है

भाषा। हैदराबाद

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद सदस्य के कविता ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष साबित कर दें कि उनकी पार्टी के शासन वाले किसी भी राज्य में तेलंगाना से एक भी अधिक नौकरी दी गई तो वह राजनीति छोड़ देंगी. तेलंगाना कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता भट्टी विक्रमार्क ने एक मंदिर में हलफनामे पर दस्तखत करके तेलंगाना की जनता के लिए छह गारंटी लागू करने की शपथ ली है. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कविता ने कहा कि कांग्रेस बहुत अविवेकपूर्ण और बेतुके वादे करती है. उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी जी और कांग्रेस पार्टी को चुनौती देना चाहती हूं. यदि किसी कांग्रेस शासित राज्य में आपने तेलंगाना सरकार के मुकाबले कम से कम एक भी अतिरिक्त नौकरी दी होगी तो मैं व्यक्तिगत रूप से राजनीति से संन्यास ले लूंगी. कविता ने कहा कि लेकिन अगर राहुल गांधी यह साबित नहीं कर पाए तो क्या राजनीति से इस्तीफा देंगे? यदि आप यह साबित नहीं कर सकते तो तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं से झूठ मत बोलिए. लोगों को धोखा मत दीजिए, हलफनामे भरकर हमारे लोगों को मत ठगिए.

कांग्रेस के एक भी वादे सच साबित नहीं हुए

कविता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक में उसके सभी 223 उम्मीदवारों ने जनता को शपथ-पत्र दिए थे, लेकिन राज्य में उन्होंने जो पांच वादे किए थे, उनमें से एक भी सच साबित नहीं हुआ है और एक पर भी अब तक काम नहीं हो रहा. कविता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले वादा किया था कि वह सरकार बनने के 100 दिन के अंदर 2.60 लाख पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर देगी, लेकिन आज तक कुछ नहीं शुरू हुआ. उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने 2.32 लाख खाली पदों को भरने के लिए अधिसूचना निकाल दी है और 1.60 लाख रिक्तियों को पहले ही भरा जा चुका है.

बोलीं कविता

- बेरोजगार युवाओं से झूठ ना बोलें राहुल गांधी
- हलफनामे भरकर लोगों को मत ठगिए

जनता फैसला करेगी कि कौन पुरुष और महापुरुष है : राउत

भाषा। मुंबई

खास बातें

- महात्मा गांधी ने हमें अंग्रेजों से आजाद कराया
- गांधी जी ने हमें अंग्रेजों से मुक्त कराया

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के महात्मा गांधी को 'महापुरुष' और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'युगपुरुष' कहकर संबोधित करने के एक दिन बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि इसका फैसला इतिहास और जनता करेगी. राउत ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि महात्मा गांधी को दुनिया पूजती है. राउत ने कहा कि इतिहास, जनता ये फैसला करेगी कि कौन पुरुष, युगपुरुष और महापुरुष है. धनखड़ ने सोमवार को कहा था कि महात्मा गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से अंग्रेजों की गुलामी से हमें मुक्त कराया. भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमें उस राह पर ले गये हैं जहां हम हमेशा से जाना चाहते थे. धनखड़ ने जैन संप्रदाय के रहस्यवादी और दार्शनिक श्रीमद राजचंद्रजी की जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं कि पिछली सदी के महापुरुष महात्मा गांधी थे. नरेन्द्र मोदी इस सदी के युगपुरुष हैं.

तेलंगाना के नामपल्ली में चुनावी सभा को किया संबोधित, रोड शो भी किया

‘नफरत मिटाने के लिए मोदी को हराएं’

भाषा। हैदराबाद

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि उनका लक्ष्य देश में नफरत खत्म करना है और इसके लिए केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराना जरूरी है. उन्होंने यहां नामपल्ली में एक चुनावी सभा में यह आरोप भी लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), प्रधानमंत्री मोदी और ‘कट्टरपंथियों’ ने पूरे देश में नफरत फैला दी है. राहुल गांधी ने इस बात का उल्लेख किया कि कांग्रेस ने अपनी ‘भारत जोड़ो यात्रा’ के दौरान ‘नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने’ का नारा दिया था. उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ 24 मामले दर्ज कर दिए गए, क्योंकि वह प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं. कांग्रेस नेता का कहना था, पहली बार ऐसा हुआ कि मानहानि के मामले में दो साल की सजा मिली. मेरी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई. मेरा सरकारी घर छीन लिया गया. मैंने कहा कि मुझे यह नहीं चाहिए. मेरा घर देश के करोड़ों गरीबों के दिलों में है. सांसदों एवं विधायकों के मामलों की सुनवाई करने वाली उत्तर प्रदेश की एक अदालत ने सोमवार को गांधी को केंद्रीय मंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से संबंधित 2018 के मानहानि मामले में तलब किया.

खास बातें

- राहुल गांधी ने ऑटो ड्राइवरों की समस्याएं भी जानी
- प्रियंका गांधी वाड्रा सहित अन्य नेता भी रहे साथ

राहुल गांधी ने यहां नामपल्ली की रैली में अपने भाषण में उत्तर प्रदेश की अदालत द्वारा उन्हें समन भेजे जाने का कोई जिक्र नहीं किया. उन्होंने कहा, लड़ाई वैचारिक है और मैं इससे समझौता नहीं कर सकता. उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी पर भी हमला बोला और सवाल किया कि आखिर हैदराबाद के सांसद के खिलाफ कितने मामले दर्ज हैं? कांग्रेस नेता ने कहा कि ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियां हमेशा उनके पीछे पड़ी रहती हैं, लेकिन क्या कोई एजेंसी ओवैसी के पीछे पड़ी है? उन्होंने दावा किया, सवाल उठता है कि ओवैसी के खिलाफ कोई मामला क्यों नहीं है और इसका जवाब यह है कि एआईएमआईएम अध्यक्ष, प्रधानमंत्री मोदी की मदद करते हैं. राहुल गांधी ने एआईएमआईएम पर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने और विभिन्न राज्यों में भाजपा की मदद करने के लिए अपने उम्मीदवार उतारने का भी आरोप लगाया. अगर मोदी को दिल्ली में हराना है तो सबसे पहले बीआरएस अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव को तेलंगाना में हराना होगा.

तेलंगाना चुनाव के लिए प्रचार अभियान थमा कल डाले जाएंगे वोट

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम पांच बजे थम गया और अब 30 नवंबर को राज्य में मतदान होगा. मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, शाम पांच बजे चुनाव प्रचार अभियान थम गया है. भारत के निर्वाचन आयोग ने विभिन्न पाबंदियां लगा दी हैं. निर्वाचन आयोग ने नौ अक्टूबर को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की थी, जिसके बाद राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी. राज्य में 3.26 करोड़ पात्र मतदाता हैं. राज ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के लिए 2.5 लाख से अधिक कर्मचारी चुनाव ड्यूटी में तैनात होंगे. सीईओ के अनुसार, पूरे राज्य में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है. बीआरएस लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस सत्ता में वापसी के लिए जी जान लगा रही है. आगामी चुनाव में केसीआर, उनके पुत्र केटी रामा राव, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी और भाजपा के बंदी संजय कुमार, डी. अरविंद और सोयम बापूराव समेत 2,290 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं.

सोनिया की तेलंगाना के लोगों से समर्थन की अपील

भाषा। नयी दिल्ली

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन एक वीडियो संदेश जारी कर प्रदेश के मतदाताओं से उनकी पार्टी के पक्ष में मतदान की अपील की और कहा कि ‘दोराला तेलंगाना’ (सामंतियों का तेलंगाना) को ‘प्रजाला तेलंगाना’ (जनता का तेलंगाना) बनाकर ‘तेलंगाना मां के शहीद बेटों’ का सपना पूरा करना है. उन्होंने लोगों का यह आह्वान भी किया कि वे बदलाव के लिए अपनी पूरी शक्ति लगाएं. उनके संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के प्रमुख रहते वर्ष 2014 में नए तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था. तेलंगाना में कांग्रेस समर्थक आमतौर पर उन्हें ‘सोनिया अम्मा’ के नाम से पुकारते हैं.

सोनिया गांधी ने वीडियो संदेश में कहा, ‘तेलंगाना की मेरी बहनों और प्यारे भाइयों नमस्कारम, मैं आप सबके बीच नहीं आ पाई लेकिन मैं आप सबके दिल के बहुत करीब हूं. तेलंगाना मां के शहीद बेटों का सपना पूरा होते देखना चाहती हूं. मैं दिल से चाहती हूं कि दोराला तेलंगाना को हम सब प्रजाला तेलंगाना में बदल दें. आपके सपनों को साकार करें और आपको एक सच्ची और ईमानदार सरकार दें. कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख ने कहा, आपने मुझे सोनिया अम्मा कहकर अपार श्रद्धा और सम्मान दिया है. मुझे मां समान माना, इस प्रेम और आदर के लिए मैं आपकी सदा आभारी रहूंगी और आपके प्रति हमेशा समर्पित रहूंगी.

वोट अपील

- तेलंगाना के लोग पूरी शक्ति के साथ कांग्रेस को वोट दें
- तेलंगाना के लिए मेरे लिये दिल में अलग जगह

राजस्थान चुनाव में शानदार जीत दर्ज करेगी भाजपा: जोशी

भाषा। जयपुर

भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य विधानसभा चुनाव में पार्टी 135 से अधिक सीट के साथ शानदार जीत दर्ज करेगी. राज्य की 200 में से 199 सीटों पर शनिवार को मतदान हुआ और मतगणना तीन दिसंबर को होगी. उन्होंने कहा, 25 नवंबर को भाजपा को मिले जनसमर्थन से यह साफ है कि पार्टी को 135 से ज्यादा सीटें मिलेंगी और कांग्रेस 50 से भी कम सीटों पर सिमट जाएगी. जोशी ने कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रवाद के नाम पर वोट दिया है. उन्होंने कहा, कांग्रेस पिछले पांच वर्षों में अपने वादों को पूरा करने में विफल रही, महिलाओं की रक्षा करने में विफल रही, भ्रष्टाचार पनपा और कांग्रेस सरकार ने युवाओं को धोखा दिया. सरकार की तुष्टिकरण की नीति से जनता परेशान थी और सरकार कुर्सी बचाने में लगी रही. जोशी ने कहा कि राज्य की गहलोत सरकार चुनाव से ठीक पहले के कुछ महीनों में अनेक योजनाएं लेकर आई. उन्होंने कहा, अगर सरकार वास्तव में लोगों की परवाह करना चाहती थी तो उसने सरकार बनते ही योजनाएं क्यों नहीं शुरू कीं?

विधानसभा चुनाव : मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 14 जनसभाएं की मिजोरम में एक भी नहीं

4 राज्यों में पीएम ने की करीब 40 सभाएं

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों के आखिरी दौर में 40 के करीब चुनावी सभाओं को संबोधित किया और कुछ रोड शो भी किए. मध्य प्रदेश में सबसे अधिक उन्होंने 14 चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया जबकि मिजोरम में वह किसी भी चुनावी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए. पिछले महीने नौ अक्टूबर को पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया गया था. मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम में मतदान संपन्न हो चुका है. तेलंगाना में 30 दिसंबर को मतदान होना है, जहां आज शाम चुनाव का शोर थम जाएगा. तीन दिसंबर को पांचों राज्यों में मतगणना के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि किस राज्य में किसकी सरकार बनेगी और कहां किसका जादू चला. चुनावों की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री ने पहली रैली छत्तीसगढ़ में की थी. इसके बाद उन्होंने दुर्ग, विश्रामपुर, मुंगेली और महासमुंद में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के साथ ही वहां के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधा और भ्रष्टाचार एवं कांग्रेस के ‘कुशासन’ को मुद्दा बनाया. कांकेर की जनसभा को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री ने राज्य के लोगों के नाम एक खुला पत्र भी ‘एक्स’ पर साझा करते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की थी.

तेलंगाना में चुनाव प्रचार

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन अपना पूरा जोर लगाया. उन्होंने कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथों लिया.

कॅरियर-काउंसिलिंग

वाटर इंजीनियरिंग कोर्स के बाद आपको मिलते हैं जॉब्स के कई अवसर

एजुकेशन रिपोर्टर। रांची

वाटर इंजीनियरिंग सिविल इंजीनियरिंग का एक हिस्सा है, जो विशेष रूप से जल-आधारित परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करता है और इसमें जल उपचार, अपशिष्ट जल या बुनियादी ढांचा विकास शामिल हो सकता है. इसे हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग बोलते हैं, जो मुख्य रूप से पानी और सीवेज के प्रवाह और परिवहन से संबंधित है. वाटर इंजीनियरिंग कोर्सेज करने से पहले इसे समझना काफी आवश्यक है. इस फील्ड में काम के दौरान काफी चैलेंज्स भी आते हैं। वॉटर इंजीनियरिंग कोर्स वाले कैंडिडेट्स के लिए जॉब्स के कई अवसर उपलब्ध हैं. एक वाटर इंजीनियर के रूप में कोई भी व्यक्ति सभी स्तरों पर कई सरकारी एजेंसियों में विविध करियर विकल्प पा सकता है. वाटर इंजीनियरिंग कोर्सेज करने के बाद आपके लिए वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट में बेहतरीन जॉब्स के मौके मिलते हैं. आप अपनी इंजीनियरिंग डिग्री के दौरान पार्ट टाइम वर्क या फिर इंटर्नशिप शुरू कर सकते हैं. वर्तमान में वाटर इंजीनियरिंग काफी डिमांडिंग जॉब मानी जा रही है. अगर बीते 10 सालों के आंकड़े देखें तो वाटर इंजीनियरों के पदों में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. वाटर इंजीनियरिंग कोर्सेज के बाद आप किसान एवं कृषि मंत्रालय, जल संसाधन और नदी विकास मंत्रालय जैसे विभागों में काम कर सकते हैं. कोर्स पूरा करने के बाद आपके लिए जॉब्स ही नहीं, बल्कि खुद का बिजनेस करने का भी विकल्प है.

वाटर इंजीनियर के कार्य

- एक वाटर इंजीनियर जल आपूर्ति प्रणालियों, पानी की मांग का पूर्वानुमान लगाने के लिए पानी के उपयोग के आंकड़ों को एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए भी जिम्मेदार है.
- भूमिगत या सतही जल संसाधनों के मैथमेटिकल मॉडलिंग करने के लिए एक वॉटर इंजीनियर की आवश्यकता होती है.
- वाटर इंजीनियर के तौर पर आपको बाढ़ नियंत्रण, वाटर रिसोर्स, इरिगेशन वॉटर आदि का काम भी देखना पड़ता है. इसके लिए आपको तैयार रहना हो.
- सीवरेज और बाढ़ रक्षा संरचनाओं जैसे- पंप सिस्टम और पाइप नेटवर्क की प्रारंभिक रूपरेखा और पूर्ण योजना का निर्माण करना.
- पानी और सीवरेज बुनियादी ढांचे के संचालन का प्रबंधन और रखरखाव, सहकर्मियों और ग्राहकों को परियोजना विवरण और तकनीकी जानकारी प्रस्तुत करना.
- वाटर इंजीनियर के रूप में आपको रिपोर्ट लिखना और परियोजना बजट का प्रबंधन करना, कानून और दिशा-निर्देशों में बदलाव के साथ कस्टमर्स, ठेकेदारों, सरकारी एजेंसियों से संपर्क करना.

वाटर इंजीनियरिंग के लिए टॉप कोर्सेज

- जल संसाधन इंजीनियरिंग में बी.टेक
- मृदा एवं जल संरक्षण में बी.टेक
- सतत जल प्रबंधन/जल लेखापरीक्षा
- जल और अपशिष्ट जल इंजीनियरिंग एमएससी
- जल संसाधन और पर्यावरण इंजीनियरिंग
- जल आपूर्ति इंजीनियरिंग
- जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों में पानी : एक वैश्विक चिंता

आपदा तैयारियां

- **पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं :** सतत विकास के लिए एक विधि
- जल इंजीनियरिंग में एमएससी
- घरेलू जल उपचार और सुरक्षित भंडारण का परिचय
- स्थिरता की एबीसी
- जल संसाधन प्रबंधन और नीति
- जल एवं पर्यावरण प्रबंधन
- सिविल और जल इंजीनियरिंग
- जल एवं पर्यावरण प्रबंधन

वाटर इंजीनियरिंग के लिए टॉप रिक्रूटर्स

- स्टेबिन्स एंड एसोसिएट्स
- अर्काडिस
- अर्काडिस
- लकड़ी
- एटकिंस
- टेट्राटेक
- एयरोटेक
- सीएच2एम
- वुडार्ड और कुरेन
- एल एंड टी इंफ्रास्ट्रक्चर
- इंजीनियरिंग लिमिटेड
- एमग्रो टेक्नो सिस्टम्स प्रा. लिमिटेड
- टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज
- एचसीएलटेक
- डार ग्रुप
- पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी
- तेल और प्राकृतिक गैस

वाटर इंजीनियरिंग के लिए जरूरी स्किल्स

- **म्युनिकेशन एंड रिटेन स्किल्स :** मीटिंग में भाग लेना, सुझाव देना, डाटा फीडिंग आदि कार्यों के लिए आपको रिटेन और कम्युनिकेशन स्किल में दक्ष होना जरूरी है।
- **एनालिटिकल स्किल्स :** वॉटर इंजीनियर बनने के लिए आपको सही निर्णय लेना और बाढ़ नियंत्रण जैसे हालातों से निपटने के लिए एनालिसिस जरूरी है, इसलिए आपमें एनालिसिस करने का गुण होना चाहिए।
- **टीम वर्क :** वॉटर इंजीनियर अन्य इंजीनियर और सिविल इंजीनियर्स के साथ भी काम करते हैं। टीम संग काम करने के लिए आपको तैयार रहना चाहिए। किसी भी प्रोजेक्ट को बेहतर बनाने के लिए टीम वर्क अहम भूमिका निभाता है।
- **टाइम मैनेजमेंट स्किल :** वॉटर इंजीनियरिंग में आपको किसी भी जॉब में टाइम मैनेज करना बेहद महत्वपूर्ण है, अगर आप बाढ़ नियंत्रण या अन्य किसी काम के लिए जिम्मेदार हैं तो आपको समय का विशेष ध्यान रखना होता है.
- **नॉलेज ऑफ कंप्यूटर :** वॉटर इंजीनियरिंग की फील्ड में कुछ जॉब पोस्ट ऐसी हैं, जिनमें आपको कंप्यूटर के सॉफ्टवेयरों का इस्तेमाल करना होता है। इसलिए आपको कंप्यूटर की नॉलेज के साथ ही टाइपिंग स्पीड भी अच्छी होनी चाहिए.
- **डिजाइन स्किल :** नैचुरल सिस्टम और सेफ वॉटर सिस्टम को डिजाइन करने के लिए वॉटर इंजीनियर अपनी स्किल्स का इस्तेमाल करते हैं। यह काम करने वाले लोगों, उपकरण और वातावरण (इनवायरोमेंट) के लिए डिजाइन के लिए भी जिम्मेदार होते हैं, इसलिए डिजाइन स्किल महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.
- **प्रेशर हैंडल करना :** वॉटर इंजीनियरिंग की फील्ड में काम के दौरान कई बार प्रेशर की स्थिति रहती है, इसलिए आपको प्रेशर में भी काम करने की क्षमता होनी चाहिए.

टॉप विदेशी यूनिवर्सिटीज

- न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी
- वर्जीनिया टेक
- वोलोंगोंग यूनिवर्सिटी
- एरिज़ोना यूनिवर्सिटी
- अल्बर्टा यूनिवर्सिटी
- स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी
- इंपीरियल कॉलेज लंदन
- यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो, यूके
- एडिनबर्ग नेपियर यूनिवर्सिटी, यूके
- यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स, ऑस्ट्रेलिया

टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज

- मुंबई यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र
- एमिटी यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश
- वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी) वेल्लोर, तमिलनाडु
- भारतीय इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान हावड़ा, पश्चिम बंगाल
- मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी मणिपाल, कर्नाटक
- आईआईटी, दिल्ली
- एसएसएम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी एंड पॉलिटेक्निक कॉलेज, तमिलनाडु

एडमिशन के लिए आवेदन प्रक्रिया

- अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

प्रवेश परीक्षाएं

- जेईई मेन
- जेईई एडवांस्ड
- एमएचटी सीईटी
- ओजी
- बीसीईसीई
- असम सीईई
- यूपीएसईई
- केईएएम

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)